सुप्रभात रायपुर

दैनिक **प्रतिदिन राजधानी**

आम आदमी का खास अखबार

संस्थापक-स्व. श्री रामचंद नचरानी | प्रधान संपादक - शांति देवी नचरानी | वर्ष : 26 | अंक : 128 रायपुर, शुक्रवार, 29 मई 2026 | पृष्ठ : 12 | मूल्य ₹ 2.00 | RNI NO. CHH HIN/2001/05596

3 जिला पंचायतों को भी...

E-mail pratidincg@gmail.com E-paper https://epaper.pratidinrajdhani.in WhatsApp +91 62629 04444

स्ट्रेस के कारण मेमोरी हो... 8

जिन किसी व्यक्ति को समाचार या विज्ञापन देना है संपर्क करे : मो. नं. 9806044444, 6262904444 इस नंबर के अलावा अन्य नंबर पर दी गई सूचना से समाचार पत्र का लेना-देना नही रहेगा...

भारत का लोकतंत्र पूरी दुनिया के लिए मार्गदर्शक : ओम बिरला

एजेंसी, नई दिल्ली। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा कि भारत का लोकतंत्र दुनिया के लिए मार्गदर्शक का कार्य करता है। यह अपने संवाद, सहभागिता और संवैधानिक मूल्यों की समृद्ध परंपराओं के माध्यम से वैश्विक स्तर पर राष्ट्रों को प्रेरित कर रहा है। दिल्ली विधानसभा के ऐतिहासिक कक्ष में गुरुवार को केंद्रीय विधान सभा (1924–1930) की कार्यवाही के 89 खंडों और त्रैमासिक पत्रिका 'विधान–चेतना' के प्रथम अंक के लोकार्पण के मौके पर उन्होंने विचार व्यक्त किए। यह कार्यक्रम दिल्ली विधानसभा के अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता की अध्यक्षता में आयोजित हुआ जिसमें संसदीय

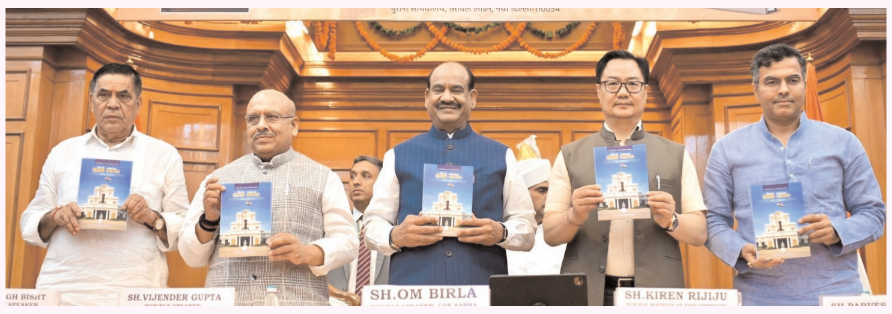

कार्य एवं अल्पसंख्यक कार्य मंत्री किरेन रिजिजू भी शामिल हुए। इस मौक पर दिल्ली के विधायी कार्य मंत्री प्रवेश साहिब सिंह, दिल्ली विधानसभा के उपाध्यक्ष मोहन सिंह बिष्ट, विधायक, दिल्ली विश्वविद्यालय के कई प्राध्यापक और शिक्षक मौजूद रहे। लोकसभा अध्यक्ष ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए इस बात पर विशेष बल दिया कि लोकतांत्रिक संस्थाओं की वास्तविक शक्ति जागरूक संवाद, तथ्य–परक चर्चा और सक्रिय जनभागीदारी में निहित है। उन्होंने कहा कि भावी पीढ़ियों में लोकतांत्रिक चेतना को सुदृढ़ करने के लिए भारत की संसदीय विरासत का संरक्षण और गहन अध्ययन अत्यंत आवश्यक है। लोकसभा अध्यक्ष ने जोर देकर कहा कि केवल तर्क, गंभीरता और तथ्यों पर आधारित चर्चा ही लोकतांत्रिक संस्थाओं की गरिमा को सुरक्षित रख सकती है और सार्वजनिक विश्वास को सुदृढ़ कर सकती है।

दिल्ली विधान सभा का यह ऐतिहासिक भवन भारत की लोकतांत्रिक चेतना

लोकसभा अध्यक्ष ने कहा कि दिल्ली विधान सभा का यह ऐतिहासिक भवन भारत की लोकतांत्रिक चेतना, संसदीय परंपराओं और हमारे स्वतंत्रता संग्राम का एक जीवंत प्रतीक तथा गौरवशाली विरासत है। इस परिसर के ऐतिहासिक महत्व को स्मरण करते हुए उन्होंने कहा कि इस भवन ने भारत के संसदीय लोकतंत्र के प्रारंभिक कालखंड को देखा है। यह एक ऐसा ऐतिहासिक मंच रहा है, जहां देश के स्वतंत्रता सेनानियों और महान राष्ट्रीय नेताओं ने प्रतिनिधित्व, नागरिक अधिकारों और स्वशासन के लिए अपनी मुखर संवैधानिक मांगें उठाई थीं। केंद्रीय विधानसभा के प्रथम भारतीय अध्यक्ष विठ्ठलभाई पटेल के अतुलनीय योगदान का स्मरण करते हुए बिरला ने कहा कि उन्होंने संसदीय शिष्टाचार, निष्पक्षता और अध्यक्ष पद (आसंदी) की गरिमा की एक सुदृढ़ नींव रखी थी। औपनिवेशिक शासन के अत्यंत कठिन समय और भारी दबाव के बावजूद, पटेल ने इस विधायी संस्था की स्वायत्तता और प्रतिष्ठा को अक्षुण्ण रखा। उनका यह योगदान देश भर के पीठासीन अधिकारियों और विधि निर्माताओं को हमेशा प्रेरित करता रहेगा।

पीएमएवाई-जी के तहत 12 राज्यों को 10,021 करोड़ रुपये का फंड जारी

एजेंसी, नई दिल्ली। केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने गुरुवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से प्रधानमंत्री आवास योजना–ग्रामीण (पीएमएवाई–जी) के अंतर्गत 12 राज्यों को 10,021.42 करोड़ रुपये का फंड जारी किया। इस मौके पर केंद्रीय ग्रामीण विकास राज्य मंत्री डॉ. चंद्र शेखर पेम्मासानी भी उपस्थित थे। जिन राज्यों को फंड की स्वीकृति जारी की गई उसमें–असम, छत्तीसगढ़, गुजरात, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, झारखंड, कर्नाटक, केरल, पंजाब, राजस्थान, तमिलनाडु एवं उत्तर प्रदेश शामिल हैं।

वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से आयोजित इस कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश के ग्रामीण विकास मंत्री केशव प्रसाद मौर्य, राजस्थान के मंत्री डॉ. किरोड़ी लाल मीणा, असम के मंत्री अतुल बोरा, झारखंड की मंत्री दीपिका पांडे, ग्रामीण विकास मंत्रालय के सचिव रोहित कंसल समेत केंद्र और विभिन्न राज्यों के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने मीडिया से बातचीत करते हुए कहा कि योजना के अंतर्गत 4.95 करोड़ घरों के लक्ष्य के सापेक्ष अब तक 3.91 करोड़ घरों को स्वीकृति प्रदान की जा चुकी है तथा 3.05 करोड़ से अधिक घरों का निर्माण पूर्ण हो चुका है।

लोरमी में 1.21 करोड़ की लागत से बनेगा सर्वसुविधायुक्त स्कूल

बिलासपुर. प्रतिदिन राजधानी

उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने आज लोरमी में हायर सेकंडरी स्कूल भवन के निर्माण कार्य का भूमिपूजन किया। उन्होंने बताया कि स्कूल भवन के निर्माण के लिए 1 करोड़ 21 लाख रुपए की प्रशासकीय स्वीकृति दी गई है। आज से निर्माण कार्य की औपचारिक शुरुआत हो गई है।

उप मुख्यमंत्री श्री साव ने कहा कि अनुबंध के अनुसार स्कूल भवन का 8 महीने में पूरा किया जाना है। उन्होंने ठेकेदार को निर्देश दिए हैं कि निर्माण कार्य समय से पहले और पूरी गुणवत्ता के साथ हो, जिससे विद्यार्थियों को बेहतर शैक्षणिक वातावरण मिल सके। उन्होंने कहा कि जहां बच्चों का भविष्य तैयार होता है, उस स्कूल का अच्छा भवन बनना क्षेत्र के लिए बड़ी उपलब्धि है।

देशभर से एक-एक घुसपैठिए को बाहर निकाला जाएगा : अमित शाह

एजेंसी, अहमदाबाद। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने कहा कि हमने पश्चिम बंगाल चुनाव में जो वादे किए थे, उसके अनुसार बांग्लादेश सीमा पर फेंसिंग और सुरक्षा को मजबूत किया जा रहा है। हमारी सरकार का संकल्प है कि देशभर से एक–एक घुसपैठिए को बाहर निकाला जाएगा। केंद्रीय मंत्री शाह अपने दो दिवसीय गुजरात दौरे के दूसरे दिन गुरुवार को अहमदाबाद के एस.जी. हाइवे स्थित सोला उमियाधाम कैंपस में पाटीदार समाज के युवाओं के लिए नवनिर्मित जे.एस. पटेल कुमार छात्रावास और तपस्वीकुमार पटेल कन्या छात्रावास के उद्घाटन अवसर पर बोल रहे थे।

शाह ने कहा, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में आज देश के 80 प्रतिशत भूभाग पर भाजपा का शासन है। हमने पश्चिम बंगाल चुनाव में जो वादे किए थे, उसके अनुसार बांग्लादेश सीमा पर फेंसिंग और सुरक्षा को मजबूत किया जा रहा

है। पश्चिम बंगाल सरकार ने सात दिनों में 600 हेक्टेयर जमीन बीएसएफ को सौंप दी है। हमारी सरकार का संकल्प है कि देशभर से एक–एक घुसपैठिए को बाहर निकाला जाएगा। इसके लिए केंद्र सरकार 'डेमोग्राफी चेंज कमीशन' की स्थापना कर रही है, जो एक वर्ष में अपनी रिपोर्ट सौंपेगा और अवैध जनसंख्या संतुलन को रोकने के लिए नए कानून की दिशा में काम करेगा। गृहमंत्री ने स्वतंत्रता सेनानी वीर सावरकर को याद करते हुए कहा, ''आज वीर सावरकर की जयंती है। वे ऐसे प्रखर राष्ट्रभक्त थे जिन्हें किसी सरकारी सम्मान की आवश्यकता नहीं थी। देश का बच्चा–बच्चा उन्हें वीर सावरकर के नाम से जानता है। अंग्रेजों ने उन्हें एक ही जीवन में दो बार आजीवन कारावास की सजा दी थी। उन्होंने जेल की दीवारों पर अपने खून से कविताएं लिखीं और समाज में अस्पृश्यता के खिलाफ महत्वपूर्ण कार्य किए।

हॉर्मुज जलडमरूमध्य पर ट्रंप का बड़ा बयान, कहा- अमेरिका रखेगा निगरानी

वॉशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने हॉर्मुज जलडमरूमध्य को लेकर बड़ा बयान देते हुए कहा है कि यह समुद्री मार्ग सभी देशों के लिए खुला रहेगा और अमेरिका इसकी निगरानी करेगा। उन्होंने यह भी कहा कि इस क्षेत्र से जुड़ी व्यवस्थाएं ईरान के साथ चल रही बातचीत का हिस्सा हैं। ट्रंप ने स्पष्ट किया कि हॉर्मुज जलडमरूमध्य किसी एक देश के नियंत्रण में नहीं रहेगा और इसे अंतरराष्ट्रीय समुद्री क्षेत्र के रूप में देखा जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि अमेरिका इस क्षेत्र पर नजर बनाए रखेगा, लेकिन किसी भी देश को इस पर नियंत्रण स्थापित करने की अनुमति नहीं दी जाएगी। उन्होंने ओमान को भी चेतावनी देते हुए कहा कि उसे क्षेत्रीय मामलों में हस्तक्षेप से बचना चाहिए। हालांकि उनके इस बयान को लेकर अभी तक ओमान की ओर से कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। वहीं, ट्रंप ने ईरान के मामले में अस्थायी समझौते को स्वीकार करने या ओमान के हस्तक्षेप पर साफ किया कि होर्मुज एक महत्वपूर्ण समुद्री मार्ग है, जो सभी के लिए खुला रहना चाहिए।

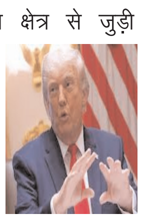

भारत-रूस शिक्षा शिखर सम्मेलन का शुभारंभ तकनीकी और चिकित्सा शिक्षा पर चर्चा

एजेंसी, नई दिल्ली। द्वितीय भारत–रूस शिक्षा शिखर सम्मेलन–2026 (आईआरईएस–2026) का गुरुवार को यहां के ली मेरीडियन होटल में शुभारंभ हुआ। दो दिवसीय शिखर सम्मेलन के पहले दिन दोनों देशों के शिक्षाविदों, नीति निर्माताओं, विश्वविद्यालयों के प्रतिनिधियों और विशेषज्ञों ने चिकित्सा शिक्षा, तकनीकी शिक्षा, कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई), छात्र विनिमय और संयुक्त अनुसंधान जैसे विषयों पर चर्चा की। सम्मेलन में शैक्षणिक सहयोग, संस्थागत साझेदारी और भविष्य केंद्रित शिक्षा मॉडल को मजबूत करने पर जोर दिया गया। रूसी शिक्षा संस्था, भारत में रूसी दूतावासा रॉसोट्रुडनिचेस्टवो और नई दिल्ली स्थित रशियन हाउस के सहयोग से इस शिखर सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है।

इसका उद्घाटन भारत में रूस के राजदूत डेनिस अलीपोव, रॉसोट्रुडनिचेस्टवो के प्रतिनिधि कार्यालय की प्रमुख डॉ. एलेना रेमिजोवा, रूस की उप स्वास्थ्य मंत्री डॉ. तात्याना सेम्योनोवा, रॉसोट्रुडनिचेस्टवो के उप प्रमुख डॉ. पावेल शेवत्सोव ने संयुक्त रूप से किया। उद्घाटन समारोह में रूस के कृषि मंत्रालय के शिक्षा विभाग की निदेशक यूलिया कोंदिकोवा और भारतीय प्रतिनिधियों में राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग के अध्यक्ष डॉ. अभिजात चंद्रकांत शेठ, भारतीय विश्वविद्यालय संघ के अध्यक्ष प्रो विनय कुमार पाठक, हरियाणा राज्य उच्च शिक्षा परिषद के अध्यक्ष प्रो केसी शर्मा, भारतीय विश्वविद्यालय संघ की महासचिव डॉ. पंकज मित्तल, एमिटी शिक्षा समूह के कुलपति प्रो गुरिंदर सिंह, शारदा समूह संस्थानों के संस्थापक एवं अध्यक्ष पीके गुप्ता सहित तमाम लोग शामिल हुए। सम्मेलन के पहले दिन चार प्रमुख पैनल चर्चाओं का आयोजन किया गया, जिनमें चिकित्सा शिक्षा, तकनीकी शिक्षा, एआई, रोबोटिक्स एयरोस्पेस टेक्नोलॉजी, कृषि, खाद्य सुरक्षा, खेल, युवा सहयोग और सांस्कृतिक आदान–प्रदान जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विचार–विमर्श हुआ।

उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने मोहला ब्रांड का किया शुभारंभ

रायपुर, प्रतिदिन राजधानी

सुशासन तिहार 2026 के तहत आज मोहला मानपुर अम्बागढ़ चौकी जिले के जनपद पंचायत अंबागढ़ चौकी के ग्राम पंचायत भनसुला में जनसमस्या निवारण शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में उप मुख्यमंत्री एवं जिले के प्रभारी मंत्री श्री विजय शर्मा मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। उप मुख्यमंत्री द्वारा जिले की महिला स्व सहायता समूहों द्वारा तैयार किए गए उत्पादों का 'मोहला ब्रांड' के रूप में शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा ने उपस्थित ग्रामीणों को संबोधित करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ शासन द्वारा आयोजित सुशासन तिहार का मुख्य उद्देश्य शासन और प्रशासन को सीधे जनता के द्वार तक पहुंचाना है।

गीर के जंगल में रहस्यमयी वायरस से सात शेरों की मौत, 17 शेरों को किया गया क्वारंटीन

एजेंसी, गांधीनगर। विश्व में एशियाई शेरों के एकमात्र प्राकृतिक आवास गिर जंगल से एक चिंताजनक खबर सामने आई। पिछले कुछ दिनों में गिर क्षेत्र में कुल सात शेरों की मौत हो चुकी है। इनमें चार शावक हैं। इससे वन विभाग में हड़कंप मच गया है। अरण्य भवन में पीसीसीएफ डॉ. जयपालसिंह ने गुरुवार को बताया कि मृत शेरों में रहस्यमयी वायरस के लक्षण पाए गए हैं। हालांकि यह कहना मुश्किल है कि यह कैनाइन डिस्टेंपर वायरस(सीडीवी) है या नहीं। इसके लिए सैंपल जांच के लिए भेजे गए हैं और जिसकी रिपोर्ट एक सप्ताह बाद आने की संभावना है। वन विभाग ने एहतियात के तौर पर 17 शेरों को क्वारंटीन किया है।

इनमें से आठ शेरों में रहस्यमयी वायरस के लक्षण दिखाई दिए हैं। संक्रमित शेरों के इलाज के लिए पशु चिकित्सकों की टीम दिन–रात जुटी है। पीसीसीएफ के डॉ. जयपालसिंह के अनुसार 12 डॉक्टरों की विशेष टीम लगातार उपचार और मॉनिटरिंग कर रही है।

गिर जंगल क्षेत्र में लगभग 10 किलोमीटर के दायरे में विशेष निगरानी अभियान चलाया जा रहा है। यह भी जांच की जा रही है कि शेर पहले से किसी बीमारी से पीड़ित थे या नहीं स्थिति की गंभीरता को देखते हुए वन विभाग ने बड़ी संख्या में कर्मचारियों को गिर क्षेत्र में तैनात किया है। फिलहाल करीब 250 वनकर्मी राहत और निगरानी कार्य में लगे हैं। वहीं जामनगर, सूरत, राजकोट, कच्छ और जूनागढ़ से 20 से अधिक अधिकारियों और कर्मचारियों को भी गिर बुलाया गया है। इनमें आरएफओ, वनपाल और फॉरेस्ट स्टाफ शामिल हैं। खास बात यह है कि ये कर्मचारी पहले भी गिर जंगल में सेवाएं दे चुके हैं, इसलिए क्षेत्र और परिस्थितियों की अच्छी समझ होने के कारण इन्हें दोबारा तैनात किया गया है।

एसईसीएल एवं सीडब्ल्यूसी के बीच रणनीतिक एमओयू

रायपुर, प्रतिदिन राजधानी

साऊथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (एसईसीएल) एवं सेंट्रल वेयरहाउसिंग कॉर्पोरेशन (सीडब्ल्यूसी) के बीच कोयला लॉजिस्टिक्स, जीपीडब्ल्यूआईएस/समकक्ष योजनाओं के अंतर्गत रेलवे रेक उपलब्धता तथा एकीकृत परिवहन सेवाओं के क्षेत्र में रणनीतिक सहयोग हेतु एक महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए। भारत की ऊर्जा सुरक्षा एवं कोयला लॉजिस्टिक्स अवसंरचना को सुदृढ़ करने की दिशा में कोयला मंत्रालय के मार्गदर्शन में एसईसीएल निरंतर कोयला निकासी क्षमता बढ़ाने तथा विभिन्न उपभोक्ता क्षेत्रों को निर्बाध ईंधन आपूर्ति सुनिश्चित करने हेतु कार्य कर रहा है। सीडब्ल्यूसी के साथ यह साझेदारी इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

इस रणनीतिक साझेदारी का उद्देश्य बिजली, इस्पात, सीमेंट तथा अन्य प्रमुख औद्योगिक क्षेत्रों की बढ़ती मांग को ध्यान में रखते हुए विश्वसनीय, दक्ष एवं समर्पित रेल लॉजिस्टिक्स समाधान के माध्यम से

एसईसीएल की कोयला निकासी क्षमता को और सशक्त बनाना है।

एमओयू के अंतर्गत समर्पित रेलवे रेक संचालन, एकीकृत कोयला परिवहन समाधान, मल्टीमॉडल लॉजिस्टिक्स, फर्स्ट–माइल एवं लास्ट–माइल कनेक्टिविटी तथा लॉजिस्टिक्स मॉनिटरिंग एवं परिचालन दक्षता हेतु डिजिटल प्रणालियों के उपयोग जैसे क्षेत्रों में सहयोग किया जाएगा। प्रस्तावित व्यवस्था के तहत दोनों संस्थाएं संयुक्त रूप से जीपीडब्ल्यूआईएस/समकक्ष रेक संचालन, एकीकृत रेल लॉजिस्टिक्स सेवाएं तथा दीर्घकालिक परिवहन समाधान विकसित करने की संभावनाओं पर कार्य करेंगी, जिससे डिस्पैच दक्षता में वृद्धि एवं लॉजिस्टिक बाधाओं में कमी आएगी। यह समझौता एसईसीएल के अध्यक्ष–सह–प्रबंध निदेशक श्री हरीश दुहन तथा सीडब्ल्यूसी के प्रबंध निदेशक श्री संतोष सिन्हा की उपस्थिति में संपन्न हुआ। इस अवसर पर एसईसीएल के कार्यात्मक निदेशकगण, वरिष्ठ अधिकारी एवं सीडब्ल्यूसी के प्रतिनिधि भी उपस्थित थे। एसईसीएल देश की बढ़ती कोयला मांग को पूरा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। वित्तीय वर्ष 2026–27 में कोल इंडिया लिमिटेड ने 100 मिलियन टन उत्पादन का आंकड़ा पार कर लिया है, जिसमें एसईसीएल ने 26.8 मिलियन टन से अधिक उत्पादन कर अग्रणी योगदानकर्ता के रूप में अपनी भूमिका निभाई है।

समावेशी शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए सेल और एडसिल के बीच समझौता

रायपुर, प्रतिदिन राजधानी

भारत सरकार के इस्पात मंत्रालय के अधीन देश की अग्रणी महारत्न इस्पात उत्पादक कंपनी, स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड और शिक्षा मंत्रालय के तहत सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम, एडसिल (इंडिया) लिमिटेड के मध्य कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व के अंतर्गत एक महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए हैं। कल, 26 मई 2026 को नई दिल्ली में संपन्न हुए इस रणनीतिक समझौते का मुख्य उद्देश्य सेल के विभिन्न संयंत्र एवं परिचालन क्षेत्रों के आसपास स्थित विद्यालयों में अत्याधुनिक 'स्मार्ट डिजिटल क्लासरूम' की स्थापना करना है। इस दूरदर्शी पहल के माध्यम से औद्योगिक अंचलों में रहने वाले छात्र–छात्राओं को आधुनिक और तकनीकी रूप से समृद्ध शिक्षण माहौल उपलब्ध कराया जाएगा।

यह द्विपक्षीय सहयोग देश में समावेशी शिक्षा के ढांचे को मजबूत करने और दूरदराज के क्षेत्रों में शैक्षणिक परिणामों (लर्निंग आउटकम्स) को बेहतर बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम है। यह पूरी परियोजना सीधे तौर पर भारत सरकार की 'राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020' के दिशानिर्देशों और संयुक्त राष्ट्र के 'सतत विकास लक्ष्य–4' के वैश्विक मानकों के अनुरूप तैयार की गई है। इसके माध्यम से समाज के हर वर्ग के लिए न्यायसंगत, गुणवत्तापूर्ण और समान शिक्षा के अवसर सुनिश्चित किए जा रहे हैं, ताकि डिजिटल विभाजन को पाटकर युवाओं को भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयार किया जा सके। इस गरिमामयी समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर के अवसर पर सेल के निदेशक (कार्मिक), के. के. सिंह विशेष रूप से उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान सेल और एडसिल दोनों ही संगठनों के कई अन्य वरिष्ठ अधिकारियों और तकनीकी विशेषज्ञों ने भी अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। उपस्थित गणमान्य व्यक्तियों ने इस बात पर बल दिया कि आधुनिक शिक्षा प्रणाली में डिजिटल बुनियादी ढांचा समय की मांग है और सार्वजनिक क्षेत्र के इन दो बड़े उपक्रमों का यह समन्वय भविष्य में देश के ग्रामीण व अर्ध–शहरी क्षेत्रों के शैक्षणिक कायाकल्प में एक अनुकरणीय मॉडल साबित होगा।

मंनोरजन समाचार प्रचार-प्रसार प्रकाशित
हेतु संपर्क करे : 9806044444

प्रतिदिन राजधानी

रायपुर, शुक्रवार, 29 मई 2026

https://epaper. pratidinrajdhani.in

मां का सपना पूरा करने मुंबई पहुंचीं मुस्कान

लोगों ने कहा- गलत काम करती होगी, फिर इंस्पेक्टर अविनाश में देखकर प्राउड फील किया

एक्ट्रेस मुस्कान वर्मा ने छोटे शहर रुड़की से निकलकर मुंबई में अपनी पहचान बनाई। म्यूजिक सीखने वाली मुस्कान के भीतर एक्टिंग का सपना उनकी मां ने जगाया, जो खुद एक्ट्रेस बनना चाहती थीं। शुरुआती दिनों में उन्हें संघर्ष, रिजेक्शन और लोगों के ताने झेलने पड़े, लेकिन उन्होंने हार नहीं मानी। वेब सीरीज 'इंस्पेक्टर अविनाश' में बिन्नी के किरदार ने उन्हें नई पहचान दी।

आपकी जर्नी बहुत खूबसूरत रही है। रुड़की जैसे शहर से मुंबई तक पहुंचना आसान नहीं होता। सबसे पहले एक्टिंग का सपना कब देखा?

सच कहूं तो यह सपना मेरी मम्मी का था। वह खुद एक्ट्रेस बनना चाहती थीं, लेकिन उस समय लड़कियों की जल्दी शादी हो जाती थी। उनका सपना अधूरा रह गया। धीरे-धीरे वही सपना मेरे अंदर आने लगा। मम्मी मुझे बचपन से दो रिबन, काजल और लिपस्टिक लगाकर हीरोइन की तरह तैयार करती थीं। लोग कहते थे कि जिस तरह यह बच्ची को तैयार करती है, यह जरूर फिल्मों में जाएगी।

यानी कहीं न कहीं मम्मी ने आपके अंदर वह सपना डाल दिया था?

बिल्कुल। फिर मैंने म्यूजिक का छह साल का कोर्स किया। मेरी मैम कहती थीं कि तुम्हें मुंबई जाकर कोशिश करनी चाहिए। उसके बाद मम्मी-पापा ने मुझे एक-दो साल का समय दिया कि जाओ और ट्राई करो।

जब घर से सीमित समय मिला था, तब मुंबई आने के बाद पहला मौका कैसे मिला?

मैं कोविड से थोड़ा पहले मुंबई आई थी और जल्दी ही मुझे एक टीवीसी ऐड मिल गया। फिर लगा कि शायद मैं सही दिशा में जा रही हूं। कोविड के दौरान पापा ने कहा था कि अब वापस आ जाओ, क्योंकि उस समय बहुत लोग मुंबई छोड़ रहे थे। लेकिन तभी मुझे 'इंस्पेक्टर अविनाश' मिल गई।

मुंबई में शुरुआत कैसे हुई? पहली बार कहां रुकी थीं?

शुरुआत में मैं न्यू म्हाडा में रुकी थी। रिश्तेदारों के जरिए रहने की व्यवस्था हुई। धीरे-धीरे ऑडिशन देना शुरू किया, लोगों से मिलती गई और इंडस्ट्री को समझती गई।

छोटे शहर से आने वाले लोगों के लिए मुंबई को समझना आसान नहीं होता। आपने कैसे सीखा?

ऑडिशन में जाती गई और लोगों से मिलती गई। फिर दोस्त बने। किसी ने बताया कि ऐसे ऑडिशन देना होता है और ऐसे कास्टिंग डायरेक्टर से मिलना होता है। बाद में मैं मेडिटेशन और ब्रह्माकुमारी से भी जुड़ गई। मुझे लगता है कि भगवान कृष्ण की कृपा से सब होता चला गया।

आपने म्यूजिक की पढ़ाई की, तो सपना सिंगर बनने का था या एक्ट्रेस बनने का?

शुरुआत में सपना सिंगिंग का था। मेरी आवाज की तारीफ होती थी। लेकिन धीरे-धीरे एक्टिंग की तरफ झुकाव बढ़ता गया। सच कहूं तो अब काफी समय से मैंने रियाज नहीं किया है। एक्टिंग में इतना बिजी हो गई हूं कि म्यूजिक थोड़ा पीछे छूट गया। लेकिन अगर आगे कभी मौका मिला, तो मैं अपनी किसी फिल्म या प्रोजेक्ट में जरूर गाना चाहूंगी।

आपको कब लगा कि एक्टिंग ही करनी है?

जब मम्मी दिन में सोती थीं, तब मैं साड़ी पहनकर माधुरी दीक्षित के गानों पर डांस करती थी। शायद वहीं से सब शुरू हुआ।

पेरेंट्स क्या करते हैं और परिवार में सबसे ज्यादा सपोर्ट किसका मिला?

मेरे पापा पत्रकार हैं और मम्मी टीचर हैं। सबसे ज्यादा सपोर्ट मम्मी का मिला। पापा थोड़े स्ट्रिक्ट थे। म्यूजिक क्लास मम्मी ने उनसे छुपाकर कराई। उन्हें डर था कि मेरे सपने कहीं खत्म न हो जाएं।

मुंबई में संघर्ष कितना मुश्किल रहा?

बहुत मुश्किल था। यहां अच्छे और गलत दोनों तरह के लोग मिले। कॉम्प्रोमाइज जैसी बातें सुननी पड़ीं। लेकिन मैंने ऐसे कई प्रोजेक्ट छोड़ दिए। मुझे लगा कि गलत रास्ते से सफलता नहीं चाहिए।

उस दौरान आर्थिक स्थिति कैसे संभाली?

मैंने यहां लगभग एक साल नौकरी की। एक ऑफिस में काम करती थी। मैं घर से ज्यादा पैसे नहीं मांगती थी, क्योंकि डर था कि पापा वापस बुला लेंगे।

फिल्म इंडस्ट्री को लेकर छोटे शहरों में बहुत गलत धारणाएं होती हैं। आपके साथ भी ऐसा हुआ?

हां, बहुत हुआ। लोगों ने कहा कि मुंबई जाकर पता नहीं क्या कर रही होगी। लेकिन मैंने कभी जवाब नहीं दिया। मैंने सोचा कि एक दिन मेरा काम ही जवाब देगा। आज वही लोग टीवी पर मुझे देखकर तारीफ करते हैं।

एक्टिंग में पहला बड़ा मौका कौन सा मिला?

मैंने पहले स्टार भारत के शो 'राधा कृष्ण' में चित्रलेखा का रोल किया। उसका ऑडिशन दिया और भूल गई थी। रात 12:30 बजे कॉल आया कि सुबह 6 बजे शूट के लिए निकलना है।

उस शो से कितना फायदा मिला?

सीखने को बहुत मिला, लेकिन मुझे हमेशा लगता था कि मैं टीवी सीरियल्स के लिए नहीं बनी हूं। मैं कुछ अलग करना चाहती थी।

कभी ऐसा लगा कि शायद यह इंडस्ट्री आपके लिए नहीं है?

हां। एक बड़े शो में मैं फाइनल हो गई थी, लेकिन शूट से एक रात पहले रिप्लेस कर दिया गया। मैं डिप्रेशन में चली गई थी। लगा कि शायद मैं टैलेंटेड नहीं हूं। लेकिन बाद में समझ आया कि शायद भगवान ने मेरे लिए कुछ बड़ा सोच रखा था।

फिर 'इंस्पेक्टर अविनाश' में काम करने का मौका कैसे मिला?

एक कास्टिंग डायरेक्टर ने मुझे कॉल किया और कहा कि एक डायरेक्टर से मिल लो। मैं उस समय इसे सीरियस नहीं ले रही थी। उन्होंने चार-पांच बार कॉल किया, तब मैं मिलने गई।

पहली बार इतने बड़े सेट पर पहुंचीं। कैसा अनुभव रहा?

बहुत शानदार। मुझे कभी नहीं लगा कि मैं पहली बार काम कर रही हूं। नीरज पाठक सर इतने सपोर्टिव थे कि हर चीज प्यार से समझाते थे। वह किसी भी एक्टर से बेहतरीन एक्टिंग निकलवा लेते हैं।

रणदीप हुड्डा के साथ पहला सीन कैसा था?

बहुत अच्छा। उन्होंने मुझे कभी जूनियर जैसा महसूस नहीं कराया। हमारे बीच भाई-बहन जैसा रिश्ता बन गया था। पहला सीन वही था, जिसमें मेरा किरदार कॉलेज टॉप करता है और पूरा एसटीएफ परिवार घर आता है।

दूसरे सीजन में आपका किरदार और मजबूत दिखा। उसके बारे में बताइए?

इसमें दिखाया गया है कि बेटियां किसी बेटे से कम नहीं होतीं। एक भावुक सीन है, जहां मेरे किरदार को अपने पिता को मुखाग्नि देनी पड़ती है। लोगों ने उस सीन को बहुत पसंद किया।

उस सीन को करते समय क्या महसूस हुआ?

उस समय मैंने सच में सोच लिया था कि सामने लेटे हुए मेरे असली पापा हैं। मैं इतनी भावुक हो गई थी कि सीन खत्म होने के बाद खुद को संभालने में समय लगा।

एक्टिंग की तैयारी कैसे करती हैं?

मैं गहरी वर्कशॉप्स करती हूं। मेरे ट्रेनर सिखाते हैं कि सीन करते समय पूरी ईमानदारी होनी चाहिए। उस पल वही रिश्ता सच लगना चाहिए। अगर सामने वाला मेरा भाई या पिता है, तो उस समय मैं सच में वही महसूस करती हूं।

इस जून से जी सिनेमा लेकर आ रहा है 40 से ज्यादा प्रीमियर्स का धमाकेदार लाइनअप

अब नजर हटेगी नहीं जी सिनेमा से, क्योंकि यहाँ प्रीमियर्स होने वाले हैं पूरी तरह आउट ऑफ कंट्रोल! इस समर सीजन को ब्लॉकबस्टर जश्न में बदलते हुए जी सिनेमा लेकर आ रहा है 40 से ज्यादा बड़े प्रीमियर्स का मेगा लाइनअप, जहाँ दर्शकों को मिलेगा धमाकेदार एक्शन, दिलचस्प कहानियाँ और एक के बाद एक नए प्रीमियर्स का नॉन-स्टॉप एंटरटेनमेंट। इस धमाकेदार लाइनअप की शुरुआत होगी 'अखंडा 2' से, जिसका प्रीमियर सोमवार 1 जून रात 8 बजे होगा। नंदमुरी बालकृष्ण स्टारर इस फिल्म को बोयापति श्रीनु ने डायरेक्ट किया है। फिल्म अखंडा की कहानी को और बड़े स्तर पर लेकर जाती है, जहाँ एक दिव्य रक्षक धर्म की रक्षा के लिए अंधकार और बुरी ताकतों के खिलाफ खड़ा होता है। एक्टर और डायरेक्टर की यह ब्लॉकबस्टर जोड़ी फिर साथ आई है और इस बार फिल्म में भक्ति, धर्म और बड़े स्केल के एक्शन का जबर्दस्त मेल देखने को मिलेगा। 'अखंडा 2' में लड़ाई सिर्फ बाहरी दुश्मनों से नहीं, बल्कि उन अदृश्य शक्तियों से भी है, जो धर्म के संतुलन को बिगाड़ने की कोशिश करती हैं। सनातन धर्म और दिव्य ऊर्जा से जुड़ी यह फिल्म दर्शकों को एक अलग सिनेमाई अनुभव देने वाली है। इसके बाद लाइनअप में शामिल है 'दिल मद्रासी', जिसका प्रीमियर बुधवार 3 जून रात 8 बजे होगा। यह फिल्म एआर मुरुगादोस की है, जिन्होंने 'गजनी' और 'हॉलिडे' जैसी ब्लॉकबस्टर फिल्में दी हैं। वे ऐसे डायरेक्टर माने जाते

हैं, जो दमदार एक्शन के साथ दिल छू लेने वाली कहानी भी लेकर आते हैं। 'दिल मद्रासी' भी एक्शन और इमोशन का शानदार मेल है। फिल्म में शिवकार्तिकेयन, रुक्मिणी वसंत और विद्युत जामवाल नजर आएँगे, जहाँ शिवकार्तिकेयन एक ऐसे इंसान का किरदार निभा रहे हैं, जो धीरे-धीरे एक बड़े संघर्ष में फंस जाता है, वहीं विद्युत जामवाल अपने खतरनाक विलेन वाले अंदाज और दमदार स्क्रीन प्रेजेंस से अलग ही असर छोड़ते हैं। प्रीमियर्स का यह सिलसिला आगे बढ़ेगा 'किष्किंधापुरी' के साथ, जिसका प्रीमियर शुक्रवार 5 जून रात 8 बजे होगा। साई श्रीनिवास बेल्लमकोंडा, 'जय जानकी नायका', 'खूंखार' और 'प्रलय द डिस्ट्रॉयर' जैसी दमदार फिल्मों के बाद, इस मिस्ट्री थ्रिलर में एक दमदार नए अंदाज में लौट रहे हैं। कौशिक पेगल्लापति के निर्देशन में बनी यह मिस्ट्री थ्रिलर राघव और मैथिली की कहानी दिखाती है, जो एक ऐसे रहस्यमयी रेडियो स्टेशन से जुड़े डरावने सच में फंस जाते हैं, जिसका हिंसक अतीत अब भी खत्म नहीं हुआ है। जैसे-जैसे रहस्य गहराता है, दोनों एक ऐसे डरावने खेल में फंस जाते हैं, जहाँ से निकलना लगभग नामुमकिन है, क्योंकि कुछ दरवाजे एक बार खुल जाएँ, तो फिर कभी बंद नहीं होते। और यह तो सिर्फ शुरुआत है। इस सीजन में आगे 'मास जथारा', 'ओडेला 2', 'भैरवम', 'अर्जुन सन ऑफ वैजयंती', 'शीलावती: द घाटी क्वीन', 'मावीरण' और कई दूसरी बड़ी फिल्में भी प्रीमियर होने वाली हैं, यानि एक बार जी सिनेमा पर ये प्रीमियर्स शुरू हो गए, तो चैनल बदलने का मन ही नहीं करेगा। तो तैयार हो जाइए बड़े प्रीमियर्स, बड़ी कहानियों और नॉन स्टॉप एंटरटेनमेंट से भरे इस ब्लॉकबस्टर सीजन के लिए, सिर्फ जी सिनेमा पर।

परिणीति की पोस्ट ने किया उनकी नई लाइफ स्टाइल की ओर इशारा

बॉलीवुड अभिनेत्री परिणीति चोपड़ा ने एक खास पोस्ट से लोगों का ध्यान अपनी ओर खींचा है। उन्होंने अपने घर के बने हेल्दी खाने की तस्वीर पोस्ट की, जिसमें भारतीय स्वाद और सेहत दोनों की झलक साफ दिखाई दी, और जिसने उनके नए लाइफस्टाइल की ओर इशारा किया। परिणीति चोपड़ा ने अपने इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक तस्वीर पोस्ट की, जिसमें देसी जायके से भरपूर लिट्टी चोखा की प्लेट नजर आ रही थी। प्लेट में सुनहरी लिट्टियां करीने से रखी हुई थीं और साथ में एक कटोरी में आलू और बैंगन से बना स्वादिष्ट चोखा भी रखा दिखाई दे रहा था। इस पोस्ट ने उनके फैंस और फूड लवर्स का तुरंत ध्यान खींचा। इस पोस्ट के साथ परिणीति ने कैप्शन में लिखा, यह लिट्टी चोखा घर पर बनाया गया है और इसे हेल्दी बनाने के लिए खास ध्यान रखा गया है। लिट्टी ज्वार के आटे से तैयार की गई है, जिसमें सत्तू की भरपूर स्टफिंग डाली गई है, जो इसे प्रोटीन और फाइबर से भरपूर बनाती है। साइड डिश के रूप में आलू और बैंगन का चोखा बनाया गया है, जिसमें कम तेल और मसालों का इस्तेमाल किया गया है। यह पोस्ट दर्शाता है कि वे अपने पारंपरिक व्यंजनों को भी स्वास्थ्यवर्धक

तरीके से अपना रही हैं। बता दें कि हाल ही में मां बनने के बाद से परिणीति चोपड़ा अपनी सेहत और खानपान पर पहले से ज्यादा ध्यान देने लगी हैं। मातृत्व के बाद शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य को प्राथमिकता देना एक आम बात है, और परिणीति का यह पोस्ट इसी बदलाव की ओर इशारा करता है। उनके फैंस इस बात की सराहना कर रहे हैं कि वे अपनी व्यस्त दिनचर्या के बावजूद सेहतमंद जीवनशैली अपना रही हैं। इस पोस्ट के अलावा, परिणीति ने एक अन्य पोस्ट भी साझा किया, जिसमें वह ब्राउन कलर की स्टाइलिश आउटफिट में बेहद खूबसूरत नजर आ रही थीं। उन्होंने अपने बालों को खुला रखा था, जो उनके लुक को और भी आकर्षक बना रहा था। वह एक मेकअप रूम में खड़ी थीं, जिसके बैकग्राउंड में मिरर और कुछ कपड़े नजर आ रहे थे, जो उनके काम के व्यस्त माहौल को दर्शाता है। इस पोस्ट के कैप्शन में परिणीति ने लिखा, पीछे मेस, आगे ड्रेस... इस कैप्शन का कोई मतलब है? उनका यह मजाकिया अंदाज भी फैंस को खूब पसंद आया, जिसने उनके व्यक्तित्व की एक और झलक पेश की। निजी जीवन की बात करें तो परिणीति चोपड़ा की शादी युवा नेता राघव चड्ढा से हुई है। दोनों ने सितंबर 2023 में राजस्थान के खूबसूरत शहर उदयपुर में एक निजी, लेकिन बेहद भव्य समारोह में शादी की थी। इस शादी में केवल करीबी परिवार के सदस्य और चुनिंदा दोस्त शामिल हुए थे, लेकिन इसकी तस्वीरें और वीडियो सोशल मीडिया पर खूब वायरल हुए थे, जिसने उनकी खुशहाल नई जिंदगी की शुरुआत को दर्शाया।

अदालत का उद्देश्य जानवरों को निर्ममता से हटाना नहीं : सोनम बाजवा

पंजाबी फिल्मों की लोकप्रिय अभिनेत्री सोनम बाजवा ने आवारा कुत्तों से जुड़े संवेदनशील मुद्दे पर मुख्यमंत्री भगवंत मान से भावुक अपील की है। सोशल मीडिया पर लंबा पोस्ट साझा करते हुए सोनम बाजवा ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने स्ट्रे डॉग्स को बड़े पैमाने पर सड़कों से हटाने या खत्म करने का कोई सीधा आदेश नहीं दिया है। उन्होंने सरकार से इस मामले में दया, संवेदनशीलता और मानवीय दृष्टिकोण अपनाने की मांग की। अपने इंस्टाग्राम पोस्ट में सोनम बाजवा ने लिखा कि सुप्रीम कोर्ट ने केवल संवेदनशील सार्वजनिक स्थानों से आवारा कुत्तों को नियंत्रित तरीके से हटाने की बात कही है, जिसमें नसबंदी, टीकाकरण और

शेल्टरिंग जैसे वैज्ञानिक और मानवीय उपाय शामिल हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि अदालत का उद्देश्य जानवरों को निर्ममता से हटाना नहीं, बल्कि समस्या का संतुलित समाधान निकालना है। अभिनेत्री ने राज्य की व्यवस्था पर सवाल उठाते हुए पूछा कि आखिर पर्याप्त शेल्टर और बुनियादी सुविधाएं कहां हैं। उन्होंने कहा कि जब तक आवारा जानवरों के लिए सही इंफ्रास्ट्रक्चर तैयार नहीं किया जाता, तब तक उन्हें सड़कों से हटाने का फैसला बेजुबान जानवरों के लिए सजा जैसा साबित हो सकता है। सोनम ने कहा कि इंसानों की सुरक्षा निश्चित रूप से जरूरी है, लेकिन इसके साथ दया और जिम्मेदारी भी उतनी ही महत्वपूर्ण है। उन्होंने मुख्यमंत्री भगवंत मान से अनुरोध किया कि इस पूरे मुद्दे पर दोबारा गंभीरता से विचार किया जाए और ऐसा समाधान निकाला जाए जो इंसानियत और संवेदनशीलता दोनों को साथ लेकर चले। सोनम ने सुझाव दिया कि सरकार को पशु कल्याण से जुड़े एनजीओ, पशु चिकित्सकों, स्थानीय प्रशासन और पब्लिक सेफ्टी एक्सपर्ट्स को साथ बैठाकर एक व्यावहारिक और मानवीय नीति तैयार करनी चाहिए।

दर्शकों के बीच चर्चा का विषय बनी सेवन एंड ए हाफ डेट्स

म्यूजिकल मिनी सीरीज सेवन एंड ए हाफ डेट्स इन दिनों दर्शकों और समीक्षकों के बीच काफी चर्चा का विषय बनी हुई है। डिजिटल मनोरंजन की दुनिया में एक नए आयाम स्थापित करती यह श्रृंखला रोमांस, गहरी भावनाओं और संगीत को इस तरह से एक साथ पिरोती है, जिससे दर्शकों को एक अनूठा और अविस्मरणीय अनुभव प्राप्त होता है। सीरीज में संगीत को केवल पार्श्व में बजने वाले गीतों के रूप में नहीं, बल्कि कहानी और किरदारों के भावनात्मक सफर के एक अभिन्न अंग के रूप में प्रस्तुत किया गया है। हर गाना कहानी के मोड़, पात्रों की आंतरिक उथल-पुथल और उनके रिश्तों की गहराई को आगे बढ़ाने का काम करता है। इसी विशेष सीरीज में प्यार मेरा नामक एक गीत को लोकप्रिय प्लेबैक सिंगर असीस कौर ने अपनी भावपूर्ण आवाज दी है। असीस कौर ने इस गीत के बारे में बात करते हुए कहा, यह गाना इंसानी रिश्तों की उस नर्मी, भावनात्मक कमजोरी और दिल

के जुड़ाव को बहुत खूबसूरती से दर्शाता है, जहाँ एक व्यक्ति खुद को अपने साथी के सामने पूरी तरह खोल देता है। इसमें प्यार के उस अनमोल एहसास को पकड़ने की कोशिश की गई है, जहाँ दिल से दिल का रिश्ता इतना गहरा हो जाता है कि सब कुछ स्पष्ट हो जाता है। असीस कौर ने इस मिनी सीरीज का हिस्सा बनने को अपने लिए एक बेहद खास अनुभव बताया। उन्होंने कहा, इस प्रोजेक्ट में म्यूजिक और कहानी को जिस तरीके से जोड़ा गया है, वह वास्तव में काफी अलग और अभिनव है। आमतौर पर फिल्मों और सीरीज में गाने कहानी के बीच आते हैं, लेकिन सेवन एंड ए हाफ डेट्स में म्यूजिक खुद कहानी का हिस्सा बन गया है, जो कथा को आगे बढ़ाता है और भावनाओं को और भी प्रबल बनाता है। प्यार मेरा केवल एक रोमांटिक गाना नहीं है, बल्कि यह दो लोगों के रिश्ते की भावनात्मक गहराई और उनके अटूट बंधन को समझाने का एक सुंदर जरिया भी है। प्यार मेरा गाने को असीस कौर ने गोल्डी सोहेल के साथ मिलकर गाया है, जिसने गाने में एक अलग ही रंग भर दिया है। इस मिनी सीरीज में टेलीविजन और ओटीटी के जाने-माने चेहरे करण वाही और सुरभि ज्योति मुख्य भूमिकाओं में नजर आएंगे, जिनकी केमिस्ट्री दर्शकों को खूब पसंद आने की उम्मीद है। यह मिनी सीरीज कुल आठ एपिसोड में यूट्यूब पर रिलीज होगी, जिससे यह दुनिया भर के दर्शकों के लिए आसानी से उपलब्ध हो सकेगी। इसकी कहानी दो ऐसे लोगों के इर्द-गिर्द घूमती है, जो रिश्तों की उलझनों, भावनाओं के ज्वार-भाटे, दिल टूटने के दर्द, भरोसे की कसौटी और खुद को दोबारा संभालने जैसी जटिल परिस्थितियों से गुजरते हैं।

जिला पंचायतों को भी मिलेगा गौण खनिज निधि का हिस्सा

मुख्यमंत्री साय की घोषणा का हुआ पालन

रायपुर, (प्रतिदिन राजधानी)

छत्तीसगढ़ सरकार ने त्रिस्तरीय पंचायत व्यवस्था को और अधिक मजबूत बनाने की दिशा में बड़ा फैसला लेते हुए जिला पंचायतों को भी गौण खनिजों से प्राप्त रॉयल्टी राजस्व राशि में हिस्सा देने का आदेश जारी कर दिया है। राष्ट्रीय पंचायत दिवस के अवसर पर आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष रायपुर नवीन कुमार अग्रवाल ने मुख्यमंत्री विष्णु देव साय से जिला पंचायतों को भी गौण खनिज निधि का हिस्सा दिए जाने की मांग की थी। मुख्यमंत्री ने मंच से ही इस मांग को

स्वीकार करते हुए घोषणा की थी, जिसका अब राज्य शासन द्वारा पालन कर दिया गया है।

खनिज साधन विभाग द्वारा जारी आदेश के अनुसार गौण खनिजों से प्राप्त कुल राजस्व का 33 प्रतिशत हिस्सा पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग को पूर्ववत दिया जाएगा, जबकि शेष 67 प्रतिशत राशि का वितरण ग्राम पंचायत, जनपद पंचायत और जिला पंचायतों के बीच निर्धारित स्लैब के अनुसार किया जाएगा।

जारी आदेश के तहत 7.50 लाख रुपये तक की राशि पूरी तरह ग्राम पंचायत को मिलेगी। 7.50 लाख से 10 लाख रुपये तक की राशि में 80 प्रतिशत ग्राम पंचायत, 10 प्रतिशत जनपद पंचायत और 10 प्रतिशत जिला पंचायत को दिया जाएगा। 10 लाख से 25 लाख रुपये तक की राशि में ग्राम पंचायत को 70 प्रतिशत तथा जनपद और जिला पंचायत को 15-15 प्रतिशत हिस्सा मिलेगा। इसी तरह 25 लाख से 50 लाख रुपये तक की राशि में ग्राम पंचायत को 60 प्रतिशत और जनपद व जिला पंचायत को 20-20 प्रतिशत हिस्सा दिया जाएगा। 50 लाख रुपये से अधिक की राशि में ग्राम पंचायत को 50 प्रतिशत तथा जनपद और जिला पंचायत को 25-25 प्रतिशत राशि मिलेगी।

राज्य शासन ने निधि के उपयोग के दायरे का भी विस्तार किया है। अब इस राशि का उपयोग स्कूलों और अस्पतालों में रनिंग वाटर सुविधा, सामुदायिक शौचालय, मुक्तिधाम निर्माण, पहुंच मार्ग तथा वाचनालय निर्माण जैसे कार्यों में किया जा सकेगा। जिला पंचायतों को मिलने वाली राशि का उपयोग उन क्षेत्रों के विकास कार्यों में किया जाएगा जहां खनन गतिविधियों का प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि राज्य सरकार पंचायतों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने और गांवों में विकास कार्यों को गति देने के लिए लगातार काम कर रही है।

उन्होंने कहा कि जिला पंचायतों को गौण खनिज निधि में हिस्सेदारी मिलने से स्थानीय विकास योजनाओं को मजबूती मिलेगी और त्रिस्तरीय पंचायत व्यवस्था अधिक प्रभावी बनेगी। मुख्यमंत्री की घोषणा का पालन होने पर जिला पंचायत अध्यक्ष रायपुर नवीन कुमार अग्रवाल सहित अन्य पंचायत प्रतिनिधियों ने प्रसन्नता जताई है। उन्होंने कहा कि इस निर्णय से पंचायतों के कामकाज और संचालन व्यवस्था को नई मजबूती मिलेगी तथा ग्रामीण क्षेत्रों में विकास कार्यों को और अधिक गति मिलेगी।

वनांचल के बेटे ने बढ़ाया प्रदेश का मान, आईएफएस बनकर रचा नया इतिहास

रायपुर, (प्रतिदिन राजधानी)

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय से भारतीय वन सेवा (छ्वस्न्स) के लिए चयनित रायगढ़ जिले के संबलपुरी गांव निवासी अजय गुप्ता ने सौजन्य मुलाकात की। मुख्यमंत्री साय ने अजय को भारतीय वन सेवा में चयनित होने पर बधाई देते हुए इसे पूरे छत्तीसगढ़, विशेषकर वनांचल क्षेत्र के लिए गौरव और प्रेरणा का क्षण बताया।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि अजय गुप्ता ने केवल अपने माता-पिता का ही नहीं, बल्कि पूरे प्रदेश का मान बढ़ाया है। उन्होंने कहा कि यह अत्यंत प्रेरणादायी है कि एक ऐसा युवा, जिसने बचपन में जंगलों में तेंदूपत्ता और महुआ संग्रह कर परिवार का हाथ बंटाया, आज

उन्हीं जंगलों के संरक्षण और संवर्धन की जिम्मेदारी निभाने जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह उपलब्धि बताती है कि प्रतिभा संसाधनों की मोहताज नहीं होती, बल्कि अवसर और संकल्प मिल जाए तो दूरस्थ अंचलों के युवा भी देश की सर्वोच्च सेवाओं में अपनी जगह बना सकते हैं।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि राज्य सरकार की 'लघु वनोपज संघ छात्रवृत्ति' तथा 'पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति' जैसी योजनाओं ने अजय जैसे प्रतिभाशाली युवाओं की राह आसान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उन्होंने कहा कि अजय की सफलता वनांचल समाज के सपनों, संघर्ष और आत्मविश्वास की जीत है तथा यह हजारों युवाओं को बड़े सपने देखने और उन्हें पूरा करने का साहस देगी।

उल्लेखनीय है कि रायगढ़ जिले के संबलपुरी गांव में साधारण परिवेश में पले-बढ़े अजय गुप्ता का बचपन जंगलों, वनोपज संग्रहण और खेती-किसानी के बीच बीता। छुट्टियों के दौरान वे अपने माता-पिता के साथ जंगलों एकत्रित करते थे। आर्थिक को अपनी प्राथमिकता बनाया और 10वीं में 92.66 प्रतिशत तथा 12वीं में 91.40 प्रतिशत अंक प्राप्त कर अपनी मेधा का परिचय दिया।

वीर सावरकर की जयंती पर सीएम साय ने किया नमन

रायपुर, (प्रतिदिन राजधानी)

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने महान क्रांतिकारी, प्रखर राष्ट्रवादी चिंतक एवं स्वातंर्त्य वीर विनायक दामोदर सावरकर जी की जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए नमन किया है। मुख्यमंत्रीसाय

ने कहा कि भारत की स्वाधीनता के लिए अपना सर्वस्व समर्पित करने वाले वीर सावरकर जी का जीवन अदम्य साहस, त्याग, राष्ट्रनिष्ठा और अटूट संकल्प की अमर गाथा है। विपरीत परिस्थितियों में भी राष्ट्रहित के प्रति उनकी अटूट प्रतिबद्धता आने वाली पीढ़ियों को निरंतर प्रेरित करती रहेगी। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि राष्ट्र प्रथम का उनका विचार प्रत्येक भारतवासी को देशहित को सर्वोपरि रखते हुए समर्पण, कर्तव्यनिष्ठा और राष्ट्रसेवा के भाव से कार्य करने की प्रेरणा देता है। उनका जीवन राष्ट्र के प्रति समर्पण, साहस और आत्मबल का अद्वितीय उदाहरण है। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि वीर सावरकर का संघर्षपूर्ण और प्रेरणादायी जीवन देशवासियों के लिए सदैव प्रेरणा का स्त्रोत बना रहेगा।

महात्मा गांधी नरेगा अंतर्गत 2588 निर्माण कार्यों से ग्रामीणों को मिल रहा रोजगार

ग्रामीणों को रोजगार और जल संरक्षण का लक्ष्य एक साथ हो रहा पूरा

रायपुर, (प्रतिदिन राजधानी)

कबीरधाम (कवर्धा) जिले में महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना अंतर्गत ग्रामीणों को बड़ी संख्या में रोजगार का अवसर मिल रहा है। वर्तमान में 68 हजार 970 से अधिक पंजीकृत ग्रामीणों को रोजगार मिल रहा है। जिले के विभिन्न ग्राम पंचायतो में 2588 निर्माण कार्य प्रगति पर है। चालू वित्तीय वर्ष 2026-27 में कबीरधाम जिले के जनपद पंचायत बोड़ला, कवर्धा, पंडरिया एवं सहसपुर-लोहारा क्षेत्र के ग्रामीणों को अभी तक 9 लाख 36 हजार मानव दिवस का रोजगार प्राप्त हो चुका है तथा रोजगार देने का सिलसिला निरंतर जारी है। इन कार्यों के लिए ग्रामीणों को प्रतिदिन 261 रुपए के दर से मजदूरी का भुगतान प्राप्त हो रहा है जो उन्हें आर्थिक रूप से मजबूत बना रहा है।

उल्लेखनीय है कि जिले के सभी ग्राम पंचायतो में पर्याप्त मात्रा में निर्माण कार्य मनरेगा योजना के अंतर्गत स्वीकृत किए गए हैं तथा ग्रामीणों की मांग पर कार्य प्रारंभ कर रोजगार दिया जा रहा है। नवा तरिया आय के जरिया, आजीविका डबरी, सामुदायिक डबरी, नए तालाबों का निर्माण, अमृत सरोवर, सोकपिट निर्माण, पुराने तालाबों का गहरीकरण सहित अनेक जल संवर्धन के कार्यों के साथ

स्थाई परिसंपत्तियों का निर्माण हो रहा है। महात्मा गांधी नरेगा अंतर्गत जहां इन कार्यों से एक ओर ग्रामीणों को रोजगार मिल रहा है तो वहीं दूसरी ओर स्थाई परिसंपत्ति के निर्माण से आजीविका के नए स्त्रोत खुले रहे हैं।

इस संबंध में चर्चा करते हुए कलेक्टर कबीरधाम श्री गोपाल वर्मा ने बताया कि जिले के सभी ग्राम पंचायतो में पर्याप्त कार्य स्वीकृत है। ग्रामीणों की मांग पर तत्काल नए कार्य खोले जा रहे हैं। सभी सीईओ जनपद पंचायत को निर्देश दिए गए हैं कि अधिक से अधिक ग्रामीणों को रोजगार उपलब्ध कराये। हमारी प्राथमिकता है कि वर्षा ऋतु के पूर्व जल संग्रहण के सभी कार्यों को पूर्ण कर लिया जा, जिससे कि वर्षा जल संग्रहित होकर भू-जल स्तर को बेहतर बनाने में मदद मिल सके। निर्माण कार्यों की नियमित समीक्षा हो रही है और कार्य गुणवत्ता के साथ समय पर पूरा हो इसका विशेष ध्यान रखा जा रहा है।

महात्मा गांधी नरेगा अंतर्गत चल रहे कार्यों पर जानकारी देते हुए मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत कबीरधाम श्री अभिषेक अग्रवाल ने बताया कि वर्तमान में 2580 से अधिक निर्माण कार्य प्रगतिरत है। इनमें 68 हजार 970 से अधिक ग्रामीणों को प्रतिदिन रोजगार मिल रहा है। रोजगार देने के मामले में कबीरधाम जिला प्रदेश में लगातार अग्रणी बना हुआ है। प्रधानमंत्री आवास योजना अंतर्गत 4742 हितग्राहियों को अपने स्वयं के आवास बनाने में रोजगार मिल रहा है।चालू वित्तीय वर्ष में 1 अप्रैल से अभी तक 21 करोड रुपए का मजदूरी भुगतान जिले के ग्रामीणों को प्राप्त हो चुका है जो उनके लिए आर्थिक संबल जैसा है। कार्य के हिसाब से मजदूरी भुगतान की प्रक्रिया सतत चल रही है और ग्रामीण लाभान्वित हो रहे हैं। जिले में जल संरक्षण के लिए सोखता गड्ढा बनाए जाने का भी अभियान तीव्र गति से चल रहा है। मैदानी एवं वनांचल क्षेत्र सहित सभी स्थानों पर ग्रामीणों को रोजगार के साथ जल संरक्षण के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। और ग्रामीण स्वयं आगे आकर इस कार्य में अपनी सहभागिता निभा रहे हैं।

उप मुख्यमंत्री साव ने 12 करोड़ के विकास कार्यों का किया भूमिपूजन और लोकार्पण

रायपुर, (प्रतिदिन राजधानी)

प्रदेश के उप मुख्यमंत्री तथा लोक निर्माण, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी, नगरीय प्रशासन, खेल एवं युवा कल्याण मंत्री अरुण साव ने नारायणपुर प्रवास के दौरान जिलेवासियों को विकास की बड़ी सौगात दी। उन्होंने एजी सिनेमा हॉल में आयोजित कार्यक्रम में 12 करोड़ 29 लाख रूपए की लागत से स्वीकृत विभिन्न विकास कार्यों का भूमिपूजन एवं लोकार्पण किया। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री ने नगर पालिका नारायणपुर के विकास के लिए 5 करोड़ रूपए देने की घोषणा भी की। कार्यक्रम में वन एवं जलवायु परिवर्तन, परिवहन, सहकारिता एवं संसदीय कार्य मंत्री केदार कश्यप भी उपस्थित रहे। उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने कहा कि राज्य सरकार नारायणपुर जिले को विकसित, खुशहाल और समृद्ध बनाने के लिए लगातार कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि जिले के युवाओं ने शिक्षा, खेल, कला और संस्कृति के क्षेत्र में राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी अलग पहचान बनाई है। विशेष रूप से मलखंभ जैसे कठिन खेल में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले युवाओं की उन्होंने सराहना की। यह कार्यक्रम नारायणपुर जिले के विकास, शिक्षा, युवा सशक्तिकरण और जनकल्याणकारी योजनाओं को नई गति देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित हुआ।

युवाओं की प्रतिभा को मिला सम्मान

उप मुख्यमंत्री साव ने नेशनल स्कूल ड्रामा, नई दिल्ली की प्रस्तुति 卐चंदा के चकोर卐 की प्रशंसा करते हुए कहा कि इस तरह की सांस्कृतिक प्रस्तुतियां जिले की प्रतिभा को राष्ट्रीय पहचान दिला रही हैं।

रायपुर नगर पालिक निगम

विधायक पुरंदर मिश्रा एवं महापौर मीनल चौबे ने दी क्षेत्रवासियों को विकास कार्यों की सौगात

रायपुर, (प्रतिदिन राजधानी)

रायपुर उत्तर विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत नगर पालिक निगम रायपुर जोन कमांक 3 अंतर्गत शहीद वीरनारायण सिंह वार्ड क्रमांक 33 के क्षेत्र अंतर्गत कविता नगर और गीतांजलि नगर में नगर निगम द्वारा लगभग 605 मीटर क्षेत्र में लगभग 7 से 9 फीट चौडा पक्का नाला और साथ में 3 पुलिया का निर्माण कार्य शीघ्र बाढ़ आपदा राहत मद अंतर्गत लगभग 1 करोड 70 लाख की लागत से बनाया जायेगा एवं बारिश में जलभराव की पुरानी समस्या वाले क्षेत्र को शीघ्र जल भराव की समस्या से राहत प्राप्त हो सकेगी।

गीतांजलि नगर पहुंचकर रायपुर उत्तर विधायक पुरंदर मिश्रा और नगर पालिक निगम रायपुर की महापौर श्रीमती मीनल चौबे ने नगर निगम जोन 3 जोन अध्यक्ष श्रीमती साधना प्रमोद साहू, शहीद वीरनारायण सिंह वार्ड कमांक 33 के पार्षद प्रदीप वर्मा, शंकरनगर वार्ड क्रमांक 30 के पार्षद राजेश गुप्ता सहित नगर निगम जोन 3 जोन कमिश्नर श्रीमती प्रीति सिंह, कार्यपालन अभियंता ईश्वर लाल

टावरे, सहायक अभियंता नरेश साहू एवं वार्ड 33 क्षेत्र अंतर्गत कविता नगर और गीतांजलि नगर क्षेत्र के रहवासी गणमान्यजनों, महिलाओं, सामाजिक कार्यकर्ताओं वरिष्ठ नागरिको नवयुवको, आमजनों की उपस्थिति में श्रीफल फोडकर एवं कुदाल चलाकर लगभग 1 करोड 70 लाख रू. की स्वीकृत लागत से गीतांजलि नगर में बारिश में जल भराव की पुरानी समस्या दूर करने नया चौड़ा नाला और 3 नवीन पुलिया के निर्माण और विकास कार्यों का भूमिपूजन कर रहवासी नागरिको को शानदार सौगात दी ।

यहां यह उल्लेखनीय है कि गीतांजलि नगर क्षेत्र के लगभग 605 मीटर क्षेत्र में जलभराव की समस्या दूर करने लगभग 7 से 9 फीट चौडा नाला सहित 3 नवीन पुलिया का निर्माण शीघ्र कराया जायेगा।

रायपुर उत्तर विधायक पुरंदर मिश्रा और महापौर श्रीमती मीनल चौबे ने कार्य का भूमिपूजन कर नाला निर्माण योजना अंतर्गत स्वीकृति अनुसार नाला और 3 पुलिया का तत्काल निर्माण किया जाना प्रारंभ करवाकर सतत मॉनिटरिंग करते हुए तय समय सीमा के भीतर रहवासियों को बारिश में जलभराव की समस्या का निदान करने प्राथमिकता से पूर्ण करवाना सुनिश्चित करने जोन 3 जोन कमिश्नर कार्यपालन अभियंता, सहायक अभियंता को निर्देशित किया। इस अवसर पर कविता नगर और गीतांजलि नगर के रहवासियों ने बारिश में जल भराव की पुरानी समस्या दूर करने नाला निर्माण प्रारंभ होने पर प्रसन्नता व्यक्त की एवं शहीद वीरनारायण सिंह वार्ड पार्षद प्रदीप वर्मा ने कविता नगर और गीतांजलि नगर क्षेत्र के रहवासियों की ओर से वार्ड 33 में बाढ़ आपदा राहत मद से नया चौडा नाला निर्माण करना प्रारंभ करने हेतु रायपुर उत्तर विधायक पुरंदर मिश्रा और नगर पालिक निगम रायपुर की महापौर श्रीमती मीनल चौबे को हार्दिक धन्यवाद दिया।

ईद-उल-जुहा पर्व पर मस्जिदों और ईदगाहों में साफ-सफाई एवं सुविधाओं की व्यवस्था

रायपुर, (प्रतिदिन राजधानी)

नगर पालिक निगम रायपुर के आयुक्त संबित मिश्रा ने शांति समिति की बैठक में लिये गये निर्णय अनुसार दिनांक 28 मई 2026 गुरूवार को होने जा रहे ईद-उल-जुहा बकरीद पर्व के अवसर पर रायपुर नगर की प्रमुख मस्जिदों, ईदगाहों में समुचित साफ-सफाई, कीटनाशक दवाईयों का छिड़काव, पानी टैंकरों की व्यवस्था तथा स्ट्रीट लाईट की व्यवस्था सुनिश्चित करने का कार्य एवं विशेष रूप से ईदगाह भाठा मस्जिद, मौदहापारा, छोटापारा, तात्यापारा, पंडरी ईरानी डेरा एवं अन्य स्थानों पर स्थित मस्जिदों के आस-पास विशेष साफ-सफाई, पानी के टैंकरों की व्यवस्था एवं स्ट्रीट लाईट की व्यवस्था करवाने और नगर के मुस्लिम बहुल वार्डो में विशेष रूप से साफ-सफाई,आयुक्त श्री संबित मिश्रा ने दिनांक 28 मई 2026 गुरूवार ईद-उल-जुहा बकरीद पर्व पर नगर की प्रमुख मस्जिदों, ईदगाहों में साफ-सफाई, कीटनाशक दवाईयों का छिडकाव,

पेयजल व्यवस्था, स्ट्रीट लाईट व्यवस्था करवाने के दिए निर्देश0

पानी, स्ट्रीट लाईट आदि की व्यवस्था सहित सीरत मैदान शास्त्री बाजार के सामने साफ सफाई, चूने की लाईनिंग, पानी टैकर, प्रकाश की व्यवस्था सुनिश्चित करवाने का कार्य प्रशासनिक तौर पर करने के निर्देश नगर निगम के संबंधित अधिकारियों को दिये है।

विधायक राजेश मूणत एवं महापौर मीनल ने वार्ड 15 में 38 लाख के विकास कार्यों का किया भूमिपूजन

रायपुर, (प्रतिदिन राजधानी)

आज रायपुर पश्चिम विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत नगर पालिक निगम रायपुर के नेताजी कन्हैयालाल बाजारी वार्ड कमांक 15 गुढियारी महावीर स्कूल के पीछे क्षेत्र में पहुंचकर रायपुर पश्चिम विधायक एवं प्रदेश के पूर्व केबिनेट मंत्री राजेश मूणत और नगर पालिक निगम रायपुर की महापौर श्रीमती मीनल चौबे ने अधोसंरचना मद

अंतर्गत 38 लाख रू. की स्वीकृत लागत से वार्ड 15 में नील के घर से राव के घर तक रोड निर्माण कार्य, शुभम चंद्राकर के घर के पास गली में रोड निर्माण कार्य, अन्ना नाली निर्माण कार्य, मानस भवन द्रोणी कुमार पैकरा, सहायक बडी आमजनों की उपस्थिति में श्रीफल फोड़कर एवं कुदाल चलाकर भूमिपूजन करते हुए कार्यारंभ कर नागरिको को शानदार सौगात दी ।

नगर निगम में महापौर मीनल की अध्यक्षता में एमआईसी बैठकः 27 एजेण्डों पर नगरहित में महत्वपूर्ण निर्णय

रायपुर, (प्रतिदिन राजधानी)

आज रायपुर नगर पालिक निगम की महापौर श्रीमती मीनल चौबे की अध्यक्षता में नगर निगम मुख्यालय में नगर निगम मेयर इन कांउसिल एमआईसी की बैठक तृतीय तल सभाकक्ष में हुई। जिसमें निर्धारित 27 एजेण्डों पर एजेण्डावार चर्चा कर एमआईसी द्वारा नगर हित से संबंधित कार्यों पर आवश्यक निर्देश विभागीय अधिकारियों को दिये गये।

महापौर श्रीमती मीनल चौबे की अध्यक्षता में हुई एमआईसी की बैठक में

नगर निगम आयुक्त संबित मिश्रा एमआईसी सदस्य मनोज वर्मा, दीपक जायसवाल, श्रीमती गायत्री सुनील चंद्राकर, श्रीमती सरिता आकाश दुबे, भोलाराम साहू, अवतार भारती बागल, डॉ. अनामिका सिंह, अमर गिदवानी, नंदकिशोर साहू, खेमकुमार सेन, श्रीमती संजना संतोष हियाल सहित अपर आयुक्त लोकेश्वर साहू, पंकज के शर्मा, विनोद पाण्डेय, श्रीमती कृष्णा खटीक, मुख्य अभियंता संजय बागडे, प्रभारी अधिकारीगण की उपस्थिति रही।

एमआईसी ने शहरी गरीबी उपशमन एवं समाज कल्याण विभाग के प्रस्ताव अनुसार समस्त निराश्रित पेंशन योजना के 146 नवीन प्रकरणो, राष्ट्रीय परिवार सहायता योजना के 51 नये प्रकरणो को सर्वसम्मति से स्वीकृति प्रदान की।

लेख समाचार प्रचार-प्रसार प्रकाशित
हेतु संपर्क करें : 9806044444

सम्पादकीय

मूल्यांकन पर आंच

अभी नीट प्रवेश परीक्षा में प्रश्न पत्रों के लीक होने और परीक्षा रद्द होने की सुर्खियों की स्याही सूखी भी न थी कि केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड यानी सीबीएसई की मूल्यांकन प्रणाली सवालों के घेरे में आ गई। निश्चय ही ये घटनाक्रम छात्रों और प्रतियोगियों के परीक्षा व्यवस्था पर भरोसे को कम ही कर रहे हैं। आपदा में अवसर की तलाश में रहने वाले राजनीतिक दलों को छोड़ भी दें, तो भी आम लोग भी सीबीएसई की मूल्यांकन पद्धति पर सवाल उठा रहे हैं। दरअसल, सीबीएसई की ऑन-स्क्रीन मार्किंग यानी ओएसएम प्रणाली में खामियों और विसंगतियों को लेकर शिकायतें सामने आ रही हैं। कक्षा बारह के कुछ छात्रों ने पुनर्मूल्यांकन प्रक्रिया के तहत अपलोड की गई स्कैन प्रतियों और उनकी उत्तर पुस्तिकाओं में विसंगति सामने आने का खुलासा किया है। निश्चित रूप से यह प्रकरण महज एक तकनीकी समस्या से कहीं अधिक का मामला है। यह भारत की उस शीर्ष परीक्षा प्रणाली की बढ़ती विफलता की चेतावनी है, जो लाखों छात्रों के भविष्य का निर्धारण करती है। इस घटनाक्रम में एक छात्र वेदांत श्रीवास्तव का मामला विशेष रूप से चिंताजनक है, क्योंकि सीबीएसई ने स्वयं स्वीकार किया है कि गलत उत्तर पुस्तिका भेजी गई थी। हालांकि, मामला तूल पकड़ता देख उसे बाद में सही उत्तर पुस्तिका भेज दी गई। इसी तरह एक अन्य परीक्षार्थी, संजना को भी सीबीएसई की तरफ से कमोबेश ऐसी ही प्रतिक्रिया मिली है। भला हो सोशल मीडिया का जो इन मुद्दों को देश की जनता के सामने तुरंत ले आता है और देश में इससे एक जनमत बनाने का अवसर मिलता है। हालांकि, यह स्वागत योग्य है कि सीबीएसई ने इन प्रणालीगत त्रुटियों को स्वीकार तो किया। लेकिन जरूरत इस बात की है कि इस लापरवाही के लिये जिम्मेदार अधिकारियों व कर्मचारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए। अन्यथा लापरवाही व गलती का यह सिलसिला यूं ही चलता रहेगा। सीबीएसई को अपनी साख बचाये रखने के लिये इस दिशा में समय रहते सख्त कार्रवाई करनी चाहिए।

यहां सवाल उठता है कि सीबीएसई जैसी परीक्षा नियामक संस्था ने अपने स्तर पर खामियों को दूर करने के लिये कारगर तंत्र क्यों विकसित नहीं किया। वह तब ही जागती है जब मीडिया में घटना सुर्खियां बनती है। सबसे बड़ी चिंता की बात यह है कि सीबीएसई ने तब कार्रवाई की और सुधारात्मक कदम उठाये, जब प्रभावित छात्रों ने इसके खिलाफ सोशल मीडिया पर अभियान चलाया। निश्चित रूप से एक निष्पक्ष और पारदर्शी परीक्षा प्रणाली में इतना लचीलापन होना चाहिए कि छात्रों के आक्रोश के सार्वजनिक होने, राजनीतिक टीका-टिप्पणी सामने आने या ऑनलाइन अभियान चलने से पहले समस्या का निराकरण हो जाए। हालिया घटनाक्रम का एक दुर्भाग्यपूर्ण पहलू यह भी है कि सीबीएसई की लापरवाही का शिकार बने वेदांत को अपनी बात उठाने पर बुरी तरह लांछित किया। कुछ सोशल मीडिया वीरों ने उसकी मुखरता से आवाज उठाने की कोशिश को देश विरोधी तक ही नहीं कहा, बल्कि कुछ ने तो उसे पाकिस्तानी तक कह दिया।

हाइड्रोजन की रफ्तार पर दौड़ेगा आत्मनिर्भर भारत

वर्तमान समय में पूरी दुनिया ऊर्जा संकट की चुनौती से भी जूझ रही है। रूस-यूक्रेन युद्ध,पश्चिम एशिया में तनाव और अंतरराष्ट्रीय बाजार में लगातार बढ़ती ईंधन कीमतों ने यह स्पष्ट कर दिया है कि केवल पारंपरिक ऊर्जा स्रोतों पर निर्भर रहना भविष्य के लिए सुरक्षित नहीं है। भारत जैसे विशाल देश के लिए ऊर्जा आत्मनिर्भरता अब केवल आर्थिक आवश्यकता नहीं, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा और स्थायी विकास का महत्वपूर्ण विषय बन चुकी है। ऐसे समय में हाइड्रोजन ऊर्जा भविष्य की सबसे बड़ी संभावनाओं के रूप में उभर रही है।

विनोद कुमार सिंह 'तकियावाला'

भारत आज केवल आर्थिक महाशक्ति बनने की ओर अग्रसर नहीं है,बल्कि विज्ञान,तकनीक, पर्यावरण संरक्षण और ऊर्जा आत्मनिर्भरता के क्षेत्र में भी विश्व को नई दिशा देने का कार्य कर रहा है। एक समय था जब भारतीय रेल केवल यात्रियों और माल ढुलाई का माध्यम मानी जाती थी, लेकिन आज वही भारतीय रेल आधुनिक भारत की बदलती तस्वीर, तकनीकी आत्मविश्वास और हरित विकास की सबसे बड़ी प्रतीक बन चुकी है। इसी क्रम में भारतीय रेलवे ने एक और ऐतिहासिक उपलब्धि अपने नाम दर्ज कर ली है। हरियाणा के जिंद-सोनीपत रेलखंड पर देश की पहली स्वदेशी हाइड्रोजन फ्यूल सेल आधारित ट्रेन शुरू होने जा रही है। यह केवल एक नई ट्रेन नहीं, बल्कि भारत के ऊर्जा भविष्य, पर्यावरणीय जिम्मेदारी और आत्मनिर्भर तकनीक की नई उड़ान है। भारतीय रेलवे द्वारा स्वीकृत यह 10 कोच वाली अत्याधुनिक ट्रेन 1200 किलोवाट क्षमता वाले इंजन से संचालित होगी तथा इसकी अधिकतम गति 75 किलोमीटर प्रति घंटा निर्धारित की गई है। इस परियोजना की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि यह ट्रेन पर्यावरण को प्रदूषित नहीं करेगी, क्योंकि हाइड्रोजन फ्यूल सेल तकनीक से चलने वाली इस ट्रेन से केवल जलवाष्प का उत्सर्जन होगा। आज पूरी दुनिया जलवायु परिवर्तन, ग्लोबल वार्मिंग और बढ़ते प्रदूषण जैसी गंभीर चुनौतियों का सामना कर रही है। पेट्रोल और डीजल आधारित परिवहन व्यवस्था ने वायु प्रदूषण को खतरनाक स्तर तक पहुंचा दिया है। ऐसे समय में भारत द्वारा हाइड्रोजन ऊर्जा आधारित रेल सेवा की शुरुआत एक दूरदर्शी और ऐतिहासिक कदम माना जा रहा है।

हाइड्रोजन फ्यूल सेल तकनीक में हाइड्रोजन और ऑक्सीजन की रासायनिक प्रक्रिया से बिजली उत्पन्न होती है। इस प्रक्रिया में धुआं, कार्बन या जहरीली गैसें नहीं निकलतीं, बल्कि केवल जलवाष्प उत्पन्न होती है। यही कारण है कि विश्वभर में इसे भविष्य की सबसे स्वच्छ और सुरक्षित ऊर्जा तकनीकों में शामिल किया जा रहा है।भारतीय रेलवे की यह पहल देश को हरित परिवहन व्यवस्था की दिशा में तेजी से आगे बढ़ाएगी। इससे रेलवे के कार्बन उत्सर्जन में कमी आएगी और वैकल्पिक ऊर्जा स्रोतों को भी बढ़ावा मिलेगा। भारत पहले ही वर्ष 2070 तक नेट-जीरो कार्बन उत्सर्जन का लक्ष्य निर्धारित कर चुका है और यह परियोजना उसी संकल्प को मजबूती प्रदान करती है।देश के करोड़ों रेल यात्रियों के लिए भी यह पहल गर्व और भावनात्मक जुड़ाव का विषय है। भारतीय रेल केवल यात्रा का साधन नहीं,बल्कि देश की सामाजिक, सांस्कृतिक और आर्थिक जीवन रेखा मानी जाती है। गांव से शहर,किसान से मजदूर, छात्र से व्यापारी तक हर वर्ग का व्यक्ति भारतीय रेल से जुड़ा हुआ है।ऐसे में जब यात्री यह महसूस करेंगे कि उनकी यात्रा अब प्रदूषण मुक्त और पर्यावरण हितैषी तकनीक से हो रही है,तो यह उनके भीतर भी प्रकृति संरक्षण के प्रति नई चेतना पैदा करेगा। आज का जागरूक यात्री केवल सुविधाजनक यात्रा नहीं चाहता,बल्कि वह ऐसी व्यवस्था भी चाहता है जो आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वच्छ वातावरण छोड़ सके। यही कारण है कि पर्यावरण प्रेमियों, युवाओं और वैज्ञानिक समुदाय के बीच हाइड्रोजन ट्रेन को लेकर विशेष उत्साह दिखाई दे रहा है। यह पहल लोगों को यह संदेश भी देती है कि विकास और पर्यावरण संरक्षण साथ-साथ चल सकते हैं। हाइड्रोजन आधारित रेल प्रणाली अभी विश्व में प्रारंभिक अवस्था में है। वर्तमान समय में केवल कुछ ही देश इस तकनीक का सफल परीक्षण या संचालन कर रहे हैं। जर्मनी, जापान, चीन और अमेरिका जैसे विकसित देशों के बाद अब भारत भी इस विशेष श्रेणी में शामिल हो गया है।यह उपलब्धि इसलिए और महत्वपूर्ण हो जाती है क्योंकि भारत ने केवल तकनीक आयात करने तक स्वयं को सीमित नहीं रखा, बल्कि स्वदेशी स्तर पर हाइड्रोजन ट्रेन और उससे जुड़ी आधारभूत संरचना विकसित करने की दिशा में भी महत्वपूर्ण कदम उठाया है। जिंद में स्थापित स्वदेशी हाइड्रोजन स्टोरेज और रिफ्यूलिंग सुविधा भारत की तकनीकी क्षमता,वैज्ञानिक सोच और आत्मनिर्भर भारत अभियान का जीवंत उदाहरण है। यह परियोजना 'मेक इन इंडिया' और 'आत्मनिर्भर भारत' जैसे राष्ट्रीय अभियानों को नई ऊर्जा प्रदान करती है। हरियाणा के जिंद-सोनीपत रेलखंड को इस महत्वाकांक्षी परियोजना के लिए पायलट रूट के रूप में चुना गया है। जिंद में आधुनिक हाइड्रोजन स्टोरेज एवं रिफ्यूलिंग स्टेशन विकसित किया गया है,जहां हाइड्रोजन गैस का सुरक्षित भंडारण और ट्रेन में ईंधन भरने की व्यवस्था की गई है। पेट्रोलियम एवं विस्फोटक सुरक्षा संगठन ने इस परियोजना के लिए आवश्यक सुरक्षा लाइसेंस भी प्रदान कर दिया है। हाइड्रोजन गैस अत्यधिक संवेदनशील मानी जाती है,इसलिए इसके सुरक्षित संचालन के लिए विशेष तकनीकी प्रबंध किए गए हैं। रिफ्यूलिंग स्टेशन पर आधुनिक हाइड्रोजन कम्प्रेशन सिस्टम लगाया गया है। साथ ही बैकअप कम्प्रेसर यूनिट की भी व्यवस्था सुनिश्चित की जा रही है ताकि संचालन में किसी प्रकार की बाधा न आए। सुरक्षा की दृष्टि से हाइड्रोजन लीकेज डिटेक्टर, फ्लेम डिटेक्टर और अन्य अत्याधुनिक सेंसर लगाए गए हैं। इन उपकरणों की नियमित जांच और साफ-सफाई सुनिश्चित की जाएगी ताकि किसी भी दुर्घटना की संभावना समाप्त हो सके। भारतीय रेलवे ने इस परियोजना में सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है। रेलवे डिजाइन एवं मानक संगठन द्वारा संचालन और रखरखाव से संबंधित विस्तृत मैनुअल तैयार किए गए हैं।शकूरबस्ती में प्रस्तावित मेंटेनेंस सुविधा के लिए भी विशेष सुरक्षा मानक निर्धारित किए गए हैं। रेलवे ने 24 घंटे निगरानी व्यवस्था, नियमित सुरक्षा ऑडिट और प्रशिक्षित तकनीकी कर्मचारियों की नियुक्ति सुनिश्चित की है। प्रारंभिक चरण में प्रशिक्षित तकनीकी स्टाफ ट्रेन के साथ मौजूद रहेगा ताकि किसी भी तकनीकी समस्या का तुरंत समाधान किया जा सके। यह व्यवस्था इस बात का प्रमाण है कि भारतीय रेलवे केवल तकनीकी प्रयोग नहीं कर रही, बल्कि सुरक्षा और विश्वसनीयता को भी समान महत्व दे रही है। भारत लंबे समय से पेट्रोलियम उत्पादों के आयात पर निर्भर रहा है। इससे देश पर आर्थिक बोझ बढ़ता है और वैश्विक परिस्थितियों का सीधा प्रभाव भारतीय अर्थव्यवस्था पर पड़ता है। हाइड्रोजन आधारित ऊर्जा प्रणाली भविष्य में इस निर्भरता को कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। यदि रेलवे, बस और अन्य सार्वजनिक परिवहन व्यवस्थाओं में हाइड्रोजन तकनीक का व्यापक उपयोग शुरू होता है,तो भारत ऊर्जा के क्षेत्र में अधिक आत्मनिर्भर बन सकेगा। विशेषज्ञों का मानना है कि आने वाले वर्षों में ग्रीन हाइड्रोजन भारत की सबसे बड़ी ऊर्जा शक्ति बन सकता है। भारत के पास सौर और पवन ऊर्जा की अपार संभावनाएं हैं, जिनका उपयोग कर पर्यावरण अनुकूल ग्रीन हाइड्रोजन तैयार किया जा सकता है। हाइड्रोजन ऊर्जा क्षेत्र के विस्तार से केवल रेलवे ही नहीं,बल्कि उद्योग, रोजगार और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भी बड़ा लाभ मिलेगा। हाइड्रोजन उत्पादन संयंत्र,स्टोरेज सुविधा,तकनीकी उपकरण और मेंटेनेंस सेवाओं के कारण नए उद्योग विकसित होंगे। इससे इंजीनियरिंग,तकनीकी प्रशिक्षण और अनुसंधान के क्षेत्र में रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे। भारत के युवा वैज्ञानिकों और इंजीनियरों को आधुनिक तकनीक के साथ कार्य करने का अवसर मिलेगा।

क्या आम आदमी विकास से बाहर छूट रहा है?

ललित गर्ग।

स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद नए भारत के निर्माण के जिन आधार स्तंभों की कल्पना की गई थी, उनमें शिक्षा और चिकित्सा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी गई थी। यह माना गया था कि यदि देश के नागरिक शिक्षित, स्वस्थ और जागरूक होंगे तो लोकतंत्र मजबूत होगा, सामाजिक असमानताएं कम होंगी और राष्ट्र विकास के पथ पर आगे बढ़ेगा। शिक्षा को व्यक्ति निर्माण और चिकित्सा को जीवन रक्षा का माध्यम माना गया था। लेकिन स्वतंत्रता के लगभग आठ दशकों बाद स्थिति चिंताजनक प्रश्न खड़े करती है कि क्या ये दोनों क्षेत्र अपने मूल उद्देश्य से भटककर व्यवसाय और बाजार के अधीन नहीं हो गए हैं? आज शिक्षा और चिकित्सा दोनों क्षेत्रों में जो विसंगतियां दिखाई देती हैं, वे केवल व्यवस्थागत संकट नहीं बल्कि सामाजिक संकट का रूप ले चुकी हैं। एक ओर शिक्षा व्यवस्था परीक्षा, अंकों और प्रतिस्पर्धा की आर्थिक मशीन बन गई है, वहीं दूसरी ओर चिकित्सा सेवा लाभ-हानि के गणित में उलझती दिखाई देती है। इन दोनों क्षेत्रों की बढ़ती व्यावसायिकता ने आम आदमी को सबसे अधिक प्रभावित किया है। शिक्षा का मूल उद्देश्य केवल ज्ञान देना नहीं था। शिक्षा अब डिग्री, नौकरी और प्रतिस्पर्धा तक सीमित होती दिखाई देती है। शिक्षा व्यवस्था की विफलताओं का सबसे भयावह चेहरा कोटा, सीकर और अन्य कोचिंग एवं शिक्षा केंद्रों में बढ़ती छात्र आत्महत्याओं के रूप में सामने आया है। कोटा, जो कभी देश की शैक्षणिक आकांक्षाओं का केंद्र माना जाता था, अब विद्यार्थियों पर बढ़ते मानसिक दबाव, प्रतिस्पर्धा, अकेलेपन और असफलता के भय के कारण आत्महत्या की घटनाओं से लगातार चर्चा में रहा है। कोटा, सीकर तथा अन्य कोचिंग नगरों में पिछले वर्षों में अनेक विद्यार्थियों द्वारा आत्महत्या किए जाने की घटनाओं ने शिक्षा व्यवस्था की संवेदनहीनता को उजागर किया है। राजस्थान के सीकर में नीट परीक्षा की तैयारी कर रहे छात्र की आत्महत्या की घटना इसी विडंबना का उदाहरण है। परीक्षा रद्द होने से उत्पन्न अनिश्चितता और मानसिक तनाव ने एक संभावनाशील जीवन समाप्त कर दिया। यह घटना अकेली नहीं है। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो के अनुसार वर्ष 2024 में 14,488 विद्यार्थियों ने आत्महत्या की। औसतन हर 36 मिनट में एक विद्यार्थी जीवन समाप्त कर रहा है। यह केवल व्यक्तिगत विफलता नहीं बल्कि शिक्षा व्यवस्था की सामूहिक विफलता है।

दूसरी ओर नीट, नेट, प्रतियोगी भर्ती परीक्षाओं तथा अन्य राष्ट्रीय स्तर की परीक्षाओं में बार-बार पेपर लीक, परीक्षा रद्द होने, परिणामों में विवाद और अनिश्चितता की स्थितियों ने विद्यार्थियों में गहरा असंतोष और अविश्वास पैदा किया है। वर्षों की तैयारी करने वाले छात्र जब परीक्षा प्रणाली को ही अविश्वसनीय पाते हैं तो उनमें निराशा और मानसिक तनाव बढ़ना स्वाभाविक है। आज परीक्षा प्रणाली अविश्वसनीय होती जा रही है। प्रश्नपत्र लीक होना, परीक्षाओं का रद्द होना, मूल्यांकन विवाद, शोध कार्यों में साहित्यिक चोरी, पीएचडी प्रक्रियाओं का औपचारिक बन जाना और कोचिंग संस्कृति का बढ़ना शिक्षा के बाजारीकरण की तस्वीर प्रस्तुत करता है। शिक्षा अब ज्ञान से अधिक निवेश और प्रतिफल का विषय बनती जा रही है। धीरे-धीरे शिक्षा सेवा से व्यवसाय में बदलती गई। बड़े निजी विद्यालय, कोचिंग संस्थान और विश्वविद्यालय आज करोड़ों के उद्योग बन चुके हैं। डॉक्टर और इंजीनियर बनाने के सपनों का ऐसा व्यापार खड़ा हुआ जिसमें अभिभावक आर्थिक रूप से टूटने लगे। आज एक सामान्य परिवार अपने बच्चों की शिक्षा के लिए जीवन भर की बचत खर्च करने को विवश है। विद्यालयों की ऊंची फीस, निजी कोचिंग, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी और उच्च शिक्षा की महंगी व्यवस्था ने शिक्षा को आम आदमी की पहुंच से दूर कर दिया है।

इसी प्रकार चिकित्सा क्षेत्र की स्थिति भी कम चिंताजनक नहीं है। चिकित्सा को कभी सेवा का क्षेत्र माना जाता था, लेकिन आज निजी चिकित्सालयों की बढ़ती संख्या और उनकी व्यावसायिक प्रवृत्ति ने आम नागरिक को संकट में डाल दिया है। इलाज इतना महंगा हो गया है कि अनेक परिवार बीमारी के कारण आर्थिक रूप से टूट जाते हैं। निजी अस्पतालों में उपचार, जांच, आईसीयू, दवाओं का खर्च और नकली दवाओं में जीवन समाप्त होने की घटनाएं लगातार बढ़ी है। अनेक मामलों में अनावश्यक परीक्षण, अत्यधिक शुल्क और व्यावसायिक दृष्टिकोण की शिकायतें सामने आती रहती हैं। चिकित्सा सेवा का उद्देश्य रोगी को राहत देना था, लेकिन कई स्थानों पर वह लाभ कमाने की प्रणाली में बदलती दिखाई देती है। जगह-जगह खुले निजी अस्पताल और शिक्षण संस्थान एक प्रकार की प्रतिस्पर्धा में उतर आए हैं। लेकिन यह प्रतिस्पर्धा गुणवत्ता की अपेक्षा लाभ कमाने की अधिक दिखाई देती है। परिणाम यह हुआ कि शिक्षा और चिकित्सा दोनों ही सामान्य नागरिक की आर्थिक क्षमता से बाहर जाने लगी हैं। इन परिस्थितियों का एक सामाजिक दुष्परिणाम भी सामने आया है। आर्थिक दबाव, भविष्य की अनिश्चितता, शिक्षा का तनाव, महंगी चिकित्सा और रोजगार संकट के कारण अवसाद, मानसिक तनाव और आत्महत्या की घटनाएं बढ़ रही हैं। युवा पीढ़ी उपलब्धियों के दबाव में टूट रही है, जबकि परिवार आर्थिक बोझ से जूझ रहे हैं। शिक्षा मंत्रालय को अधिक सशक्त, उत्तरदायी और कठोर भूमिका निभाते हुए परीक्षा प्रणाली को पूरी तरह पारदर्शी, तकनीक आधारित और सुरक्षित बनाना होगा। इसी प्रकार चिकित्सा क्षेत्र में देशभर में स्थापित हुए नए एम्स संस्थानों एवं उच्च चिकित्सा केंद्रों का लाभ वास्तव में आम नागरिक तक सरल, सस्ती और सुलभ व्यवस्था के रूप में पहुंचे, यह सुनिश्चित करना भी आवश्यक है। आज आवश्यकता केवल बड़े अस्पताल बनाने की नहीं, बल्कि उन्हें सर्वसुविधायुक्त, विशेषज्ञ सेवाओं से युक्त तथा दूरदराज और पिछड़े क्षेत्रों तक विस्तारित करने की है, ताकि महानगरों पर निर्भरता कम हो और ग्रामीण तथा वंचित वर्ग भी उच्च स्तरीय चिकित्सा सुविधाओं का लाभ सहजता से प्राप्त कर सके। नई शिक्षा नीति के माध्यम से शिक्षा को अधिक व्यावहारिक, कौशल आधारित और बहुआयामी बनाने का प्रयास हुआ है। देश में नए आईआईटी, आईआईएम, केंद्रीय विश्वविद्यालय, एम्स और चिकित्सा संस्थानों की स्थापना की गई। उच्च शिक्षा और उच्च चिकित्सा के नए केंद्र विकसित हुए हैं। मेडिकल कॉलेजों की संख्या में वृद्धि हुई और स्वास्थ्य ढांचे को मजबूत करने के प्रयास किए गए। यह कहना भी उचित नहीं होगा कि पूरा परिदृश्य केवल निराशाजनक है। पिछले वर्षों में शिक्षा और चिकित्सा क्षेत्र में कुछ सकारात्मक प्रयास भी हुए हैं। विशेष रूप से जब से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार आई, तब इन क्षेत्रों की संरचनात्मक कमियों की ओर अपेक्षाकृत गंभीर ध्यान दिया गया। चिकित्सा क्षेत्र में आयुष्मान भारत जैसी योजनाओं ने गरीब वर्ग को राहत देने का प्रयास किया है। जिला स्तर तक चिकित्सा सुविधाओं के विस्तार की दिशा में भी पहल हुई है। शिक्षा के क्षेत्र में डिजिटल शिक्षा, कौशल विकास और स्थानीय भाषाओं में अध्ययन पर बल दिया गया। लेकिन भारत जैसी विशाल जनसंख्या वाले देश में ये प्रयास अभी पर्याप्त नहीं कहे जा सकते। जिस गति से जनसंख्या बढ़ी है, उस अनुपात में सरकारी शिक्षा और चिकित्सा संस्थानों का विस्तार नहीं हो पाया। यही कारण है कि निजी क्षेत्र ने उस खाली स्थान को भर दिया और धीरे-धीरे प्रमुख भूमिका में आ गया। अब आवश्यकता केवल नए संस्थान खोलने की नहीं बल्कि सरकारी शिक्षा और चिकित्सा को अधिक प्रभावी, सुलभ और उद्देश्यपूर्ण बनाने की है। सरकारी विद्यालयों और अस्पतालों की गुणवत्ता बढ़ानी होगी। उनमें आधुनिक संसाधन, प्रशिक्षित मानवबल और जवाबदेही सुनिश्चित करनी होगी। निजी शिक्षा और चिकित्सा संस्थानों पर प्रभावी नियंत्रण भी आवश्यक है। शिक्षा और चिकित्सा को पूर्णतः बाजार की शक्तियों पर नहीं छोड़ा जा सकता, क्योंकि ये केवल आर्थिक गतिविधियां नहीं बल्कि सामाजिक उत्तरदायित्व हैं। शिक्षा नीति को समाज और जीवन से जोड़ना होगा। आज आवश्यकता इस बात की है कि शिक्षा और चिकित्सा को पुनः सेवा और राष्ट्र निर्माण के मूल उद्देश्य से जोड़ा जाए। यदि ये दोनों क्षेत्र केवल व्यापार बन गए तो सामाजिक असमानता और बढ़ेगी, प्रतिभाएं टूटेंगी और आम आदमी विकास की मुख्यधारा से बाहर होता जाएगा। भारत के भविष्य की दिशा इस बात से तय होगी कि शिक्षा और चिकित्सा कितनी सुलभ, समान और मानवीय बनती हैं।

बुद्ध के मुख्य शिष्यों की पवित्र विरासत : अरहंत सारिपुत्त और अरहंत महामोग्गल्लान के अवशेष आज क्यों महत्वपूर्ण हैं?

विवेक अग्रवाल
(भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय में सचिव)

बुद्ध के दो मुख्य शिष्यों - अरहंत सारिपुत्त और अरहंत महामोग्गल्लान - के पवित्र अवशेष 1 से 10 जून तक उलानबटोर के गंदन मठ में प्रदर्शनी के लिए भारतीय वायुसेना के एक विशेष विमान से मंगोलिया ले जाए जाएंगे। दो सहस्राब्दियों से अधिक समय से, बौद्ध जगत में अरहंत सारिपुत्त और अरहंत महामोग्गल्लान के नाम अत्यधिक श्रद्धा के केंद्र रहे हैं। गौतम बुद्ध के दो मुख्य शिष्यों के रूप में, वे न केवल बुद्ध के सबसे करीबी आध्यात्मिक साथी थे, बल्कि उनके ज्ञानोदय के बाद धम्म के प्रमुख रक्षक और प्रसारक भी थे। बौद्ध परंपरा के अनुसार, सारिपुत्त और महामोग्गल्लान का जन्म वर्तमान नालंदा के पास, मगध क्षेत्र के पड़ोसी गांवों में एक ही दिन हुआ था। सारिपुत्त का जन्म उपतिस्स गांव में हुआ था, जबकि महामोग्गल्लान का जन्म कोलित गांव में हुआ था। बचपन की दोस्ती के बंधन में बंधे इन दोनों जिज्ञासुओं ने अंततः परम सत्य की खोज में एक साथ सांसारिक जीवन का त्याग कर दिया। उनकी आध्यात्मिक यात्रा बुद्ध के सानिध्य में पूरी हुई, जहाँ वे जल्द ही प्रारंभिक संघ के दो सबसे प्रतिष्ठित सदस्यों के रूप में उभरे। सारिपुत्त को ज्ञान और सैद्धांतिक विश्लेषण के सर्वोच्च गुरु के रूप में जाना जाता था। बौद्ध ग्रंथ उन्हें 'असाधारण बौद्धिक स्पष्टता' और 'करुणा एवं सटीकता के साथ शिक्षाओं को समझाने की अद्वितीय क्षमता' से संपन्न बताते हैं। उन्होंने भिक्षुओं के अनुशासन की देखरेख की, ध्यान साधना का मार्गदर्शन किया और स्वतंत्र रूप से भिक्षुओं को दीक्षित करने वाले पहले अधिकृत शिष्य बने। बुद्ध के सीधे निर्देश के बाद, बुद्ध के पुत्र राहुल को सारिपुत्त द्वारा एक नवदीक्षित भिक्षु (सामनेर) के रूप में दीक्षित किया गया था। उनके नेतृत्व और धम्म पर असाधारण पकड़ के कारण, बुद्ध ने उन्हें 'धम्म का सेनापति' (धम्मसेनापति) की उपाधि दी थी।

थेरवाद बौद्ध परंपरा के अनुसार, ज्ञान प्राप्त करने के बाद बुद्ध ने तावतिंस स्वर्ग में अपनी माता (जिनका वहां पुनर्जन्म हुआ था) सहित देवताओं को अभिधम्म की शिक्षा दी थी। इस अवधि के दौरान, बुद्ध हर दिन कुछ समय के लिए मानव लोक में लौटते थे, जहाँ वे सारिपुत्त को उन शिक्षाओं का सारांश सुनाते थे, और फिर सारिपुत्त उन शिक्षाओं को व्यवस्थित रूप से जन-जन तक पहुँचाते थे। इसके विपरीत, महामोग्गल्लान को ध्यान और आध्यात्मिक उपलब्धियों के अग्रणी गुरु के रूप में सम्मान प्राप्त था। बौद्ध साहित्य में उन्हें गहन ध्यान शक्तियों और अस्तित्व के विभिन्न लोकों को देखने की क्षमता से युक्त बताया गया है। देवताओं, ब्रह्मों और दुखी अवस्थाओं में कष्ट भोग रहे जीवों के साथ अपने संवादों के माध्यम से, उन्होंने कर्म के सिद्धांतों और संसार की वास्तविकताओं को स्पष्ट किया। उनकी शिक्षाओं ने अनुयायियों को मानवीय कर्मों के नैतिक और आध्यात्मिक परिणामों की स्पष्ट समझ प्रदान की। गौतम बुद्ध ने अरहंत महामोग्गल्लान पर एक शिक्षक, आध्यात्मिक मार्गदर्शक और प्रारंभिक संघ के रक्षक के रूप में गहरा भरोसा किया, जो अक्सर अनुशासन और सामुदायिक नेतृत्व के मामलों में बुद्ध की ओर से कार्य करते थे। उन्होंने देवदत्त द्वारा पैदा किए गए संघ-भेद (विभाजन) को दूर करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, जिससे भिक्षुओं को बुद्ध के साथ फिर से एकजुट करने और बौद्ध समुदाय की एकता को बनाए रखने में मदद मिली।

पवित्र अवशेष और उनकी चिरस्थायी श्रद्धा : अरहंत सारिपुत्त और अरहंत महामोग्गल्लान का परिनिर्वाण बुद्ध और बौद्ध संघ के लिए एक अत्यंत भावुक क्षण था। अरहंत सारिपुत्त ने बुद्ध के महापरिनिर्वाण से कुछ समय पहले, कत्तिका/कार्तिक (अक्टूबर/नवंबर) महीने की पूर्णिमा को अंतिम मुक्ति (परिनिर्वाण) प्राप्त की, जबकि परंपरा के अनुसार अरहंत महामोग्गल्लान का परिनिर्वाण लगभग पंद्रह दिन बाद, उसी महीने की अमावस्या को हुआ था। बौद्ध परंपरा में, उन्हें आध्यात्मिक प्राप्ति का पवित्र प्रतीक और ज्ञानोदय का जीवंत स्मरण माना जाता है। इसलिए, अरहंत सारिपुत्त और अरहंत महामोग्गल्लान के पवित्र अवशेष असाधारण महत्व रखते हैं, जो बुद्ध धम्म के त्रिरत्नों में से एक- 'संघ' की साक्षात प्राप्ति का प्रतिनिधित्व करते हैं। विभिन्न बौद्ध संस्कृतियों में, ये पवित्र अवशेष आज भी भक्ति, तीर्थयात्रा और आत्मचिंतन को प्रेरित करते हैं। उनका आदर प्राचीन भारत से आधुनिक विश्व तक बुद्ध की शिक्षाओं की निरंतरता का प्रतीक है। इस गहरी श्रद्धा का एक भव्य नजारा फरवरी 2024 में थाईलैंड में देखा गया, जो हाल के इतिहास के सबसे महत्वपूर्ण बौद्ध राजकीय समारोहों में से एक था।

थाईलैंड की ऐतिहासिक 2024 अवशेष प्रदर्शनी : अरहंत सारिपुत्त और अरहंत महामोग्गल्लान के अवशेष 23 फरवरी 2024 को पहली बार भारत से बाहर गए, जब थाईलैंड ने बैंकॉक के सनम लुआंग में बुद्ध के पवित्र अवशेषों के साथ-साथ अरहंत सारिपुत्त और अरहंत महामोग्गल्लान के अवशेषों की स्थापना के लिए एक भव्य राजकीय समारोह का आयोजन किया था। इस ऐतिहासिक आयोजन की संयुक्त अध्यक्षता सोमदेत फ्रा संघराजा सकल महा संघपरिणायक और प्रधान मंत्री स्रेत्था थाविसिन ने की थी।

रॉयल थाई सरकार और भारत सरकार के सहयोग से 'गंगा-मेकांग पवित्र बुद्ध अवशेष' पहल के तहत आयोजित यह प्रदर्शनी, महा वजिरालोंगकोर्न की छठी-चक्र वर्षगांठ के शुभ अवसर पर आयोजित उत्सवों का हिस्सा थी। भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय और अंतर्राष्ट्रीय बौद्ध परिसंघ ने भारत से भिक्षुओं और शिक्षाविदों को लाने और बैंकॉक के सिल्पकर्न विश्वविद्यालय में एक पूर्ण दिवसीय विपश्यना कार्यक्रम आयोजित करके इस प्रदर्शनी के समन्वय में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इस आयोजन ने भारी जन-भक्ति और अंतर्राष्ट्रीय ध्यान आकर्षित किया। बैंकॉक प्रदर्शनी के बाद, इन पवित्र अवशेषों को थाईलैंड के विभिन्न हिस्सों जैसे चियांग माई, उबोन रत्चाथानी और क्राबी ले जाया गया-जिससे देश के सभी क्षेत्रों के लगभग 50 लाख (5 मिलियन) बौद्धों को अवशेषों के दर्शन और श्रद्धा सुमन अर्पित करने का अवसर मिला।

मंगोलिया के लिए इन अवशेषों का महत्व क्यों है? अरहंत सारिपुत्त और अरहंत महामोग्गल्लान के अवशेषों को मंगोलिया ले जाने की प्रासंगिकता 'धम्म वाहक' के रूप में उनकी भूमिका में निहित है-वे प्रारंभिक संघ के ऐसे स्तंभ थे जिनका जीवन बुद्ध की शिक्षाओं के प्रसार और सुरक्षा का साक्षात उदाहरण था। उनके दो मुख्य शिष्यों के पवित्र अवशेष संसार में उस ज्ञानोदय के संरक्षण, व्याख्या और प्रसार के प्रतीक हैं। अरहंत सारिपुत्त और अरहंत महामोग्गल्लान गहन साधना के माध्यम से धम्म की व्यावहारिक अनुभूति का प्रतिनिधित्व करते हैं। एक साथ मिलकर, दोनों शिष्यों ने बौद्ध अभ्यास के पूरक स्तंभों को साकार किया: ज्ञान और अनुभूति, सिद्धांत और प्रत्यक्ष अनुभव। इसलिए, उनके पवित्र अवशेष उन जीवंत सिद्धांतों के प्रतीक हैं जिनके माध्यम से मुक्ति संभव है, इस प्रकार वे शुद्धतम रूप में सिद्ध संघ का प्रतिनिधित्व करते हैं। उनका सम्मान करना, वास्तव में, मानव इतिहास में बुद्ध के ज्ञानोदय के सफल प्रसार का सम्मान करना है। मंगोलिया के लिए, इन अवशेषों का आगमन असाधारण अर्थ रखता है। मंगोलिया की बौद्ध पहचान ऐतिहासिक रूप से श्रद्धा, विद्वता, संन्यासी अनुशासन और ध्यान परंपरा में रची-बसी रही है। इन पवित्र अवशेषों की उपस्थिति एक पवित्र और प्रत्यक्ष संबंध स्थापित करती है, जो बुद्ध धम्म की जीवंत छवि को पूर्ण करती है। मंगोलिया में उनकी उपस्थिति मंगोलियाई भिक्षु समुदाय (संघ) के लिए एक अत्यंत दुर्लभ और शुभ आशीर्वाद है।

राज्यपाल डेका आज तीन दिनी राष्ट्रीय आम महोत्सव का शुभांरभ करेंगे

रायपुर, (प्रतिदिन राजधानी)

इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय परिसर में कल से अगले तीन दिनों तक आमों की बहार रहेगी और समूचा माहौल आममय रहेगा। इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय, रायपुर तथा संचालनालय उद्यानिकी एवं प्रक्षेत्र वानिकी, छत्तीसगढ़ शासन तथा प्रकृति की ओर सोसायटी के संयुक्त तत्वावधान में 29 से 31 मई, 2026 तक तीन दिवसीय राष्ट्रीय आम महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। कृषि महाविद्यालय परिसर में आयोजित राष्ट्रीय आम महोत्सव 2026 का शुभांरभ राज्यपाल रमेन डेका कल 29 मई को अपरान्ह 4 बजे करेंगे।

उद्घाटन समारोह की अध्यक्षता मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय करेंगे। कृषि मंत्री रामविचार नेताम तथा रायपुर सांसद बृजमोहन अग्रवाल अति विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद रहेंगे। रायपुर ग्रामीण विधायक मोतीलाल साहू, धरसींवा विधायक अनुज शर्मा, छत्तीसगढ़ राज्य बीज एवं कृषि विकास निगम के अध्यक्ष चन्द्रहास चन्द्राकर, छत्तीसगढ़ राज्य कृषक कल्याण परिषद के अध्यक्ष सुरेश चन्द्रवंशी तथा इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. गिरीश चंदेल विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे। राष्ट्रीय आम महोत्सव में आम की 250 से अधिक किस्मों का प्रदर्शन किया जायेगा। यहां आम की उन्नत किस्मों के पौधे तथा फल विक्रय हेतु आमजनों के लिए उपलब्ध रहेंगे।

आम की देशी-विदेशी 250 से अधिक किस्में देखने को मिलेंगी

राष्टीय आम महोत्सव में 29 से 31 मई, 2026 तक विभिन्न श्रेणियों में प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाएगा जिसमें किसानों द्वारा उत्पादित आम की व्यावसायिक किस्मों के अंतर्गत दशहरी, लंगडा, बाम्बे ग्रीन, चौसा, मालदा, हिमसागर, सुन्दरजा, केसर, अलफान्सो, तोतापरी, नीलम, बैगनफल्ली, पैरी, सिन्दूरी, फज़ली आदि किस्मों की प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी। संकर किस्मों की प्रतियोगिता के अंतर्गत मल्लिका, आम्रपाली, पूसा अरूणिमा, अम्बिका, रत्ना, सिंधु, अर्का पुनीत किस्मों को शामिल किया गया है। विशिष्ट किस्मों की प्रतियोगिता के अंतर्गत हाथीझुल, नूरजहां, लड्डु, गुलाब खास किस्मों के उत्पादक भाग ले सकते हैं। एक्जोटिक (आयातित किस्म) की प्रतियोगिता में मियाजाकी, टॉमी एटकिन्स एवं गोल्डन नगेट्स किस्मों को शामिल किया गया है।

मुख्यमंत्री ने स्वातंर्त्यवीर विनायक दामोदर सावरकर की जयंती पर उन्हें किया नमन

रायपुर, (प्रतिदिन राजधानी)

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने आज यहां अपने निवास कार्यालय में महान क्रांतिकारी, प्रखर राष्ट्रवादी चिंतक और स्वतंत्रता संग्राम सेनानी विनायक दामोदर सावरकर की जयंती पर उन्हें पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धापूर्वक नमन किया।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री साय ने कहा कि वीर सावरकर केवल स्वतंत्रता संग्राम के सेनानी ही नहीं बल्कि राष्ट्रचेतना, साहस और सामाजिक जागरण के प्रखर प्रतीक थे। उन्होंने मातृभूमि की स्वतंत्रता और राष्ट्रीय स्वाभिमान के लिए अपना संपूर्ण जीवन संघर्ष और तपस्या में समर्पित किया। कठिन परिस्थितियों और यातनाओं के बावजूद उनका राष्ट्रभक्ति से ओतप्रोत संकल्प कभी डगमगाया नहीं। मुख्यमंत्री ने कहा कि वीर सावरकर ने समाज में व्याप्त छुआछूत और भेदभाव जैसी कुरीतियों के खिलाफ भी मुखर होकर आवाज उठाई और सामाजिक समरसता तथा राष्ट्रीय एकता को मजबूत करने का सतत प्रयास किया।

प्रमुख सचिव सोनमणि बोरा ने बदहाल आश्रम व्यवस्था पर जताई सख्त नाराजगी

रायपुर, (प्रतिदिन राजधानी)

घने जंगलों और दुर्गम पहाड़ियों के बीच बसे बैगा अंचल में बुधवार को उस समय प्रशासनिक सक्रियता और संवेदनशीलता का अलग ही दृश्य देखने को मिला, जब आदिम जाति कल्याण विभाग के प्रमुख सचिव सोनमणि बोरा स्वयं कोटा विकासखंड के दूरस्थ बैगा गांवों तक पहुंचे। उन्होंने न केवल सरकारी योजनाओं की जमीनी हकीकत परखी, बल्कि बैगा परिवारों के बीच बैठकर उनकी समस्याएं सुनीं और योजनाओं के वास्तविक लाभ की जानकारी भी ली।

प्रमुख सचिव श्री बोरा ने बैगा बहुल ग्राम शिवतराई और नेवसा का दौरा कर पीएम जनमन योजना, धरती आबा अभियान, जनजातीय गौरव उत्सव, पीवीटीजी डिजिटल सर्वे और सुशासन तिहार की प्रगति की समीक्षा की। अचानकमार क्षेत्र के दुर्गम बैगापारा तक पहुंचकर उन्होंने ग्रामीणों से सीधा संवाद किया। इस दौरान कई ग्रामीणों ने पहली बार किसी वरिष्ठ अधिकारी को अपने घर-आंगन तक पहुंचते देखा। शिवतराई में प्रमुख सचिव ने स्वयं फ्सर्वे सेतुफ्र ऐप के माध्यम से तिहारू बैगा के परिवार का डिजिटल सर्वे किया। परिवार की आजीविका, आवास, स्वास्थ्य सुविधाओं और सरकारी योजनाओं की पहुंच को लेकर उन्होंने विस्तार से जानकारी ली। बातचीत के दौरान उन्होंने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि पीवीटीजी समुदाय का कोई भी पात्र परिवार सरकारी योजनाओं से वंचित न रहे। दौरे का सबसे अहम दृश्य नेवसा गांव में देखने को मिला, जहां पीएम जनमन योजना के तहत बनी सड़क की गुणवत्ता जांचने के लिए प्रमुख सचिव ने तकनीकी टीम के साथ सड़क की ड्रिलिंग करवाई। सड़क की मोटाई और निर्माण सामग्री के नमूने लिए गए। शिवतराई-अचानकमार मुख्य मार्ग से करीब साढ़े तीन

किलोमीटर दूर बने इस संपर्क मार्ग ने बैगा परिवारों के जीवन में बड़ा बदलाव लाया है। ग्रामीणों ने बताया कि बरसात के दिनों में जहां पहले घंटों पैदल चलना पड़ता था, वहीं अब गांव तक पहुंच आसान हो गई है।

दौरे के दौरान गांव में पहुंची मोबाइल मेडिकल यूनिट का भी प्रमुख सचिव ने निरीक्षण किया। उन्होंने बैगा समुदाय के लोगों से पूछा कि स्वास्थ्य वाहन से उन्हें कितना लाभ मिल रहा है। ग्रामीणों ने बताया कि अब प्राथमिक उपचार और जांच गांव में ही उपलब्ध हो रही है। इस पर प्रमुख सचिव ने मेडिकल यूनिट को नियमित रूप से गांवों में पहुंचने के निर्देश दिए। प्रमुख सचिव ने नेवसा स्थित आदिवासी बालक आश्रम का निरीक्षण का भी निरीक्षण किया। आश्रम परिसर, शौचालय और साफ-सफाई की स्थिति बेहद खराब मिलने पर प्रमुख सचिव ने गहरी नाराजगी जताई। उन्होंने मौके पर ही हॉस्टल वार्डन के विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्रवाई के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि नया शिक्षा सत्र शुरू होने वाला है और विद्यार्थियों को बेहतर वातावरण उपलब्ध कराना प्रशासन की प्राथमिक जिम्मेदारी है। पेयजल, बिजली, साफ-सफाई और मरम्मत कार्यों को समय रहते पूरा करने के निर्देश भी दिए गए। इसके बाद जनपद पंचायत कोटा में आयोजित समीक्षा बैठक में प्रमुख सचिव ने पीवीटीजी डिजिटल सर्वे की प्रगति की जानकारी ली। अधिकारियों ने बताया कि लगभग 90 प्रतिशत सर्वे कार्य पूरा हो चुका है। इस पर उन्होंने 30 मई तक शत-प्रतिशत सर्वे पूर्ण करने के निर्देश दिए। बैठक में प्रमुख सचिव ने कहा कि प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री विशेष पिछड़ी जनजातियों के विकास को लेकर अत्यंत संवेदनशील हैं। पीएम जनमन और धरती आबा जैसे अभियानों का उद्देश्य केवल योजनाएं चलाना नहीं, बल्कि दूरस्थ वनांचलों में रहने वाले परिवारों को सम्मान के साथ मुख्यधारा से जोड़ना है। उन्होंने पीवीटीजी परिवारों के लिए कौशल विकास, स्वरोजगार और आजीविका आधारित गतिविधियों को बढ़ावा देने पर भी जोर दिया।

सहकारी बैंकिंग व्यवस्था को मजबूत बनाने उपाध्यक्ष

रायपुर, (प्रतिदिन राजधानी)

जिला सहकारी केंद्रीय बैंक मर्यादित जगदलपुर के उपाध्यक्ष श्रीनिवास मिश्रा गुरूवार को दंतेवाड़ा जिले के प्रवास पर पहुंचे। इस अवसर पर बैंक शाखा के नोडल अधिकारियों, शाखा प्रबंधकों एवं समिति प्रबंधकों द्वारा विश्रामगृह में उनका आत्मीय स्वागत किया गया।

प्रवास के दौरान उपाध्यक्ष श्रीनिवास मिश्रा ने बैंक से संचालित समस्त योजनाओं की विस्तारपूर्वक समीक्षा करते हुए अधिकारियों को निर्धारित लक्ष्यों की शत-प्रतिशत पूर्ति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने किसानों एवं हितग्राहियों को योजनाओं का समयबद्ध लाभ पहुंचाने पर विशेष जोर दिया। बैठक में धान उठाव सहित विभिन्न प्रशासनिक एवं बैंकिंग समस्याओं पर भी चर्चा हुई। इस दौरान उपाध्यक्ष मिश्रा ने संबंधित समस्याओं के निराकरण हेतु उच्चस्तरीय पहल किए जाने का आश्वासन दिया। इस दौरान प्रमुख रुप से जिले के नोडल अधिकारी सूरज सिंह श्रीनेत, शाखा भोपालपटनम के शाखा प्रबंधक दिलीप पटेल, प्रधान कार्यालय से अध्यक्ष/उपाध्यक्ष के निज सहायक मनोज सिंह सहित बैंक एवं समिति के समस्त अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

लोक निर्माण विभाग के सचिव ने सड़कों का काम देखा

अधिकारियों की बैठक लेकर काम में तेजी लाने के दिए निर्देश, कहा गुणवत्ता और समय-सीमा में पूर्णता सर्वोच्च प्राथमिकता

रायपुर, (प्रतिदिन राजधानी)

लोक निर्माण विभाग के सचिव मुकेश कुमार बंसल ने आज बिलासपुर में नेहरू चौक से दर्रीघाट तक बन रहे 10 किमी फोरलेन सड़क के कार्यों का निरीक्षण किया। उन्होंने मौके पर मौजूद वरिष्ठ विभागीय अधिकारियों और ठेकेदार को कार्यों में तेजी लाते हुए इसे जल्द पूर्ण करने के निर्देश दिए।

उन्होंने अधिकारियों की बैठक लेकर बिलासपुर जिले में महत्वपूर्ण सड़कों और भवनों के निर्माण की प्रगति की भी समीक्षा की।

लोक निर्माण विभाग के सचिव ने बिलासपुर परिक्षेत्र के मुख्य अभियंता, अधीक्षण अभियंता, कार्यपालन अभियंताओं और अनुविभागीय अधिकारियों से कहा कि हर कार्य के विभिन्न चरणों के लिए समय-सीमा निर्धारित कर कार्यों में तेजी लाएं। कार्यों की रोज मॉनिटरिंग कर तथा ठेकेदारों से समन्वय बनाकर समय-सीमा में काम पूरा कराएं। उन्होंने निविदा स्वीकृति के एक माह के भीतर हर हाल में काम प्रारंभ कराने के निर्देश दिए। बिलासपुर के कलेक्टर संजय अग्रवाल, जिला पंचायत के सीईओ संदीप अग्रवाल, लोक निर्माण विभाग के प्रमुख अभियंता वी.के. भतपहरी, मुख्य अभियंता आर.के. रात्रे और अधीक्षण अभियंता के.पी. संत भी बैठक में मौजूद थे। बंसल ने कहा कि विभाग के कार्यों में गुणवत्ता और समय-सीमा सुनिश्चित करना सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने बैठक में कोनी-मोपका बायपास, जयरामनगर रेलवे ओवरब्रिज, जयरामनगर-सीपत रोड बायपास, उच्च न्यायालय में ऑडिटोरियम, नए जेल भवन और बोदरी में न्यायालयीन प्रकरणों में ओआईसी के लिए बनने वाले विश्राम भवन की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने राष्ट्रीय राजमार्गों के कार्यों की भी जानकारी ली।

विभागीय सचिव ने नेहरू चौक से दर्रीघाट सड़क के निरीक्षण के दौरान अधिकारियों को सड़कों को साफ, सुंदर और सुव्यवस्थित रखने के निर्देश दिए। उन्होंने डिवाइडर्स के दीवारों और ग्रिल्स का रंग-रोगन कराने को कहा।

हिंदी पत्रकारिता के 200 वर्ष और जुगल किशोर शुक्ल की परंपरा पर संगोष्ठी

रायपुर, (प्रतिदिन राजधानी)

कान्यकुब्ज सभा-शिक्षा मंडल, आशीर्वाद भवन, रायपुर के द्वारा आगामी 30 मई को एक गरिमामय संगोष्ठी का आयोजन किया जा रहा है। इस संगोष्ठी का मुख्य विषय %हिंदी पत्रकारिता के दो सौ साल और कान्यकुब्ज ब्राह्मण समाज के गौरव पं. जुगल किशोर शुक्ल की परंपरा% रखा गया है। कार्यक्रम आशीर्वाद भवन, रायपुर के कॉन्फ्रेंस हॉल में शाम 6ः00 बजे से आयोजित होगा। समाज के अध्यक्ष श्री सुरेश मिश्रा एवं सचिव श्री राज कुमार दीक्षित ने बताया कि इस अवसर पर मुख्य वक्ता खंडवा के सुप्रसिद्ध राष्ट्रीय ललित निबंधकार डॉ. श्रीराम परिहार होंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता हिंदी साहित्य अकादमी के अध्यक्ष श्री शशांक शर्मा करेंगे। वहीं, विशिष्ट अतिथि के रूप में वरिष्ठ साहित्यकार डॉ. सुशील त्रिवेदी मंच साझा करेंगे। हिंदी पत्रकारिता के ऐतिहासिक सफर को रेखांकित करने वाले इस आयोजन में प्रतिष्ठित पत्रिका %छत्तीसगढ़ मित्र% के मई-2026 अंक का भव्य विमोचन भी गणमान्य अतिथियों द्वारा किया जाएगा। कान्यकुब्ज सभा-शिक्षा मंडल और कान्यकुब्ज साहित्य परिषद के पदाधिकारियों ने शहर के सभी लेखकों, कवियों, पत्रकारों और प्रबुद्ध नागरिकों से इस गोष्ठी में शामिल होने की अपील की है। उन्होंने कहा कि हिंदी पत्रकारिता के जनक पं. जुगल किशोर शुक्ल के योगदान और 200 वर्षों की इस गौरवशाली यात्रा पर होने वाला यह संवाद साहित्य प्रेमियों के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण होगा।

श्रमिकों के बच्चों के लिए डॉक्टर बनने का सुनहरा मौका- ESIC मेडिकल कॉलेजों में 700 सीटें आरक्षित

रायपुर, (प्रतिदिन राजधानी)

छत्तीसगढ़ के संगठित क्षेत्र में काम करने वाले बीमित श्रमिकों के बच्चों के लिए मेडिकल शिक्षा (स्न्न्न्स/ ब्र्ष्ठस) के क्षेत्र में करियर बनाने का एक बड़ा और सुनहरा अवसर सामने आया है। भारत सरकार के श्रम एवं रोजगार मंत्रालय के अंतर्गत आने वाले कर्मचारी राज्य बीमा निगम (श्वस्द्बष्ट) ने देशभर के अपने 20 प्रतिष्ठित मेडिकल कॉलेजों में बीमित श्रमिकों के बच्चों के लिए 700 सीटें आरक्षित की हैं। ऑनलाइन आवेदन करने की अंतिम तिथि 31 मई थी , जिसे बढ़ाकर 21 जून 2026 तक निर्धारित की गई है। श्रमायुक्त कार्यालय से प्राप्त आधिकारिक जानकारी के अनुसार, इन आरक्षित सीटों पर योग्य उम्मीदवारों का चयन नीट यूजी (ह्रश्वश्वञ्) परीक्षा के माध्यम से किया जाएगा। इसके लिए ऑनलाइन आवेदन करने की अंतिम तिथि 21 जून 2026 निर्धारित की गई है। जो भी विद्यार्थी इस पात्रता के दायरे में आते हैं, वे बिना देरी किए कर्मचारी राज्य बीमा निगम की आधिकारिक वेबसाइट ESIC Official Website पर जाकर अपना आवेदन जमा कर सकते हैं।

योजना का मुख्य उद्देश्य

श्रम विभाग के अधिकारियों ने बताया कि इस विशेष आरक्षण नीति का मुख्य उद्देश्य संगठित क्षेत्र के श्रमिक परिवारों के प्रतिभावान बच्चों को उच्च और गुणवत्तापूर्ण मेडिकल शिक्षा के बेहतर अवसर देना है। इससे आर्थिक रूप से कमजोर या सामान्य पृष्ठभूमि से आने वाले छात्र भी बिना किसी वित्तीय बाधा के डॉक्टर बनने का अपना सपना पूरा कर सकेंगे। कुल आरक्षित सीटें 700 (देशभर के 20 श्वस्द्बष्ट मेडिकल कॉलेजों में), चयन का आधार नीट यूजी (ह्रश्वश्वञ् ठ्ठ) मेरिट के आधार पर, आवेदन की अंतिम तिथि 21 जून 2026 है। कर्मचारी राज्य बीमा निगम की आधिकारिक वेबसाइट द्वह्यद्बष्.द्दश्र1.द्बठ्ठ का अवलोकन किया जा सकता है।

टोल फी हेल्पलाइन नंबर

किसी भी प्रकार की शंका या विस्तृत जानकारी के लिए विद्यार्थी और अभिभावक टोल फी नंबर 1800-11-2526 पर संपर्क कर सकते हैं। इसके अलावा नजदीकी ESIC शाखा या राज्य स्तरीय क्षेत्रीय कार्यालय से भी मार्गदर्शन लिया जा सकता है। श्रमायुक्त कार्यालय ने प्रदेश के सभी श्रमिक साथियों से विशेष अपील की है कि वे समय रहते इस महत्वाकांक्षी योजना की जानकारी अपने योग्य व इच्छुक बच्चों तक पहुंचाएं और अंतिम तिथि से पहले अधिक से अधिक आवेदन करवाकर इस सुनहरे अवसर का लाभ उठाएं।

रायपुर को मिलेगा नया जल शोधन संयंत्र और दौड़ेंगी ई-बसें

रायपुर, (प्रतिदिन राजधानी)

छत्तीसगढ़ में विकास कार्यों और शहरी अधोसंरचना को मजबूत करने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है। मंत्रालय (महानदी भवन) में आज मुख्य सचिव विकासशील की अध्यक्षता में परियोजना निर्माण एवं क्रियान्वयन समिति की एक उच्च स्तरीय बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में प्रदेश के विकास से जुड़े कई बड़े प्रोजेक्ट्स और नवीन अधोसंरचना प्रस्तावों का प्रस्तुतिकरण किया गया, जिससे आने वाले समय में नवा रायपुर और मुख्य शहर की तस्वीर बदलेगी। नवा रायपुर में 302.67 करोड़ रूपए की लागत से नए कार्यालय और शासकीय भवन बनेंगे महानदी भवन और इंद्रावती भवन स्थित मल्टी लेवल पार्किंग के दूसरे और तीसरे तल पर आधुनिक कार्यालयों का निर्माण किया जाएगा। इस प्रोजेक्ट की प्रस्तावित लागत करीब 131 करोड़ 17 लाख रुपये है। नवा रायपुर के सेक्टर-24 में एक विशाल संयुक्त शासकीय भवन का निर्माण किया जाएगा। इस परियोजना पर 171 करोड़ 50 लाख रुपये की लागत का अनुमान है, जिस पर बैठक में विस्तार से चर्चा हुई।

नवा रायपुर के लिए लागत 223.04 करोड़ रूपए की लागत से 43 आधुनिक ई-बसें आम नागरिकों और कर्मचारियों की सुविधा के लिए नवा रायपुर अटल नगर विकास प्राधिकरण के अंतर्गत बैटरी ऑपरेटेड और 9 मोटर एसी ई-बसें शामिल होंगी। इस पूरे प्रोजेक्ट डिजाइन, सप्लाई, परिचालन और संधारण की लागत 223 करोड़ 4 लाख रुपये होगी।

श्री गुरु अर्जन देव जी की चित्र प्रदर्शनी और विशाल छबील में शामिल होंगे मुख्यमंत्री

रायपुर, (प्रतिदिन राजधानी)

छत्तीसगढ़ सिक्ख समाज ने मुख्यमंत्री विष्णु देव साय को दिया श्री गुरु अर्जन देव जी के शहीदी दिवस कार्यक्रम का आमंत्रण

शहीदी दिवस पर आयोजित प्रदर्शनी एवं छबील में आने का मुख्यमंत्री ने स्वीकार किया निमंत्रण

छत्तीसगढ़ सिक्ख समाज के प्रदेश अध्यक्ष सुखबीर सिंह सिंघोत्रा के नेतृत्व में समाज के एक प्रतिनिधिमंडल ने प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय को उनकी वैवाहिक वर्षगांठ की शुभकामनाएं एवं बधाई दी। छत्तीसगढ़ सिक्ख समाज के प्रदेश अध्यक्ष सुखबीर सिंह सिंघोत्रा के साथ समाज के प्रतिनिधिमंडल ने छत्तीसगढ़ राज्य नागरिक आपूर्ति निगम के अध्यक्ष संजय श्रीवास्तव की उपस्थिति में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय को सिक्खों के पांचवें गुरु श्री गुरु अर्जन देव जी के शहीदी दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित होने वाली चित्र प्रदर्शनी एवं विशाल छबील (मीठे ठंडे जल वितरण सेवा) कार्यक्रम में सम्मिलित होने हेतु सादर आमंत्रित किया।

प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री को बताया कि छत्तीसगढ़ सिक्ख समाज द्वारा श्री गुरु अर्जन देव जी के जीवन, बलिदान एवं मानवता के प्रति उनके संदेशों पर आधारित विशेष चित्र प्रदर्शनी लगाई जाएगी, जिससे आमजन गुरु साहिब के त्याग, तपस्या एवं धर्म के प्रति समर्पण को जान सकें। साथ ही श्रद्धालुओं एवं आम नागरिकों के लिए विशाल छबील सेवा का आयोजन भी किया जाएगा।

छत्तीसगढ़ शासन, जल संसाधन विभाग
कार्यालय कार्यपालन अभियंता, जल प्रबंध संभाग रूद्री
कोड नं. 38 जिला-धमतरी (छ.ग.)

शुद्धि पत्र क्र. 1

निम्नलिखित निविदाओं के Tender Document For Item Rate Tender, Form -B (Envelop-'C') के कंडिका 2.1.1 SUBMISSION OF TENDER WITH PREQUALIFICATION OF TENDER के Envelope "A" should contain scanned copies of the following में प्रावधानित नोट-2 एवं कंडिका 2.6 और pre-qualification Document Part-1 (Envelop "B") के कंडिका 4.0 SUBMISSION OF TENDER के Envelope "A" should contain scanned copies of the following में प्रावधानित नोट-2 को कार्यालय प्रमुख अभियंता, जल संसाधन विभाग, छत्तीसगढ़ नवा रायपुर अटल नगर द्वारा जारी पत्र क्रमांक 4211220 / नि./ सर्कु./2023-24/4212, दिनांक 21.05.2026 के अनुसार संशोधित किया जाता है।

क्र.	सिस्टम नंबर	निविदा क्रमांक एवं दिनांक जी- नंबर	जी- नंबर
1	190715	01/व.ले.लि./2026-27, दिनांक 15.05.2026	262700777
2	190714	02/व.ले.लि./2026-27, दिनांक 15.05.2026	262700778
3	190716	03/व.ले.लि./2026-27, दिनांक 15.05.2026	262700779

निविदा की अन्य शर्ते यथावत रहेगी।

कार्यपालन अभियंता
जल प्रबंध संभाग रूद्री
कोड नं. 38

G-262701030/9

चोरी और गुम 40 लाख के 218 मोबाइल कांकेर पुलिस ने ढूंढकर मालिकों को सौंपे

कांकेर, (प्रतिदिन राजधानी)

कांकेर जिले भर से चोरी और गुम हो चुके 40 लाख रुपए के 218 मोबाइल को कांकेर पुलिस ने बरामद किया है। कांकेर पुलिस ने मिशन रिकनेक्ट अभियान के तहत बरामद हुए मोबाइल को आज मालिकों को लौटाए।

उत्तर बस्तर कांकेर पुलिस द्वारा आमजन की डिजिटल सुविधा एवं गुम व चोरी हुए मोबाईलों की बरामदगी के लिए चलाए जा रहे मिशन रिकनेक्ट अभियान के तहत उल्लेखनीय सफलता प्राप्त की गई है। तकनीकी अनुसंधान एवं सीईआईआर पोर्टल की सहायता से सायबर सेल कांकेर एवं थानों–चौकियों द्वारा की गई प्रभावी कार्यवाही से यह उपलब्धि हासिल हुई। बरामद मोबाईलों की अनुमानित कीमत लगभग 40 लाख रूपये की बताई गई। पुलिस अधीक्षक कांकेर निखिल अशोक कुमार राखेचा के निर्देशन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक भानुप्रतापपुर आकाश श्रीमाल,अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (सायबर) दिनेश कुमार सिन्हा के मार्गदर्शन में सायबर सेल कांकेर एवं जिले के विभिन्न थाना स्टाफ द्वारा सघन अभियान चलाकर गुम मोबाइलों की पतासाजी कर उन्हें बरामद किया गया। जिसे 27. मई को पुलिस अधीक्षक द्वारा गुम मोबाइल के वास्तविक स्वामियों को वापस सुपुर्द किया गया। पुलिस द्वारा तकनीकी अनुसंधान सीईआईआर पोर्टल एवं सतत मॉनिटरिंग के माध्यम से 01 जनवरी 2026 से 26 मई 2026 तक प्राप्त गुम मोबाईल शिकायतों पर कार्रवाई की गई। उक्त अवधि में पूर्व में 116 मोबाईल संबंधित थाना स्तर पर तथा 27 मई को 102 अतिरिक्त मोबाईल कुल 218 मोबाइल फोन बरामद कर उनके वास्तविक स्वामियों को पुलिस अधीक्षक द्वारा लौटाए गए। साथ ही सभी थाना प्रभारियों को त्वरित कार्रवाई एवं संवेदनशीलता के साथ काम करने के निर्देश दिए गए।

सीईआईआर एक सिटीजन पोर्टल है, जिसके माध्यम से खोए अथवा चोरी हुए मोबाईल फोन को सभी टेलीकॉम नेटवर्क में ब्लॉक किया जा सकता है, जिससे उसका दुरुपयोग रोका जा सके। यदि कोई व्यक्ति ब्लॉक मोबाईल का उपयोग करने का प्रयास करता है, तो उसकी जानकारी ट्रैक की जा सकती है। मोबाइल बरामद होने के पश्चात उसे पुनः अनब्लॉक कर वास्तविक धारक को उपयोग हेतु सौंपा जाता है।

बस्तर के तेंदूपत्ता गोदाम में लगी, लाखों का माल खाक

जगदलपुर, (प्रतिदिन राजधानी)

जगदलपुर के लामनी पार्क के आगे नए बने तेंदूपत्ता गोदाम में बुधवार की दोपहर को आग लग गई। देखते ही देखते आग फैल गई। सूचना मिलते ही फायर बिग्रेड की टीम मौके पर पहुंची। लाखों का माल जलने की आशंका है।

ज्ञात हो कि बीजापुर जिले में सोमवार को तेंदूपत्ता गोदाम में आग लगने के कारण करोड़ों का तेंदूपत्ता जलकर खाक हो गया था।

बताया जा रहा है कि सर्गीपाल रेलवे क्रॉसिंग के आगे अभी कुछ महीनों पहले ही एक नया बड़ा तेंदूपत्ता गोदाम बनाया गया था। जहां करीब 2 हजार से अधिक बोरे को रखा गया था। दोपहर 2 से 3 बजे के लगभग गोदाम से धुआं निकलता हुआ दिखाई दिया।

ग्रामीणों व वन विभाग की टीम ने तत्काल ही मोर्चा संभालते हुए नगर सेनानी संतोष मार्बल को मामले की जानकारी दी। इस दौरान करीब 4 से 5 सौ बोरे तेंदूपत्ता जल गए। जबकि आग को नीचे तक फैलने का मौका ही नही मिला और आग को घंटों की मशक्कत के बाद बुझा दिया गया।

सूत्रों की माने तो ऐसा कहा जा रहा है कि ज्यादा गर्मी पड़ने के कारण तेंदूपत्ता में सूखा होने के कारण आग पकड़ लिया और देखते ही देखते आग फैलने लगा।

लेकिन फायर बिग्रेड व टीम के द्वारा समय रहते ही आग पर काबू पा लिया गया है। फिलहाल जले तेंदूपत्ता को हटा दिया गया है और बचे आग को भी बुझा दिया गया है।

विधायक पहुंचीं कंट्रोल रूम, सवा घंटे बाद बहाल हुई सेवा

कोण्डागांव, (प्रतिदिन राजधानी)

कोण्डागांव, 27 मई। जिला मुख्यालय कोण्डागांव के आधे शहर में मंगलवार रात अचानक बिजली गुल होने से लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। भीषण गर्मी के बीच बिजली बंद होने से शहरवासी देर रात तक परेशान रहे। जानकारी अनुसार, 11 केवी मेन लाइन के जम्पर में खराबी आने के कारण कोण्डागांव के जय स्तंभ चौक से लेकर चिखलपुटी, जिला अस्पताल, पुलिस लाइन तक, नहरपारा से लेकर प्रेमनगर डीएनके तक शहर के कई हिस्सों की विद्युत सेवा प्रभावित हो गई। रात 10.12 बजे से बिजली आपूर्ति बाधित रही, जिसे विभाग ने मरम्मत कार्य के बाद रात 11.25 बजे पुनः बहाल किया।

इस दौरान करीब 1 घंटा 13 मिनट तक शहर के कई इलाके अंधेरे में डूबे रहे।

बिजली गुल होने की सूचना मिलते ही स्थिति का जायजा लेने कोण्डागांव विधायक लता उसेंडी देर रात विद्युत विभाग के कंट्रोल रूम पहुंचीं। इस दौरान उन्होंने अधिकारियों से जानकारी लेते हुए व्यवस्था का निरीक्षण किया।

विधायक लता उसेंडी ने बताया कि बिजली कटौती की जानकारी मिलने पर वे स्वयं स्थिति देखने पहुंचीं। जांच में पता चला कि 11 केवी लाइन के जम्पर में खराबी आने के कारण विद्युत आपूर्ति बाधित हुई है। विभाग के अधिकारी और कर्मचारी मौके पर मरम्मत कार्य में जुटे हुए थे, जिसके बाद विद्युत सेवा बहाल कर दी गई। उन्होंने कहा कि जिले में लगातार बढ़ रही बिजली खपत को देखते हुए नए सब–में काम किया जा रहा है। पिछले 10 वर्षों में जिले में नया सब–स्टेशन नहीं बन पाया था, लेकिन अब नई परियोजनाएं पाइपलाइन में हैं और भविष्य में विद्युत व्यवस्था को और मजबूत बनाने के प्रयास जारी है।

विधायक और कलेक्टर ने बाल गृह का किया निरीक्षण

कोंडागांव, (प्रतिदिन राजधानी)

बस्तर विकास प्राधिकरण की उपाध्यक्ष एवं कोण्डागांव विधायक लता उसेण्डी ने कलेक्टर श्रीमती नुपूर राशि पन्ना के साथ मंगलवार को जिले के बाल गृहों का निरीक्षण कर वहां की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस दौरान नगर पालिका अध्यक्ष श्री नरपति पटेल भी उपस्थित रहे।

निरीक्षण के दौरान जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों ने डीएनके कॉलोनी स्थित बाल गृह (बालक) तथा आड़केछेपड़ा स्थित बाल गृह (बालिका) पहुंचकर बच्चों से संवाद किया। उन्होंने बच्चों से भोजन, शिक्षा, स्वास्थ्य, आवास एवं अन्य सुविधाओं के संबंध में जानकारी ली। उन्होंने बच्चों के लिए एक यूनिफॉर्म की व्यवस्था के साथ स्वच्छता पर विशेष ध्यान देने और अच्छे से पढ़ाई के लिए प्रेरित किया।

निरीक्षण के दौरान बाल गृह (बालक) के सामने स्थित शिक्षा विभाग के भवन को खाली कर वहां बाल गृह का कार्यालय संचालित करने के निर्देश भी दिए गए, ताकि बच्चों के लिए बेहतर व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जा सकें।

बालिका गृह मे बताया गया कि बालिका गृह की बालिका रंजीता कोरोटी का चयन अन्तरराष्ट्रीय जुडो खेल हेतु चयन हुआ है, बालिका वर्तमान मे साईं सेंटर भोपाल मे प्रशिक्षण प्राप्त कर रही है। विधायक द्वारा उन बच्चों को शुभकामनाएं दी गईं।

इस अवसर पर जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास विभाग रेनू प्रकाश, जिला बाल संरक्षण अधिकारी नरेन्द्र सोनी सहित बाल गृह के कर्मचारी उपस्थित रहे।

चितापुर-2 के मावली माता मड़ई मेला में विधायक ने किया पानी टैंकर वितरण

जगदलपुर, (प्रतिदिन राजधानी)

दरभा विकासखंड अंतर्गत ग्राम पंचायत चितापुर–2 के बुड़गीभाटा में आयोजित पारंपरिक मावली माता मड़ई मेला में क्षेत्रीय विधायक विनायक गोयल शामिल हुए। इस अवसर पर विधायक ने ग्रामीणों की सुविधा एवं पेयजल समस्या को ध्यान में रखते हुए पानी टैंकर का वितरण किया।

मड़ई मेला में विधायक विनायक गोयल ने मावली माता के दर्शन कर क्षेत्रवासियों की सुख–समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की। उन्होंने कहा कि मड़ई मेला हमारी आदिवासी संस्कृति, परंपरा और सामाजिक एकता का प्रतीक है। ऐसे आयोजन समाज को जोड़ने और हमारी सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। कार्यक्रम के दौरान विधायक ने ग्रामीणों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं तथा क्षेत्र के विकास के लिए हर संभव सहयोग का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार ग्रामीण क्षेत्रों में मूलभूत सुविधाओं को मजबूत करने के लिए लगातार कार्य कर रही है। पेयजल जैसी आवश्यक सुविधाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करना सरकार की प्राथमिकता है। पानी टैंकर वितरण से ग्रामीणों को काफी राहत मिलेगी और गर्मी के मौसम में पेयजल की समस्या का समाधान होगा। मड़ई मेला के दौरान सांस्कृतिक कार्यक्रमों एवं पारंपरिक लोक नृत्यों ने लोगों का मन मोह लिया। ग्रामीणों में उत्साह और उल्लास का माहौल देखने को मिला।

अवैध निर्माण पर निगम की कार्रवाई, हटाया अतिक्रमण

भिलाई नगर, (प्रतिदिन राजधानी)

नगर पालिक निगम भिलाई के जोन–2 वैशाली नगर क्षेत्रांतर्गत अवैध अतिक्रमण के खिलाफ निगम प्रशासन द्वारा सख्त कार्रवाई की गई। निगम की संयुक्त टीम ने पुलिस बल की मौजूदगी में जेसीबी के माध्यम से रोड एवं रास्ते की भूमि पर किए जा रहे अवैध निर्माण को हटाया।

निगम आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय को प्राप्त जानकारी के अनुसार एन. संतोषी एवं एन. शैलजा पति एन. धनराजु, निवासी राजीव आवास निवासी कोहका कैलाश नगर कुरूद भिलाई द्वारा प्लाट खसरा नंबर 1606/109 एवं 1606/110 में बिना भवन अनुज्ञा के रोड एवं रास्ते की भूमि पर अवैध निर्माण कार्य कराया जा रहा था।

मामले की जानकारी मिलने पर निगम प्रशासन द्वारा संबंधित पक्षों को स्वयं अवैध निर्माण हटाकर निगम को सूचित करने निर्देशित किया गया था। इसके बावजूद संबंधितों द्वारा कोई समाधानकारक जवाब प्रस्तुत नहीं किया गया। जिसके बाद आज जोन–2 राजस्व विभाग, बेदखली टीम एवं पुलिस बल की संयुक्त टीम ने मौके पर पहुंचकर जेसीबी की सहायता से अवैध अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की। निगम अधिकारियों ने बताया कि शहर में अवैध अतिक्रमण एवं बिना अनुमति निर्माण के खिलाफ लगातार अभियान चलाया जा रहा है। सार्वजनिक मार्ग एवं शासकीय भूमि पर अतिक्रमण करने वालों के विरुद्ध आगे भी नियमानुसार कार्रवाई जारी रहेगी।

पावर हाउस जवाहर मार्केट में निगम की बड़ी कार्यवाही

नगर पालिक निगम भिलाई के आयुक्त राजीव कुमार पांडेय के निर्देशानुसार मगंलवार को पावर हाउस जवाहर मार्केट क्षेत्र में यातायात को बाधित करने वाले और दुकान के बाहर सामान निकालकर व्यवसाय करने वाले दुकानदारों के खिलाफ कड़ी चालानी कार्रवाई की गई। अव्यवस्था के संबंध में निगम आयुक्त को लगातार शिकायत प्राप्त हो रही थी।

निगम की टीम ने कार्रवाई करते हुए ऐसे 26 व्यापारियों पर अर्थदंड लगाया, जिनसे कुल 13 हजार रुपये का जुर्माना वसूल किया गया। कार्रवाई के दौरान निगम प्रशासन द्वारा सभी व्यापारियों को सख्त हिदायत दी गई है कि वे अपनी दुकानों का सामान सीमा के भीतर ही रखें। किसी भी परिस्थिति में नाली के बाहर या सड़क पर सामान न फैलाएं। नाली को छोड़कर ही दुकान लगाने के निर्देश दिए गए हैं, ताकि बाजार में आने वाले नागरिकों को आवागमन में किसी प्रकार की असुविधा न हो और यातायात व्यवस्था सुचारू रूप से बनी रहे। जवाहर मार्केट शहर का एक प्रमुख व्यावसायिक केंद्र है। सभी व्यापारी निगम का सहयोग करें और स्वेच्छा से सड़कों व नालियों को अतिक्रमण मुक्त रखें।

उल्लंघन पाए जाने पर आगे भी इस तरह की दंडात्मक कार्रवाई जारी रहेगी। कार्यवाही के दौरान बसंत देवांगन, हरिओम गुप्ता एवं राजस्व टीम सहित अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे।

सीएम हेल्पलाइन 1076, 24 घंटों रहेगी उपलब्ध

दुर्ग, (प्रतिदिन राजधानी)

आम नागरिकों से प्राप्त शिकायत, समस्या एवं योजनाओं से संबंधित आवेदनों का त्वरित, पारदर्शी एवं समयबद्ध निराकरण सुनिश्चित करने के उद्देश्य से छत्तीसगढ़ शासन द्वारा सीएम हेल्पलाइन एवं शिकायत प्रबंधन प्रणाली के रूप में ऐसी व्यवस्था विकसित की गई है, जहां जनता की आवाज सीधे शासन तक पहुंचेगी। कलेक्टर अभिजीत सिंह की उपस्थिति में मंगलवार कलेक्टोरेट सभाकक्ष में सीएम हेल्पलाइन 1076 के सुचारू संचालन सुनिश्चित किये जाने हेतु जिला स्तरीय प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। प्रशिक्षण में जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे और ब्लॉक स्तरीय अधिकारी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग (व्ही.सी.) के माध्यम से इस प्रशिक्षण कार्यक्रम से जुड़े।

सीएम हेल्पलाइन सुशासन अभिसरण विभाग के सलाहकार अनुराग दीवान ने बताया कि सीएम हेल्पलाईन अंतर्गत शिकायतों के निराकरण के लिए समय–सीमा निर्धारित की गई है। इसके साथ ही शिकायतकर्ता का फीडबैक लिया जाएगा। समाधान होने के बाद संबंधित नागरिक से सीधे संपर्क कर उसकी प्रतिक्रिया ली जाएगी, जिससे यह सुनिश्चित हो सके कि समस्या का वास्तव में समाधान हुआ है या नहीं। व्यक्ति अगर समाधान से संतुष्ट होता है, तभी शिकायत का पूर्ण निराकरण माना जाएगा। लेकिन यदि कोई असंतुष्ट है तो शिकायत स्वतः सक्रिय हो जाएगी। सीएम हेल्पलाइन एवं शिकायत प्रबंधन प्रणाली के संबंध में प्रेजेन्टेशन के माध्यम से जिला स्तरीय अधिकारियों को विस्तार पूर्वक

प्रशिक्षण दिया गया। सीएम हेल्पलाइन एवं शिकायत प्रबंधन प्रणाली के तहत प्रदेश का कोई भी नागरिक टोल फी नंबर 1076 सहित वेब पोर्टल, मोबाइल ऐप और व्हाट्सएप जैसे किसी भी माध्यम से कॉल करके 24 घंटे सातों दिन अपनी शिकायत आसानी से दर्ज करा सकता है। शिकायत दर्ज होते ही उन्हें एक टोकन संख्या मिलेगी। शिकायत दर्ज होने के बाद संबंधित विभाग के अधिकारी समय–सीमा में निराकरण करेंगे और यदि शिकायतकर्ता के आवेदन उस विभाग से संबंधित नही है तो तीन दिवस के भीतर उन्हें संबंधित विभाग को ट्रांसफर करना होगा।

यह पूरी प्रक्रिया तकनीक आधारित मॉनिटरिंग सिस्टम से जुड़ी होगी। जिसमें हर स्तर पर अधिकारियों की जवाबदेही तय होगी और शिकायतों के अनावश्यक लंबित रहने की संभावना नहीं होगी।

इस पूरी व्यवस्था की निगरानी सीधे मुख्यमंत्री कार्यालय और संबंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा की जाएगी। इससे आम नागरिकों की समस्याओं का तेजी से निराकरण सुनिश्चित होगा। कलेक्टर ने कहा कि मुख्यमंत्री हेल्पलाइन योजना शासन और आम जनता के बीच एक मजबूत सेतु का कार्य करेगी। इस व्यवस्था के माध्यम से नागरिकों की शिकायतों एवं समस्याओं का निराकरण अधिक पारदर्शी, सरल एवं समयबद्ध तरीके से किया जा सकेगा। इससे लोगों को विभिन्न विभागों के चक्कर लगाने से राहत मिलेगी तथा प्रशासनिक कार्यों में जवाबदेही और दक्षता बढ़ेगी। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार ई–ऑफिस प्रणाली के प्रारंभिक क्रियान्वयन में कुछ समय लगा, लेकिन बाद में वह सुचारू एवं प्रभावी रूप से संचालित होने लगी, उसी प्रकार सी.एम. हेल्पलाइन से आम जनता को बेहतर सुविधा मिलेगी। यह व्यवस्था लोगों के लिए उपयोगी साबित होगी। इस अवसर पर अपर कलेक्टर वीरेन्द्र सिंह, अपर कलेक्टर योगिता देवांगन, जिला पंचायत सीईओ बजरंग दुबे, नगर निगम दुर्ग आयुक्त सुमित अग्रवाल, नगर निगम रिसाली आयुक्त मोनिका वर्मा, नगर निगम चरोदा आयुक्त दशरथ राजपूत, संयुक्त कलेक्टर श्री हरवंश सिंह मिरी, संयुक्त कलेक्टर सिल्ली थॉमस, एसडीएम धमधा श्री सोनाल डेविड, एसडीएम भिलाई 3 श्री महेश राजपूत, डिप्टी कलेक्टर उत्तम ध्रुव, सीएमएचओ डॉ. मनोज दानी सहित जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित थे।

जिला स्तरीय टास्क फोर्स समिति की बैठक

दुर्ग, (प्रतिदिन राजधानी)

राष्ट्रीय जलवायु परिवर्तन और मानव स्वास्थ्य कार्यक्रम अंतर्गत जलवायु परिवर्तन के स्वास्थ्य प्रभावों को कम करने के लिए सभी स्तरों पर स्वास्थ्य क्षेत्र की तैयारी को सशक्त करने एवं जिला स्तर पर कार्यक्रम को गति प्रदान करने हेतु ज़िला कार्यबल पर्यावरण स्वास्थ्य प्रकोष्ठ समिति की बैठक आज कलेक्टोरेट सभाकक्ष में आयोजित की गई।

कलेक्टर अभिजीत सिंह की अध्यक्षता में आयोजित इस बैठक में ग्रीष्मकालीन मौसमी बीमारी की रोकथाम पर रायशुमारी की गई। बैठक में आई.डी.एस.पी. दुर्ग के नोडल अधिकारी डॉ. सी.बी.एस. बंजारे ने लू व तापघात के लक्षण और बचाव के उपाय पर विस्तार से प्रकाश डाला। पर्याप्त तरल पदार्थो को लें। अपने आप को अच्छे से ढकें। धूप में खेलने से बचे। गाड़ी लॉक ना करे जब बच्चे गाड़ी में हों। बच्चे को तुरंत अंदर या छांव में लाएं। बच्चों के कपड़ों को जहां तक हो सके ढीला कर दे। नल के पानी से पोंछा करें या छिड़काव करें। अगर बच्चे को उल्टियां हों, तो उसे करवट के बल लिटाएं ताकि गले में कुछ ना फंसे। पर्याप्त मात्रा में पानी पिएं, भले ही आपको प्यास न लगी हो। यात्रा करते समय या जब भी बाहर जायें तो पीने का पानी साथ रखें। ओरल रिहाइड्रेशन सॉल्यूशन (ओआरएस) का उपयोग करें, और घर के बने पेय जैसे नींबू पानी, छाछ / लस्सी का सेवन करें। अधिक पानी की मात्रा वाले मौसमी फल और सब्जियां खाएं जैसे–तरबूज, खरबूजा, संतरा, अंगूर, अनानास, ककड़ी, सलाद या अन्य स्थानीय रूप से उपलब्ध फल और सब्जियां। ढीले, सूती वस्त्र पहनें, कोशिश करें कि हल्के रंग के कपड़े पहनें। अपने सिर को ढकें–धूप के सीधे संपर्क में आने के दौरान छाता, टोपी, तौलिया और अन्य पारम्परिक टोपी/गमछा का उपयोग करें।

तालाब गहरीकरण व पिचिंग कार्य का महापौर ने किया निरीक्षण

दुर्ग, (प्रतिदिन राजधानी)

नगर पालिक निगम सीमा क्षेत्र अंतर्गत पटरीपार क्षेत्र के वार्ड क्रमांक 17 शक्ति नगर स्थित तालाब के गहरीकरण एवं पिचिंग कार्य का मंगलवार को महापौर अलका बाघमार ने लोक कर्म प्रभारी देव नारायण चन्द्राकर, वार्ड पार्षद सुरूचि उमरे,अरुण सिंह, उपअभियंता पंकज साहू एवं वार्ड के नागरिकों के साथ निरीक्षण कर प्रगति कार्यों का जायजा लिया।

इस कार्य के लिए लगभग 45 लाख रुपए की स्वीकृति प्रदान कर कार्य आदेश जारी किया गया है। वर्तमान में कार्य लगातार प्रगति पर है तथा निगम प्रशासन द्वारा गुणवत्ता के साथ समय–सीमा में कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए गए हैं। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने जानकारी देते हुए बताया कि तालाब गहरीकरण एवं पिचिंग का कार्य तेजी से किया जा रहा है तथा आगामी 15 से 20 दिनों के भीतर कार्य को पूर्ण करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। कार्य पूर्ण होने के बाद क्षेत्र में जल संरक्षण को बढ़ावा मिलेगा तथा तालाब की संरचना अधिक मजबूत और सुरक्षित होगी। इस दौरान महापौर ने कार्यस्थल का निरीक्षण करते हुए अधिकारियों को गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखने और समय–सीमा के भीतर कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि नगर निगम द्वारा शहर में आधारभूत सुविधाओं के विकास के साथ–साथ जल संरक्षण और पर्यावरण संरक्षण को प्राथमिकता देते हुए लगातार कार्य किए जा रहे हैं। तालाबों का संरक्षण आने वाले समय में जल संकट से निपटने के लिए महत्वपूर्ण कदम है। महापौर अलका बाघमार ने कहा नगर निगम द्वारा शहर के विभिन्न क्षेत्रों में विकास कार्यों को प्राथमिकता के साथ कराया जा रहा है। तालाबों का संरक्षण एवं संवर्धन हमारी प्राथमिकता है। शक्ति नगर तालाब का गहरीकरण एवं पिचिंग कार्य पूर्ण होने से क्षेत्रवासियों को लाभ मिलेगा तथा जल संरक्षण को मजबूती मिलेगी।

खेल समाचार प्रचार-प्रसार प्रकाशित हेतु संपर्क करे : 9806044444

प्रतिदिन राजधानी

रायपुर, शुक्रवार, 29 मई 2026

https://epaper.pratidinrajdhani.in

सूर्यवंशी आईपीएल में 600 रन बनाने वाले यंगेस्ट प्लेयर

5वीं बार 20 से कम गेंदों में फिफ्टी लगाई, एक सीजन में 65 सिक्स भी लगाए...

न्यू चंडीगढ़। राजस्थान रॉयल्स ने आईपीएल एलिमिनेटर में सनराइजर्स हैदराबाद को 47 रन से हराकर क्वालिफायर-2 में जगह बना ली। मुल्लांपुर के महाराजा यादविंद्र सिंह स्टेडियम में रिकॉर्ड्स का दिन वैभव सूर्यवंशी के नाम रहा । सूर्यवंशी आईपीएल इतिहास में 600 रन बनाने वाले सबसे युवा खिलाड़ी बन गए। उन्होंने एक सीजन में सबसे ज्यादा छक्के लगाने का रिकॉर्ड भी अपने नाम कर लिया। उनके नाम अब 65 सिक्स हो गए हैं। वैभव ने सिर्फ 16 गेंदों में अर्धशतक जड़ दिया। आईपीएल में यह पांचवीं बार रहा, जब उन्होंने 20 या उससे कम गेंदों में फिफ्टी लगाई।

एक आईपीएल सीजन में 600+ रन बनाने वाले सबसे युवा बल्लेबाज

15 साल के वैभव ने 97 रन बनाए। इस पारी के दौरान उन्होंने इस सीजन अपने 600 रन भी पूरे किए। वे आईपीएल के एक सीजन में 600 या उससे अधिक रन बनाने वाले सबसे युवा बल्लेबाज बन गए। इससे पहले ये रिकॉर्ड ऋषभ पंत के नाम था, जिन्होंने 20 साल की उम्र में 2018 में यह कीर्तिमान हासिल किया था।

पांचवीं बार आईपीएल में 20 से कम गेंदों पर फिफ्टी लगाई

वैभव ने 16 गेंद में फिफ्टी के साथ आईपीएल में 5वीं बार 20 से कम गेंद पर अर्धशतक जड़ा है। वे निकोलस पूरन के साथ संयुक्त रूप से इस लिस्ट में दूसरे स्थान पर आ गए हैं। पहले स्थान पर अभिषेक शर्मा हैं, जिन्होंने 6 बार यह कारनामा किया है।

एक आईपीएल सीजन में सबसे ज्यादा सिक्स लगाने वाले बल्लेबाज बने

वैभव ने एक सीजन में सबसे ज्यादा सिक्स लगाने के क्रिस गेल का रिकॉर्ड तोड़ दिया है। उन्होंने 12 छक्कों की पारी के दौरान सातवां सिक्स लगाते ही गेल के 59 छक्कों का रिकॉर्ड तोड़ दिया। गेल ने 2012 में बेंगलुरु के लिए खेलते हुए 59 छक्के लगाए थे।

आईपीएल पावरप्ले में सबसे ज्यादा 50+ स्कोर बनाने वाले दूसरे बल्लेबाज बने

वैभव ने मुल्लांपुर में पावरप्ले में अपना पांचवां 50+ का स्कोर बनाया। वे आईपीएल में पावरप्ले में सबसे ज्यादा बार पचास या उससे अधिक रन बनाने वाले दूसरे बल्लेबाज बन गए। पहले नंबर पर डेविड वॉर्नर हैं, जिन्होंने पावरप्ले में 6 बार 50+ स्कोर किया था।

एक आईपीएल पारी के पावरप्ले में सबसे ज्यादा सिक्स लगाने वाले बल्लेबाज बने

वैभव ने पावरप्ले के दौरान 8 छक्के जड़े। इसके साथ ही वे आईपीएल की एक पारी के पहले 6 ओवर में सबसे ज्यादा सिक्स लगाने वाले बल्लेबाज बन गए हैं। उन्होंने सनथ जयसूर्या, जोस बटलर और जॉनी बेयरस्टो को पीछे छोड़ा, जिनके नाम 7-7 छक्कों दर्ज हैं। वैभव ने भी इसी सीजन लीग मैच में भी हैदराबाद के खिलाफ पावरप्ले में 7 सिक्स लगाए थे।

एक आईपीएल सीजन के पावरप्ले में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज बने : वैभव ने हैदराबाद के खिलाफ पावरप्ले में 23 गेंद पर 71 रन बनाए। वे आईपीएल की एक सीजन में सबसे ज्यादा 490 रन बनाने वाले बल्लेबाज बन गए हैं। यह रिकॉर्ड डेविड वॉर्नर के नाम था, जिन्होंने 2016 में हैदराबाद के लिए पावरप्ले में 467 रन बनाए थे।

आईपीएल की एक पारी में सबसे ज्यादा बार 10+ छक्के लगाने में गेल की बराबरी की : वैभव ने हैदराबाद के खिलाफ अपनी पारी में 12 छक्के जड़े। यह चौथी बार है, जब उन्होंने एक ही पारी में 10 या उससे अधिक छक्के लगाए हैं। उन्होंने इस मामले में क्रिस गेल की बराबरी, जिन्होंने 4 बार यह कारनामा किया है।

आईपीएल प्लेऑफ की एक पारी में सबसे ज्यादा सिक्स लगाने वाले बल्लेबाज : वैभव 12 सिक्स की इस पारी के साथ ही आईपीएल प्लेऑफ की एक पारी में सबसे ज्यादा सिक्स लगाने वाले बल्लेबाज बन गए हैं। पहले यह रिकॉर्ड शुभमन गिल के नाम था, जिन्होंने 2023 प्लेऑफ में मुंबई इंडियंस के खिलाफ अहमदाबाद के मैदान पर 10 छक्के लगाए थे।

आईपीएल की एक पारी में सबसे ज्यादा सिक्स लगाने वाले भारतीय : वैभव आईपीएल की एक पारी में सबसे ज्यादा सिक्स लगाने वाले भारतीय बन गए हैं। मैच में 12 छक्के लगाते हुए उन्होंने इस साल हैदराबाद के खिलाफ लगाए 12 सिक्स के अपने ही रिकॉर्ड की बराबरी की। वैभव के बाद मुरली विजय हैं, जिन्होंने 2010 में राजस्थान के खिलाफ 11 सिक्स लगाए थे।

आईपीएल प्लेऑफ में दूसरा सबसे बड़ा टीम टोटल बना : राजस्थान ने हैदराबाद के खिलाफ 8 विकेट खोकर 243 रन बनाए। यह आईपीएल प्लेऑफ का दूसरा सबसे बड़ा टीम टोटल है। पहले नंबर पर बेंगलुरु है, जिन्होंने इसी सीजन क्वालिफायर-1 में गुजरात के खिलाफ 5 विकेट पर 254 रन का बनाए थे।

आईपीएल प्लेऑफ की एक पारी में सबसे ज्यादा बाउंड्री लगाने वाली दूसरी टीम बनी : राजस्थान ने हैदराबाद कुल 37 बाउंड्री लगाई। वे आईपीएल प्लेऑफ की एक पारी में सबसे ज्यादा बाउंड्री लगाने वाली दूसरी टीम बन गई है। पहले स्थान पर बेंगलुरु है, जिन्होंने इसी साल धर्मशाला के मैदान पर गुजरात के खिलाफ 38 बाउंड्री लगाए थे।

सूर्यवंशी ने कमिंस की गेंद पर जड़े लगातार 3 छक्के लगाए : मैच के तीसरे ओवर में वैभव ने जबरदस्त शॉट लगाए। उन्होंने पैट कमिंस के ओवर की तीसरी गेंद को लॉन्ग-ऑन सिक्स जड़ा। फिर चौथी गेंद को थर्ड मैन के ऊपर से छक्के के लिए भेजा। इसकी अगली गेंद पर बॉलर के ऊपर से छक्का लगा दिया।

वैभव ने लगातार छक्के के साथ फिफ्टी पूरी की

राजस्थान की पारी के चौथे ओवर में ही वैभव ने अपनी फिफ्टी पूरी कर ली। उन्होंने साकिब हुसैन के ओवर की पांचवी गेंद और आखिरी गेंद पर लगातार 2 छक्के लगाए। इसके साथ उन्होंने 16 गेंद में अपनी फिफ्टी भी पूरी की।

बिलासपुर के छात्रों ने एसओएफ इंटरनेशनल ओलंपियाड 2025-26 में किया शानदार प्रदर्शन

बिलासपुर। शैक्षणिक उत्कृष्टता का शानदार प्रदर्शन करते हुए बिलासपुर के छात्रों ने साइंस ओलंपियाड फाउंडेशन (एसओएफ) परीक्षाओं 2025-26 में बेहतरीन सफलता हासिल कर शहर का नाम रोशन किया है। इस वर्ष आयोजित एसओएफ ओलंपियाड में 72 देशों के लाखों छात्रों ने भाग लिया, जिनमें बिलासपुर के 19 हजार से अधिक छात्र शामिल थे। प्रमुख प्रदर्शन करने वाले छात्रों में लर्नर्स इंग्लिश मीडियम स्कूल के कक्षा 1 के छात्र सृजन मिश्रा ने इंटरनेशनल मैथेमेटिक्स ओलंपियाड (आईएमओ) में तथा बाल भारती पब्लिक स्कूल के कक्षा 2 के छात्र आदित धांधा ने इंटरनेशनल कंप्यूटर साइंस ओलंपियाड (आईसीएसओ) में इंटरनेशनल रैंक 1 प्राप्त की। दोनों छात्रों को गोल्ड मेडल और प्रमाण पत्र से सम्मानित किया जाएगा। वहीं दिल्ली पब्लिक स्कूल की कक्षा 3 की छात्रा सान्वी अमेया राजपूत ने इंटरनेशनल हिंदी ओलंपियाड (आईएचओ) में इंटरनेशनल रैंक 2 प्राप्त की। उन्हें सिल्वर मेडल और प्रमाण पत्र से सम्मानित किया जाएगा। इस उपलब्धि पर प्रतिक्रिया देते हुए साइंस ओलंपियाड फाउंडेशन (एसओएफ) के संस्थापक एवं निदेशक महाबीर सिंह ने कहा, 'एसओएफ ओलंपियाड 2025-26 विद्यार्थियों को उत्कृष्टता हासिल करने और तार्किक सोच विकसित करने के लिए प्रेरित कर रहा है। छात्रों का विभिन्न ओलंपियाड में शानदार प्रदर्शन उनकी मेहनत, लगन और स्कूलों द्वारा दी गई मजबूत शैक्षणिक नींव को दर्शाता है। हम छात्रों, अभिभावकों और शिक्षकों को उनकी निरंतर प्रतिबद्धता के लिए बधाई देते हैं।' साइंस ओलंपियाड फाउंडेशन (एसओएफ) एक शैक्षणिक संस्था है, जो स्कूल विद्यार्थियों में प्रतिस्पर्धात्मक भावना विकसित करने और अकादमिक प्रतियोगिताओं को बढ़ावा देने का कार्य करती है। एसओएफ द्वारा इंटरनेशनल कंप्यूटर सइंस ओलंपियाड, इंटरनेशनल साइंस ओलंपियाड, इंटरनेशनल मैथमेटिक्स ओलंपियाड, इंटरनेशनल इंग्लिश ओलंपियाड, इंटरनेशनल कॉमर्स ओलंपियाड, इंटरनेशनल जनरल नॉलेज ओलंपियाड, इंटरनेशनल सोशल स्टडीज ओलंपियाड और इंटरनेशनल हिंदी ओलंपियाड जैसी परीक्षाएं आयोजित की जाती हैं। ये परीक्षाएं छात्रों को अपनी अवधारणात्मक समझ, विश्लेषण क्षमता और समस्या समाधान कौशल को वैश्विक स्तर पर परखने का अवसर प्रदान करती हैं।

27 जुलाई से दिल्ली में होगी राष्ट्रमंडल टेबल टेनिस चैम्पियनशिप

नई दिल्ली। 22वीं राष्ट्रमंडल टेबल टेनिस चैम्पियनशिप दिल्ली के त्यागराज स्टेडियम में 27 जुलाई से 2 अगस्त तक होगी। इस दौरान रोमांचक मुकाबले होने की संभावना है। इस चैम्पियनशिप का आयोजन दिल्ली सरकार और भारतीय टेबल टेनिस महासंघ (टीटीएफआई) द्वारा संयुक्त रूप से किया जा रहा है। इसमें 35 से अधिक देशों के शीर्ष एथलीटों के भाग लेने की उम्मीद है, जो इस आयोजन को वैश्विक मंच पर एक महत्वपूर्ण पहचान दिलाएगा। इस चैंपियनशिप न केवल खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर देगी बल्कि दिल्ली को एक प्रमुख अंतरराष्ट्रीय खेल गंतव्य के रूप में भी स्थापित करेगी। सात दिवसीय इस चैम्पियनशिप में दुनिया भर के टेबल टेनिस खिलाड़ी भी भाग लेंगे। अधिकारियों के अनुसार, इंग्लैंड, ऑस्ट्रेलिया, कनाडा, न्यूजीलैंड, दक्षिण अफ्रीका, मलेशिया, सिंगापुर, स्कॉटलैंड, वेल्स, नाइजीरिया, केन्या, जमैका, त्रिनिदाद और टोबैगो जैसे राष्ट्रों के खिलाड़ी अपनी खेल भावना और कौशल का प्रदर्शन करने के लिए तैयार हैं। यह विविध भागीदारी टूर्नामेंट को और भी रोमांचक और प्रतिस्पर्धी बनाएगी, जिससे दर्शकों को उच्च-स्तरीय खेल का अनुभव मिलेगा। इस बड़े खेल आयोजनों की मेजबानी के लिए तैयारियां जारी हैं। भारत के लिए, यह चैंपियनशिप टेबल टेनिस के प्रति बढ़ती लोकप्रियता और युवा खिलाड़ियों में इसके प्रति उत्साह को और बढ़ावा देगी। स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी इस आयोजन से बढ़ावा मिलने की उम्मीद है, जिसमें होटल, परिवहन और अन्य संबंधित सेवाओं में वृद्धि देखी जाएगी।

टी20 विश्वकप जीतने के इरादे से उतरेगी दक्षिण अफ्रीका : वोल्वार्ट

जोहांसबर्ग। हाल ही में भारतीय टीम के खिलाफ सीरीज जीत से उत्साहित दक्षिण अफ्रीकी महिला क्रिकेट टीम की कप्तान लौरा वोल्वार्ट अब अगले माह इंग्लैंड में होने वाले टी20 विश्वकप को जीतना चाहती हैं। वोल्वार्ट का कहना है कि उनकी टीम का मनोबल बढ़ा हुआ है और वह खिलाब जीतने के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करेगी। दक्षिण अफ्रीका की टीम ने पिछले कुछ साल में लगातार सुधार किया है। वह साल 2023 और 2024 में लगातार दो टी20 विश्व कप के फाइनल में पहुंची है। इसके अलावा, टीम पिछले साल एकदिवसीय विश्व कप में भी उपविजेता रही थी। लगातार फाइनल में पहुंचने के बाद भी खिताब हासिल नहीं कर पाने की निराशा से टीम नहीं है और उसके अंदर जीत का जज्बा बढ़ा है।

छत्तीसगढ़ क्रिकेट प्रीमियर लीग 3 (सी.सी.पी.एल.) 3 जून से प्रारंभ

दर्शक प्रतिदिन जीत सकेगें अनेकों शानदार पुरस्कार...

रायपुर। छत्तीसगढ़ स्टेट क्रिकेट संघ द्वारा छत्तीसगढ़ क्रिकेट प्रीमियर लीग (सी.सी.पी.एल.) के तृतीय संस्करण का आयोजन 03 जून 2026 से 14 जून 2026 तक शहीद वीर नारायण सिंह अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम, नवा रायपुर में किया जा रहा है। पहला मैच दिनांक 3 जून 2026 को रायपुर रायनोस एवं राजनांदगांव पैंथर्स में मध्य रात्री 9 बजे से खेला जायेगा। मैच के पहले संध्या 7.30 बजे से सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित होगें। उद्घाटन समारोह में बॉलीबुड की प्रसिद्ध अभिनेत्री मौनी रॉय अपनी प्रस्तुती देंगी। सी.सी.पी.एल. के इस सीजन में दर्शकों को प्रतिदिन शानदार पुरस्कार जीतने का मौका मिलेगा। दर्शक टिकट के पीछे दिये गये लक्की ड्रा कुपन के माध्यम से निम्नलिखित पुरस्कार पा सकतें हैं।

दिनांक 03 जून 2026 उद्घाटन मैच तथा 14 जून 2026 फाइनल मैच हेतु पुरस्कार

- प्रथम पुरस्कार - एक टु व्हीलर वाहन
- द्वितीय पुरस्कार - रु. 40,000
- तृतीय पुरस्कार - रु. 30,000
- चतुर्थ पुरस्कार - रु. 25,000
- पांचवा पुरस्कार - रु. 22,500
- छठां पुरस्कार - रु. 20,000
- सांतवा पुरस्कार - रु. 18,000
- आठवां पुरस्कार - रु. 16,500
- नवां पुरस्कार - रु. 14,000
- दसवां पुरस्कार - रु. 14,000

दिनांक 04 जून 2026 से 12 जून 2026 लीग मैचों हेतु पुरस्कार : रुपये 10,000 के 10 पुरस्कार प्रतिदिन। सभी टिकट नि:शुल्क उपलब्ध होगी। मैच के दिन दर्शक स्टेडियम में ऑनलाइन टिकट का स्क्रीनशॉट दिखा कर फिजीकल टिकट प्राप्त कर सकतें हैं। टिकट के पीछे दिये गये फार्म में अपना नाम, मोबाइल नंबर तथा इमेल लिख कर दर्शक प्रवेश द्वार पर उपलब्ध बॉक्स में जमा करेगें तथा टिकट का कांउटर पार्ट अपने पास सुरक्षित रखेंगे। प्रतिदिन दूसरे मैच के इंनिग ब्रेक में कुपन निकाले जायेगें तथा विजेताओं के नाम मैदान में बडी स्क्रीन पर दर्शाये जायेगें।

15 साल की उम्र में वैभव की खेल के प्रति जागरूकता कमाल की है : एबी डिविलियर्स

नई दिल्ली। साउथ अफ्रीका के पूर्व बल्लेबाज एबी डिविलियर्स ने राजस्थान रॉयल्स के खिलाड़ी और युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी की जमकर तारीफ की है। उन्होंने कहा कि 15 साल की उम्र में वैभव की खेल के प्रति जागरूकता कमाल की है। आईपीएल 2026 के एलिमिनेटर मुकाबले में वैभव ने सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ 29 गेंदों में 97 रनों की दमदार पारी खेली। वैभव सूर्यवंशी की शानदार पारी की बदौलत राजस्थान रॉयल्स पहले बल्लेबाजी करते हुए स्कोरबोर्ड पर 8 विकेट खोकर 243 रन बनाने में सफल रही। इसके जवाब में एसआरएच की पूरी टीम 196 रन बनाकर ढेर हो गई। वैभव ने अपनी पारी के दौरान 5 चौके और 12 छक्के लगाए। डिविलियर्स ने कहा कि वह वैभव के शॉट खेलने के तरीके से ज्यादा प्रभावित दबाव से भरे नॉकआउट मुकाबले में उनकी परिपक्वता और मैदान पर शांत रहने की काबिलियत से हुए। डिविलियर्स ने 'जियोस्टार' से बात

करते हुए कहा, 'वैभव सूर्यवंशी की पारी की सबसे खास बात यह थी कि दबाव में भी उनका शांत और साफ रवैया। पैट कमिंस और सनराइजर्स हैदराबाद अलग-अलग प्लान आजमाते रहे, लगातार फील्ड बदलते रहे और उनकी लय बिगाड़ने के लिए अपनी लेंथ बदलते रहे, लेकिन वह पूरी पारी के दौरान पूरी तरह से अपने ही दायरे में रहे।

नॉकआउट मैच में इतनी कम उम्र में खेल के प्रति इतनी जागरूकता किसी खिलाड़ी के लिए कमाल की बात है।' उन्होंने आगे कहा, 'चाहे उन्होंने शॉर्ट बॉलिंग की हो या फुल लेंथ गेंदों से उन्हें हैरान करने की कोशिश की हो, वह हर प्लान के लिए तैयार दिखे और उन सभी के खिलाफ कंट्रोल में थे।

दर्शकों के बर्ताव से नाखुश दिखे जोकोविच, कहा-'उम्मीद है अब किसी फ्रांसीसी खिलाड़ी के खिलाफ नहीं खेलूंगा'

पेरिस। सर्बिया के दिग्गज खिलाड़ी नोवाक जोकोविच फ्रेंच ओपन 2026 में दर्शकों के बर्ताव से काफी नाखुश हैं। जोकोविच ने कहा कि उम्मीद है कि टूर्नामेंट में उन्हें अब फ्रांस के किसी भी खिलाड़ी का सामना नहीं करना पड़ेगा। जोकोविच वैलेंटिन रॉयर के खिलाफ हुए मैच में दर्शकों द्वारा की गई लगातार हूटिंग से गुस्से में नजर आए। जोकोविच ने दूसरे राउंड में रॉयर पर चार सेट में 6-3, 6-2, 6-7(9), 6-3 से जीत हासिल करके अपने 25वें ग्रैंड स्लैम खिताब की तरफ कदम बढ़ाया। टूर्नामेंट के लगातार दूसरे मुकाबले में जोकोविच का सामना फ्रांस के खिलाड़ी से हुआ। पहले राउंड में जोकोविच ने जियोवानी मपेट्शी पेरीकार्ड को हराया था। मैच के दौरान एक समय ऐसा आया जब जोकोविच ने भीड़ की हूटिंग के बाद ताली बजाई और अंपायर ने शांत रहने को कहा। अंपायर ने कहा, 'लेडीज एंड जेंटलमैन, कृपा दोनों खिलाड़ियों की थोड़ी इज्जत करें।' जोकोविच ने तुरंत कहा, 'उनमें कोई इज्जत नहीं है।' सर्बियाई खिलाड़ी ने कहा, 'मुझे उम्मीद है कि मैं बाकी टूर्नामेंट में किसी और फ्रेंच खिलाड़ी के साथ नहीं खेलूंगा।' शुरुआती दो सेट में जोकोविच का

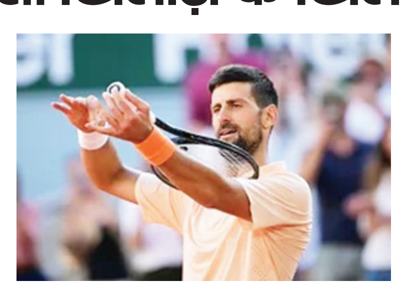

जबरदस्त खेल देखने को मिला। तीन बार के रोलैंड-गैरोस (फ्रेंच ओपन) विजेता रॉयर के पैटर्न को समझ रहे थे और कई लेजर-फोकस्ड शॉट मार रहे थे। हालांकि, रॉयर पीछे हटने को तैयार नहीं थे और उन्हें लगातार अच्छे खेल का इनाम तीसरे सेट में मिला। उन्होंने तीसरे सेट में अपना हुक्ड फोरहैंड मारकर स्कोर 4-4 से बराबर कर दिया। टाई-ब्रेक में जोकोविच ने मैच पॉइंट 6-5 पर बनाए रखा। फिर से रॉयर ने हार नहीं मानी और 24 ग्रैंड स्लैम विजेता खिलाड़ी को पीछे रखने के लिए जोरदार शॉट्स खेले और फुर्तीले मूवमेंट का इस्तेमाल किया। कुछ पॉइंट बाद जोकोविच का एक बैकहैंड लंबा चला गया, जिससे पेरिस के फैंस जोरदार नारे लगाने लगे। जोकोविच ने कहा, 'मुझे राहत मिली है। जाहिर है कि जब आप मैच जीतते हैं तो अलग महसूस होता है। मुश्किल हालात में यह दोनों खिलाड़ियों के लिए बहुत जरूरी जीत है। बहुत गर्मी थी, और मुझे लगता है कि रॉयर इस मुकाबले के अपने प्रदर्शन के लिए बहुत श्रेय के हकदार हैं। यह बहुत मुश्किल मैच था, शुरू से ही एक चुनौती थी। यह नॉर्मल है कि इस तरह के हालात और माहौल में कोर्ट पर चीजें मुश्किल हो जाती हैं। मुझे उम्मीद है कि टूर्नामेंट के आखिर तक मुझे किसी और फ्रेंच खिलाड़ी से दोबारा नहीं खेलना पड़ेगा।' जीत के साथ, जोकोविच ने लगातार 21वीं बार रोलैंड गैरोस के तीसरे राउंड में जगह बनाते हुए रिकॉर्ड कायम किया। इसके अलावा, 39 साल के खिलाड़ी किसी एक ग्रैंड स्लैम इवेंट में 120 मैच खेलने वाले पहले खिलाड़ी भी बन गए, और उन्होंने रोजर फेडरर के विंबलडन के 119 मुकाबलों के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया। पूर्व वर्ल्ड नंबर 1 का अगला मुकाबला ब्राजील के 28वीं वरीयता प्राप्त फोंसेका से होगा, जिन्होंने दो सेट से पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए क्रोएशिया के डिनो प्रिजमिक को हराया और तीसरे राउंड में अपनी जगह पक्की की।

यूनिटी कप : जमैका ने सेमीफाइनल में भारत को 2-0 से हराया, तीसरे स्थान के लिए होगी जिम्बाब्वे से भिड़ंत

लंदन। भारतीय पुरुष फुटबॉल टीम को द वैली में यूनिटी कप के दूसरे सेमीफाइनल में जमैका से 0-2 से हार का सामना करना पड़ा। आठवें मिनट में कर्टनी क्लार्क के शानदार शुरुआती स्ट्राइक और 78वें मिनट में काहेम डिक्सन के गोल ने जमैका को फाइनल का टिकट दिलाया। इंग्लैंड की धरती पर साल 2002 के बाद अपना पहला मैच खेल रही भारतीय टीम अब 30 मई को तीसरे स्थान के प्लेऑफ में जिम्बाब्वे का सामना करेगी। जिम्बाब्वे को पहले सेमीफाइनल में नाइजीरिया के खिलाफ हार झेलनी पड़ी थी। खिताबी मुकाबले में नाइजीरिया की भिड़ंत पिछले साल की तरह ही जमैका से होगी। इस मैच में कई महत्वपूर्ण व्यक्तिगत पल देखने को मिले। नौफल पीएन और रिकी शाबोंग ने सीनियर नेशनल टीम में डेब्यू किया, जबकि एडमंड लालरिंडिका को भारत के लिए अपना पहला स्टार्ट मिला। जमैका सेमीफाइनल मुकाबले में

पूरी तरह से भारत पर हावी रहा और टीम को वापसी का कोई मौका नहीं दिया। आठवें मिनट में जमैका ने तेज काउंटर अटैक किया और भारतीय डिफेंस को मुश्किल में डाल दिया। इस दौरान गुरप्रीत सिंह संधू को एक टाइट एंगल से शानदार बचाव करना पड़ा और उन्होंने गोल होने से बचा लिया। हालांकि, खतरा पूरी तरह टला नहीं था। भारत अपनी डिफेंसिव लाइन से गेंद को ठीक से क्लियर नहीं कर पाया, और क्लार्क गलत पास को रोककर हाथ आए मौके को भुनाने में सफल रहे। उन्होंने बॉल को अपने दाहिने पैर पर कंट्रोल किया और फिर गुरप्रीत के डाइव करने के बावजूद गेंद को टॉप-राइट कॉर्नर में मारकर शानदार गोल किया। जमैका ने आत्मविश्वास के साथ अटैक करना जारी रखा, विंग्स से भातरीय डिफेंस को भेदते हुए और बड़ी आसानी से स्पेस का फायदा उठाया। डिक्सन ने मैच के 17वें मिनट में जमैका की बढ़त को लगभग दोगुना कर ही दिया था, लेकिन ग्रुरपीत ने बेहतरीन बचाव करते हुए भारत को मुकाबले में जिंदा रखा। जैसे-जैसे पहला हाफ आगे बढ़ा, भारत ने धीरे-धीरे अपने खेल पर पकड़ बनानी शुरू की। टीम ने कुछ अच्छे पास और बेहतर गेंद नियंत्रण दिखाया। हालांकि, आखिरी तीसरे हिस्से में टीम की आक्रमण क्षमता कमजोर रही और मौके बनाने में रचनात्मकता की कमी दिखी।

वैभव टी20 टीम के लिए तैयार पर अभी टेस्ट में शामिल नहीं कर सकते : गांगुली

कोलकाता। 15 साल के उभरते हुए बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी आईपीएल में अपनी धमाकेदार बल्लेबाजी के कारण छाये हुए हैं। वैभव ने जिस प्रकार से पिछले एक साल में लगातार अच्छा प्रदर्शन किया है। उससे उन्हें भारतीय टीम में शामिल करने की मांग उठने लगी है। वैभव ने आईपीएल से पहले अंडर-10 विश्वकप और घरेलू रणजी ट्रॉफी में भी अच्छी बल्लेबाज की थी। वैभव ने आईपीएल के 19 वें सत्र में 500 से अधिक रन बना दिये हैं। उनकी आक्रामक बल्लेबाजी और निडर होकर किसी भी गेंदबाज पर हावी होने की क्षमता को देखते हुए, कई दिग्गज क्रिकेटरों ने उन्हें भारतीय टीम में शामिल करने की मांग की है। विशेष रुप से टी20 प्रारूप में, जहां के लिए उनकी आक्रामक शैली सटीक है। वहीं भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सौरव गांगुली ने कहा है कि वैभव को भारतीय टी20 टीम में तो अभी शामिल किया जा सकता है पर टेस्ट टीम के लिए अभी उन्हें शामिल करना ठीक नहीं है। गांगुली के अनुसार वैभव को सभी इसके लिए इंतजार की जरुरत है। वैभव को राष्ट्रीय टीम में शामिल किये जाने के सवाल पर उन्होंने कहा कि टी20 प्रारूप में उन्हें बिना देर किए शामिल किया जाना चाहिए, क्योंकि उनका खेल इस प्रारूप की मांग के अनुरूप है पर जहां तक टेस्ट क्रिकेट की बात है इसके लिए अभी समय है। टेस्ट टीम में अपनी जगह बनाने के लिए, वैभव को अभी प्रथम श्रेणी क्रिकेट में और अधिक रन बनाने होंगे।

व्यापार समाचार प्रचार-प्रसार प्रकाशिकत हेतु संपर्क करे : 9806044444

एमेजॉन इंडिया ने अपने माहवारी स्वच्छता प्रोग्राम के अंतर्गत लगभग 500 महिला उद्यमियों को भारत के ग्राहकों तक पहुँचने में मदद करने के लिए तीन एम.ओ.यू पर हस्ताक्षर किए

नई दिल्ली। एमेजॉन ने विश्व माहवारी स्वच्छता दिवस से पहले पिंकीशी फाउंडेशन, शी एंड वी - वीमेन एंट्रप्रेन्योरशिप फाउंडेशन और वेदांशी फाउंडेशन के साथ मेमोरेंडम ऑफ अंडरस्टैंडिंग पर हस्ताक्षर किए हैं। इसका मकसद एमेजॉन के प्रयत्न प्रोग्राम के अंतर्गत एमेजॉन.इन के माध्यम से भारत के ग्राहकों तक पहुँचकर किफायती माहवारी हाईजीन प्रोडक्ट्स की उपलब्धता बढ़ाना है। प्रयत्न एमेजॉन इंडिया का एक सामुदायिक माहवारी स्वच्छता प्रोग्राम है, जिसका लक्ष्य जागरुकता बढ़ाना, किफायती हाईजीन प्रोडक्ट्स की उपलब्धता बढ़ाना और एमेजॉन की ऑपरेशंस साईट्स के पास महिलाओं द्वारा संचालित मैन्युफैक्चरिंग यूनिट्स द्वारा महिलाओं के लिए

एंट्रप्रेन्योरशिप के अवसरों का निर्माण करना है। ये नए सहयोग कंपनी के महिला उद्यमियों पर केंद्रित सेलर इनेबलमेंट प्रोग्राम, एमेजॉन सहेली द्वारा संभव हुए हैं। इसके साथ ही, 'प्रयत्न' प्रोग्राम के अंतर्गत लगभग 500 महिला उद्यमियों को ऑनबोर्डिंग, देश के ग्राहकों तक पहुँचने औश्र अपना बिजनेस बढ़ाने के लिए सपोर्ट मिलेगी। एमेजॉन इंडिया में डायरेक्टर, ऑपरेशंस, सलीम रफीक मेमन ने कहा, ''हम जिन समुदायों के बीच ऑपरेट करते हैं, उन्हें अपना योगदान देने में यकीन रखते हैं। प्रयत्न के माध्यम से हम माहवारी के दौरान स्वास्थ्य की जागरुकता बढ़ा रहे हैं। हाईजीन प्रोडक्ट उपलब्ध करा रहे हैं और महिलाओं द्वारा संचालित उद्यमों को सपोर्ट कर रहे हैं। हम एमेजॉन सहेली के माध्यम से पिंकीशी फाउंडेशन, शी एंड वी फाउंडेशन और वेदांशी फाउंडेशन के साथ सहयोग करके उत्साहित हैं। इससे महिला उद्यमियों को अपना बिजनेस बढ़ाने, भारत में ज्यादा ग्राहकों से कनेक्ट होने तथा अपने समुदायों में ज्यादा प्रभाव उत्पन्न करने में मदद मिलेगी।'' प्रत्यन के बारे में: इस प्रोग्राम के अंतर्गत महिला उद्यमी किफायती माहवारी हाईजीन प्रोडक्ट बनाती हैं, जिनमें बायोडिग्रेडेबल सैनिटरी पैड, मैटरनिटी पैड, पैंटी लाईनर्स, रियूजेबल क्लॉथ पैड और अन्य हाईजीन प्रोडक्ट शामिल हैं। उनकी मैन्युफैक्चरिंग यूनिट एमेजॉन की ऑपरेशन साईट्स के आसपास स्थित हैं। ये प्रोडक्ट वर्तमान में समुदायों और एमेजॉन के फुलफिलमेंट सेंटर्स में वितरित किए जाते हैं, ताकि माहवारी हाईजीन प्रोडक्ट्स की स्थानीय उपलब्धता बढ़े। इस एमओयू के बाद वो एमेजॉन.इन के माध्यम से पूरे भारत के ग्राहकों को उपलब्ध हो सकेंगे। इस प्रोग्राम के अंतर्गत एमेजॉन इंडिया बैंगलुरु और हैदराबाद में पार्टनर संगठनों द्वारा स्थापित तीन मैन्युफैक्चरिंग यूनिट्स को सपोर्ट करता है। इन यूनिट्स में लगभग 500 महिला उद्यमी मैन्युफैक्चरिंग, सेल्स और सामुदायिक जागरुकता की गतिविधियों के लिए काम करती हैं।

प्रयत्न के दायरे में माहवारी हैल्थ की जागरुकता, किफायती हाईजीन प्रोडक्ट्स की उपलब्धता, महिला उद्यमशीलता के अवसर और जवाबदेह माहवारी वेस्ट मैनेजमेंट शामिल है। साल 2025 में यह प्रोग्राम भारत के 14 शहरों और 130 से अधिक गाँवों की 270,000 महिलाओं और लड़कियों तक पहुँच चुका है। साल 2026 में 400,000 से अधिक महिलाओं और लड़कियों तक पहुँचने की योजना है।

सेल ने सीएसआर पहल के तहत स्मार्ट डिजिटल क्लासरूम के लिए एडसिल के साथ साझेदारी की

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र की इस्पात उत्पादक कंपनी स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल) ने अपनी कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व सीएसआर पहल के तहत 'स्मार्ट डिजिटल क्लासरूम' स्थापित करने के लिए एडसिल इंडिया लिमिटेड के साथ समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किया है। इस्पात मंत्रालय ने गुरुवार को जारी बयान में बताया कि देश की सार्वजनिक क्षेत्र की सबसे बड़ी इस्पात उत्पादक और महारत्न कंपनी, स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल) और शिक्षा मंत्रालय के तहत सार्वजनिक क्षेत्र की उपक्रम एडसिल इंडिया ने सेल के निगमित सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) के तहत समावेशी शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए 26 मई को समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए। मंत्रालय ने कहा कि सेल

और एडसिल के बीच इस समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर सेल के निदेशक (कार्मिक), के. के. सिंह की उपस्थिति में किया गया। इस अवसर पर सेल और एडसिल के वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे। इस समझौते के तहत सेल के परिचालन क्षेत्रों के आसपास स्थित स्कूलों में 'स्मार्ट डिजिटल क्लास रूम्स' स्थापित किए जाएंगे। इस्पात मंत्रालय ने बताया कि इस सहयोग का उद्देश्य समावेशी शिक्षा को बढ़ावा देना और सीखने के परिणामों (लर्निंग आउटकम्स) को और आगे ले जाना है। ये परियोजना सीधे तौर पर राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 और संयुक्त राष्ट्र के सस्टेनेबल विकास लक्ष्य-4 (एसडीजी-4) के उद्देश्यों के अनुरूप है, जिसका उद्देश्य अन्य बातों के साथ-साथ सभी के लिए समावेशी, न्यायसंगत, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और सीखने के अवसर सुनिश्चित करना है।

एलआईसी ने जीवन साथी ब्रांड के तहत दो नए उत्पादों को किया लॉन्च

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र की बीमा कंपनी भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) ने अपने बचत पोर्टफोलियो को मजबूत करने के प्रयासों के तहत दो नए बीमा उत्पादों एलआईसी के न्यू जीवन साथी (सिंगल प्रीमियम) और एलआईसी के न्यू जीवन साथी (लिमिटेड प्रीमियम) लॉन्च की है। ये दोनों प्लान 1 जून, 2026 से ग्राहकों के लिए उपलब्ध होंगे। भारतीय जीवन बीमा निगम के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) आर. दोराईस्वामी ने प्रबंध निदेशकों आर. चंदर, दिनेश पंत और रत्नाकर पटनायक के साथ मिलकर इन दो नए संयुक्त जीवन बीमा उत्पादों का शुभारंभ किया। एलआईसी ने विवाहित जोड़ों के लिए दो बेहद खास नए संयुक्त जीवन बीमा उत्पाद पेश किए हैं, उनमें न्यू जीवन साथी सिंगल प्रीमियम (प्लान 888) और न्यू जीवन साथी लिमिटेड प्रीमियम (प्लान 889) शामिल है। बीमा कंपनी ने जारी एक बयान में बताया कि ये दोनों प्लान नॉन-पार्टिसिपेटिंग, नॉन-लिंक्ड, व्यक्तिगत बचत प्लान हैं, जिन्हें विशेष रूप से विवाहित जोड़ों के लिए डिजाइन किया गया है। यह एक ही पॉलिसी के तहत लंबी अवधि की बचत और जीवन सुरक्षा को

एक साथ जोड़ते हैं। इसके लिए न्यूनतम मूल बीमा राशि 3 लाख रुपये है, जो 1 जून 2026 से ग्राहकों के लिए उपलब्ध होंगे।

इस पॉलिसी की योग्यता और शर्त : भारतीय जीवन बीमा निगम के इस पॉलिसी के लिए न्यूनतम प्रवेश आयु की सीमा 18 वर्ष तय की गई है। इसके लिए न्यूनतम सम एश्योर्ड (बीमा राशि) 3,00,000 रुपये है। एलआईसी ने इन नई पॉलिसियों में कुछ नवीनतम फीचर्स का भी समावेश किया है। इनमें सेवानिवृत्ति के बाद मिलने वाले लाभ, आकस्मिक बीमा कवर, और मानसिक स्वास्थ्य कवर को शामिल किया गया है। इनसे आपको न केवल वित्तीय सुरक्षा मिलेगी, बल्कि आपकी मानसिक स्वास्थ्य पर भी ध्यान दिया जाएगा।

इसके भुगतान का विवरण और लाभ: मैच्योरिटी या डेथ बेनिट की राशि को एकमुश्त लेने के बजाय 5, 10 या 15 साल की किश्तों (किश्तों) में भी लिया जा सकता है। इन नए प्लान का एक और मुख्य लाभ यह है कि यह आपको दोनों जीवनसाथियों के लिए बीमा कवर प्रदान करता है। इसका मतलब है यदि किसी एक जीवनसाथी की तबीयत खराब होती है या अनहोनी होती है, तो दूसरे को आर्थिक दिक्कतों का सामना नहीं करना पड़ेगा। यह आपके परिवार की सुरक्षा का एक महत्वपूर्ण पहलू है।

कम प्रीमियम, परिवार की सुरक्षा और आसान निवेश: एलआईसी की इन योजनाओं की एक खास बात यह है कि आपको इनकी प्रीमियम राशि बहुत किफायती मिलेगी।

जीवन बीमा कंपनी का लक्ष्य है कि इतनी सस्ती प्रीमियम पर भी आपको बेहतरीन सेवाएं प्रदान की जा सकें। यह खासकर युवा दंपत्तियों के लिए एक बड़ा आकर्षण है। इस योजना को चुनने से न केवल आपके जीवन साथी को कवर मिलेगा, बल्कि आपका परिवार भी सुरक्षित रहेगा। यह पॉलिसी एक आसान निवेश के रूप में भी काम करती है। जो लोग भविष्य में अपने बच्चों या अन्य परिवार के सदस्यों के लिए पूंजी जमा करना चाहते हैं, उनके लिए यह एक बेहतरीन अवसर है।

रेलवे समाचार

रेलवे इंस्टिट्यूट वैरिशा, रायपुर में आयोजित डब्ल्यू आर एस समर कैंप-2026 के अंतर्गत बालक एवं बालिका वर्ग हेतु बैडमिंटन प्रतियोगिता का सफल आयोजन किया गया

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)। रेलवे इंस्टिट्यूट वैरिशा, रायपुर में आयोजित डब्ल्यू आर एस समर कैंप-2026 के अंतर्गत बालक एवं बालिका वर्ग हेतु बैडमिंटन प्रतियोगिता का सफल आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में बच्चों ने पूरे उत्साह, अनुशासन एवं खेल भावना के साथ भाग लेकर अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित श्री निर्मल कुमार भंडारी, मुख्य कर्मशाला प्रबंधक, वैगन रिपेयर शॉप (वैरिशा) रायपुर ने बच्चों के साथ बैडमिंटन खेलकर उनका उत्साहवर्धन किया। बच्चों के बीच पहुँचकर उनके साथ खेलना सभी प्रतिभागियों के लिए अत्यंत प्रेरणादायक एवं यादगार क्षण रहा। श्री भंडारी ने बच्चों को संबोधित करते हुए कहा कि खेल केवल शारीरिक विकास का माध्यम नहीं, बल्कि अनुशासन, आत्मविश्वास और टीम भावना विकसित करने का भी श्रेष्ठ साधन है। उन्होंने बच्चों को खेलों में निरंतर भाग लेने एवं अपने कौशल को निखारने के लिए प्रेरित किया। बच्चों ने भी मुख्य कर्मशाला प्रबंधक महोदय के स्नेहपूर्ण व्यवहार एवं प्रोत्साहन के लिए उनका हृदय से धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित अभिभावकों एवं सदस्यों ने भी इस पहल की सराहना की। प्रतियोगिता का आयोजन रेलवे इंस्टिट्यूट वैरिशा, रायपुर द्वारा किया गया, जिसका उद्देश्य बच्चों में खेल प्रतिभा को प्रोत्साहित करना एवं स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की भावना विकसित करना है।

स्वास्थ्य समाचार

किचन में मौजूद ये चीजें खराब कर रही हैं आपकी तबियत

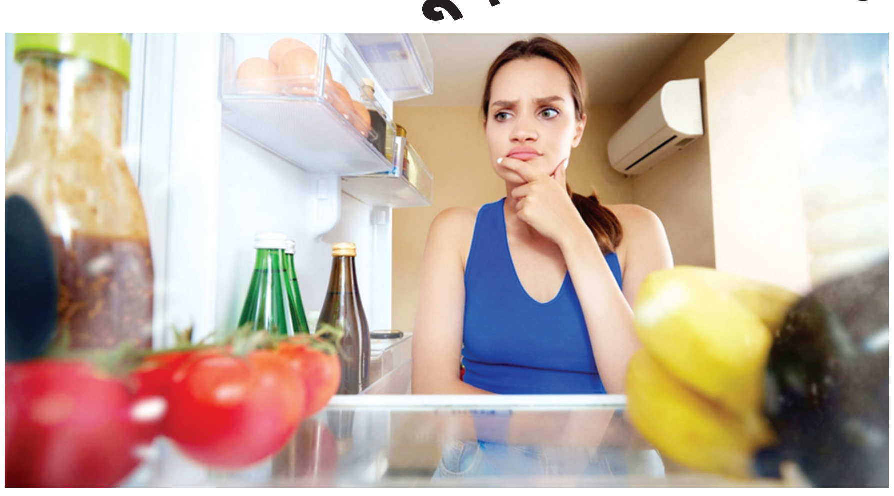

क्या आपने कभी सोचा है कि बाहर का खाना खाने से लोगों को क्यों मना किया जाता है? सबसे पहला कारण यह होता है कि ऐसा खाना हाइजीनिक नहीं होता, लेकिन कभी आपने सोचा है कि घर पर भी कुछ ऐसी चीजें होती हैं जिनके कारण हमारी सेहत पर गलत असर पड़ सकता है। अगर घर का खाना ही हमारी सेहत के बिगड़ने का कारण हो, तो क्या किया जाए? हमारे किचन में ऐसी कई चीजें होती हैं जिनके कारण हाइजीन इशू भी हो सकते हैं।

नॉन-स्टिक कुकवेयर

आजकल हर किचन में नॉन-स्टिक बर्तन मिल ही जाएंगे। इनमें खाना बनाने से यह चिपकता नहीं है और जलता भी नहीं है, लेकिन ये बर्तन हाई तापमान में खराब होने लगते हैं। आपने देखा होगा कि इस तरह के बर्तन भारी नहीं होते हैं और हाई तापमान में इनकी पीएफसी कोटिंग हटने लगती है। यह कोटिंग धीरे-धीरे खाने में जाती है और खाने के जरिए ये हमारे पेट में जाती है। इस कोटिंग के कारण लिवर में समस्या भी हो सकती है और कई तरह के डाइजेशन इशूज हो सकते हैं। ऐसे में अगर आपको यूज करना है, तो स्टेनलेस स्टील, कास्ट आयरन, ग्लास या फिर मिट्टी के बर्तनों को यूज करना ज्यादा सुरक्षित होगा।

एल्युमिनियम फॉइल

डॉक्टर दीक्षा के मुताबिक, यह फैक्ट डब्यूएचओ की रिपोर्ट में भी आ चुका है कि एल्युमीनियम से मानव शरीर को नुकसान ही पहुंचता है। एल्युमिनियम फॉइल में 2-5 एमजी एल्युमिनियम होता है जो सीधे कंजम्पशन में बहुत खराब हो सकता है। अगर बॉडी में एल्युमिनियम की मात्रा ज्यादा हो जाती है, तो खाने से जिंक को एब्जॉर्ब करने में शरीर असमर्थ होता जाता है। जिंक की वजह से दिमाग तेज होता है और बोन डेंसिटी को बेहतर बनाने के लिए भी यह अच्छा होता है। यही कारण है कि एल्युमिनियम फॉइल का इस्तेमाल कम करने को कहा जाता है। इसकी जगह साफ कॉटन का कपड़ा या फिर बटर पेपर इस्तेमाल किया जा सकता है जिससे खाना पैक करने में आसानी हो।

एल्युमीनियम के बर्तन

एल्युमीनियम के बर्तन बहुत सस्ते होते हैं, ये आसानी से साफ हो जाते हैं और हल्के भी होते हैं इसलिए खाना जल्दी बन जाता है। यही कारण है कि इन्हें बहुत चर्चित माना जाता है। पर दिक्कत यह भी है कि इनमें खाना बनाना सेहत के लिए बिल्कुल भी अच्छा नहीं होता। इन्हें धीमा जहर समझा जाए तो गलत नहीं होगा। डॉक्टर दीक्षा के मुताबिक, इनकी वजह से किडनी और लंग्स में समस्या हो सकती है। एल्युमीनियम के बर्तनों में खाना पकाने से एल्युमीनियम पार्टिकल्स भी खाने में चले जाते हैं और कुछ रिसर्च ऐसा भी मानती हैं कि ये कैंसर का कारण हो सकते हैं। एल्युमीनियम के बर्तनों की जगह आप लोहे या स्टेनलेस स्टील के बर्तनों का इस्तेमाल कर सकती हैं।

प्लास्टिक चॉपिंग बोर्ड

अगर आप अभी भी प्लास्टिक बोर्ड का इस्तेमाल कर रही हैं, तो इसे तुरंत अपने किचन से बाहर निकाल दें। प्लास्टिक चॉपिंग बोर्ड्स अगर गीले रह जाएं, तो उनमें बीमारी पैदा करने वाले कीटाणु आ जाते हैं। इनके कारण पेट में इन्फेक्शन से लेकर ब्लड इन्फेक्शन तक कई सारी बीमारियां हो सकती हैं। चॉपिंग बोर्ड का इस्तेमाल कर आप रोजाना अपने खाने में प्लास्टिक के छोटे-छोटे कण एड कर रही हैं। ऐसे कण जिनका इस्तेमाल है नहीं। प्लास्टिक चॉपिंग बोर्ड की जगह आपको वुडन चॉपिंग बोर्ड का इस्तेमाल करना चाहिए।

प्लास्टिक बॉटल और कंटेनर्स

प्लास्टिक की बॉटल्स में बिस्फेनॉल ए नामक केमिकल कम्पाउंड होता है। प्लास्टिक बॉटल और कंटेनर सभी बहुत नुकसानदेह होते हैं। इससे इम्यूनिटी पर बहुत असर पड़ता है। इससे हार्मोन्स में भी इम्बैलेंस हो सकता है जिसकी वजह से मोटापा बढ़ सकता है। हार्मोनल इम्बैलेंस के कारण स्किन से जुड़ी समस्याएं भी हो सकती हैं। प्लास्टिक कंटेनर में खाने को गर्म करने से भी कई तरह के टॉक्सिन रिलीज होते हैं और इससे इंसुलिन सेंसिटिविटी भी हो सकती है। यही कारण है कि प्लास्टिक कंटेनर और बॉटल आपको मोटा बना सकती है।

स्ट्रेस के कारण मेमोरी हो गई है खराब, इन टिप्स से मिलेगी मदद

आजकल की भागदौड़ भरी जिंदगी में हर दूसरा व्यक्ति तनाव से पीड़ित है। वहीं तनाव आपकी याददाश्त को प्रभावित करता है। इससे कॉग्निटिव फंक्शन पर काफी असर पड़ता है। पहले लोगों को बुढ़ापे में भूलने की बीमारी हुआ करती थी लेकिन आज नौजवानों को भी इसका सामना करना पड़ता है, इसके कारण लोगों का फोकस खराब होने लगता है, हर छोटी छोटी चीजें भूलने लगे हैं।

मेमोरी बूस्ट करने के लिए ये टिप्स अपनाएं

अगर आपकी मेमोरा खराब हो गई है तो आपको एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर फल, सब्जी या ड्राई फूड को डाइट में शामिल करना चाहिए।जैसे बेरीज, अखरोट, बादाम, संतरा वगैरह में एंटीऑक्सीडेंट की भरपूर मात्रा होती है यह ब्रेन सेल्स को बूस्ट करते हैं,बता दें कि एक उम्र के बाद ब्रेन सेल्स मरने लगते हैं। वहीं यह फ्री रेडिकल से भी बचाव करते हैं,न्यूरॉन टिशू पर ऑक्सीडेटिव तनाव को कम करते हैं जिसके परिणामस्वरूप कॉग्निटिव फंक्शन में सुधार हो सकता है। एक्सपर्ट के मुताबिक मेमोरी को बूस्ट करने के लिए आपको नट्स, सीड्स, एवोकाडो का सेवन करना चाहिए। सरसों और नारियल के तेल से कुकिंग करनी चाहिए, इनमें ओमेगा 3 फैटी एसिड और मोनोअनसैचुरेटेड एसिड होते हैं। इससे ऑक्सीडेटिव तनाव कम होता है,जिसे ब्रेन सेल्स हेल्दी होते हैं और आपके कॉग्निटिव फंक्शन में सुधार होता है। इसके अलावा कॉम्प्लेक्स कार्बोहाइड्रेट्स को भी डाइट में शामिल करना चाहिए। एक्सपर्ट बताती हैं कि मस्तिष्क की कोशिकाओं को अपनी ऊर्जा के लिए ग्लूकोज के एक स्थिर स्त्रोत की जरूरत होती है आपका दिमाग इसे स्टोर नहीं कर सकता है ऐसे में होल ग्रेन का सेवन करने से आपको मदद मिल सकती है।

पुलिस व प्रशासनिक अमले ने किया ब्लैक स्पॉट्स का औचक निरीक्षण

अंबिकापुर, प्रतिदिन राजधानी

सरगुजा जिले में लगातार हो रही आकस्मिक सड़क दुर्घटनाओं पर प्रभावी अंकुश लगाने के लिए पुलिस प्रशासन ने एक बड़ी पहल शुरू की है। डीआईजी एवं एसएसपी राजेश अग्रवाल (आईपीएस) के विशेष दिशा-निर्देशों पर अमल करते हुए अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अमोलक सिंह ढिल्लो ने प्रशासनिक टीम के साथ थाना मणिपुर और लखनपुर क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले हाईवे के खतरनाक 'ब्लैक स्पॉट्स' का बारीकी से निरीक्षण किया। इस संयुक्त निरीक्षण दल में हाईवे एसडीओ निखिल लकड़ा, आरटीओ अधिकारी बंटी द्विवेदी, पीडब्ल्यूडी के अधिकारी, यातायात प्रभारी उपनिरीक्षक विजय कैवर्त्य, मणिपुर थाना प्रभारी उपनिरीक्षक सीपी तिवारी और लखनपुर थाना प्रभारी सम्पत पोटाई मुख्य रूप से शामिल रहे।

निरीक्षण के दौरान अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ने संबंधित विभाग के अधिकारियों को सख्त लहजे में सुधारात्मक कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि हादसों को रोकने के लिए चिन्हित किए गए ब्लैक स्पॉट्स पर तत्काल रोड मार्किंग, परिवहन स्टॉपर, स्पीड ब्रेकर, रिफ्लेक्टिव सांकेतिक बोर्ड, परिवहन सावधानी बोर्ड, स्पीड मार्किंग, स्पीड लिमिट बोर्ड और जंक्शन दिशा-सूचक बोर्ड लगाए जाएं। इसके साथ ही, ग्रामीण क्षेत्रों में सुरक्षा व्यवस्था पुख्ता करने के लिए स्थानीय ग्राम पंचायतों से बेहतर समन्वय स्थापित कर दुर्घटना रोकने के सभी जरूरी कदम उठाने की बात कही गई है।

नाम परिवर्तन

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैं आयुषी चावड़ा पिता हितेश चावड़ा निवासी पहली मंजिल रत्नागिरी आर्केड, राजकुमार कालेज के सामने, जी.ई. रोड रायपुर (छ.ग.) 492001 यह शपथ करती हूं कि मैने अपना पुराना नाम को विवाहोपरांत त्याग कर नया नाम आयुषी अग्रवाल पति आदर्श अग्रवाल रख ली हूं। अत: आज से मुझे समस्त शासकीय, अर्धशासकीय व अन्य दस्तावेजों में मेरे नए नाम आयुषी अग्रवाल पति आदर्श अग्रवाल से ही जाना पहचाना जावे।

आयुषी अग्रवाल
पहली मंजिल रत्नागिरी आर्केड,
राजकुमार कालेज के सामने,
जी.ई. रोड रायपुर (छ.ग.)
492001

न्यायालय नायब तहसीलदार 8A रायपुर

मामले की श्रेणी: राजस्व

संदर्भ : जिला रायपुर तहसील-रायपुर प.ह.न.-00069 अमलीडीह ग्राम के नामांतरण पंजी में पंजीबद्ध प्रकरण क्रमांक-RD202526440725400227

ईश्तहार

तहसील रायपुर के प.ह.न. 00069 के अंतर्गत ग्राम अमलीडीह के वर्तमान भूमिस्वामी श्रीमती सरोज बाला कुलश्रेष्ठ पिता/पति-डी के कुलश्रेष्ठ पता-जगन्नाथ एंक्लेव महावीर नगर रायपुर के द्वारा धारित भूमि खसरा क्रमांक 126/142(0.0139) में प्रस्तावित भूमिस्वामी/क्रेता धवल कुलश्रेष्ठ, श्वेता कुलश्रेष्ठ पिता/पति-धनेन्द्र कुमार कुलश्रेष्ठ पता-अमलीडीह रायपुर छत्तीसगढ़, धनेन्द्र कुमार कुलश्रेष्ठ पिता/पति-ओमप्रकाश कुलश्रेष्ठ पता-अमलीडीह रायपुर छत्तीसगढ़ के नाम पर पंजीयन फ़ौती होने के उपरांत नामांतरण / अभिलेख दुरुस्ती / खाता विभाजन के लिए प्रकरण अधोहस्ताक्षरकर्ता के न्यायालय में पंजी विचाराधीन है। इस प्रकरण की सुनवाई दिनांक 12/06/2026 को समय सुबह 11 बजे स्थान न्यायालय न्यायालय नायब तहसीलदार 8A रायपुर पर की जावेगी।

उपरोक्त के संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति/संस्था को कोई दावा आपत्ति हो तो इश्तहार प्रकाशन उपरांत प्रकरण की आगामी सुनवाई के पूर्व या सुनवाई के समय अपना दावा आपत्ति स्वयं / अधिवक्ता / आममुख्त्यार के माध्यम से पेश कर सकते है। प्रकरण के सुनवाई के लिए निर्धारित तिथि के उपरांत प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 20/05/2026 को जारी किया जाता है।

मुहर

नायब तहसीलदार:
Jyoti Singh
रायपुर

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार रायपुर, जिला रायपुर (छत्तीसगढ़)

// ईश्तहार //

क्रमांक /../ अ-6/2025-26
रायपुर, दिनांक 14/05/2026
ग्राम फाफाडीह प.ह.नं. 48,
तहसील रायपुर, जिला रायपुर (छ.ग.)

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि, आवेदक असलम खान पिता जुम्मन खान निवासी - 2284 साहू पारा शिव मंदिर के सामने फाफाडीह रायपुर (छ.ग.) द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया गया है कि ग्राम फाफाडीह प.ह.नं. 48 रा.नि.म. रायपुर 06 तहसील व जिला रायपुर स्थित भूमि शीट नंबर 13 भूखण्ड क्रमांक 25/4 का भाग रकबा 1020 वर्गफुट भूमि को आवेदक द्वारा विक्रेतागण श्री चन्दन शर्मा पिता गिरवर प्रसाद शर्मा वगैरह निवासी फाफाडीह रायपुर से पंजीकृत विक्रय विलेख दिनांक 27/02/2026 को निष्पादित किया गया। आवेदक पंजीकृत विक्रय विलेख के आधार पर उक्त आवेदित भूमि में अपना नाम दर्ज किये जाने हेतु इस न्यायालय में आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है।

अत: आवेदक द्वारा प्रस्तुत आवेदन के संबंध में जिस किसी व्यक्ति / संस्था को दावा/आपत्ति प्रस्तुत करना हो वे नियत सुनवाई दिनांक 14/05/2026 तक स्वत: या अथवा वैध प्रतिनिधि के माध्यम से इस न्यायालय में उपस्थित होकर दावा/आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। नियत समयावधि के बाद प्राप्त दावा / आपत्ति पर न्यायालय द्वारा विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 25/5/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर से जारी किया गया।

मुहर

अतिरिक्त तहसीलदार
रायपुर (छत्तीसगढ़)

कार्यालय अधीक्षण अभियंता, लोक निर्माण विभाग, रायपुर मण्डल क्रमांक 2 (छत्तीसगढ़)

ई-प्रोक्युरमेंट निविदा सूचना
(प्रथम आमंत्रण)

दिनांक 26.05.2026

निम्नांकित कार्यों हेतु ऑनलाईन निविदा 'डी' एवं अधिक श्रेणी के ठेकेदारों के लिये आमंत्रित की जाती है। निविदा डाउनलोड करने की अंतिम तिथि दिनांक 15.06.2026 तक है।

एन.आई.टी क्र/ निविदा क्र.	कार्य का नाम	कार्य की अनुमानित लागत (लाख में)
1	2	3
NIT NO. 43 Tender No. 191697	धमतरी उपसंभाग के अंतर्गत गैर आवासीय भवनों का साधारण मरम्मत कार्य।	रू. 25.00 लाख
NIT NO. 44 Tender No. 191698	जिला धमतरी के अर्जुनी भानपुरी तरसीवां कुर्रा अमलीडीह हसदा मार्ग के कि.मी. 5/4 से 5/8 = 0.385 कि.मी. में नाली निर्माण कार्य।	रू. 49.44 लाख
NIT NO. 45 Tender No. 191699	जिला महासमुंद के उपसंभाग क्रमांक 02 महासमुंद अंतर्गत शासकीय आवासीय एवं गैर आवासीय भवनों का रंगाई पोताई एवं साधारण मरम्मत कार्य।	रू. 30.00 लाख
NIT NO. 46 Tender No. 191700	जिला महासमुंद के उपसंभाग पिथौरा अंतर्गत शासकीय आवासीय एवं गैर आवासीय भवनों का रंगाई पोताई एवं साधारण मरम्मत कार्य।	रू. 30.00 लाख
NIT NO. 47 Tender No. 191701	जिला महासमुंद के उपसंभाग सरायपाली अंतर्गत शासकीय आवासीय एवं गैर आवासीय भवनों का रंगाई पोताई एवं साधारण मरम्मत कार्य।	रू. 40.00 लाख

उपरोक्त निर्माण कार्यों की निविदा की सामान्य शर्ते, धरोहर राशि, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज व विभागीय वेबसाइट अन्य जानकारी ई-प्रोक्योरमेंट वेब पोर्टल https://eproc.cgstate.gov.in अथवा https://eproc.cgstate.gov.in से डाउनलोड की जा सकती है। (राशि रू. 100.00 के नान ज्यूडिशियल स्टाम्प पर निर्धारित प्रपत्र में शपथ-पत्र एवं न्यूनतम राशि रू. 10.00 के नान ज्यूडिशियल स्टाम पर एनेक्जर-3 का शपथ पत्र, बिड केपेसीटी उपलब्धता बाबत् जानकारी एवं अन्य जानकारी एनआईटी के 2.10 में संलग्न संशोधित प्रपत्रानुसार प्रस्तुत करें।)

निविदा में होने वाले समस्त संशोधन का प्रकाशन केवल उपरोक्त वेबसाइट पर किया जावेगा, पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशन नहीं किया जावेग, एवं निविदाकारो द्वारा प्रेषित मूल अभिलेख का लिफाफा में निविदाकारो का मोबाईल न. एवं इमेल आई.डी. का उल्लेख अनिवार्य रुप से करें।

अधीक्षण अभियंता,
लो.नि.वि., रायपुर मण्डल क्र. 2 (छ.ग.)

Credible Chhattisgarh विश्वसनीय छत्तीसगढ़
G-262701052/5
अपिकी थी चाह, हमने बनाई राह

तीन राज्यों में साइबर ठगी करने वाले 'म्यूल अकाउंट' गिरोह के चार आरोपित गिरफ्तार

अंबिकापुर, प्रतिदिन राजधानी

छत्तीसगढ़ के सरगुजा जिले में साइबर ठगों और फर्जी बैंक खाताधारकों के खिलाफ पुलिस ने एक बार फिर ताबड़तोड़ कार्रवाई की है। पुलिस ने एक बड़े 'म्यूल अकाउंट' (दूसरों के नाम पर खुले फर्जी खाते) नेटवर्क का भंडाफोड़ किया है। थाना गांधीनगर पुलिस ने साइबर ठगी की रकम खपाने के तीन अलग-अलग मामलों में तत्परता दिखाते हुए कुल चार आरोपितों को गिरफ्तार कर गुरुवार को न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया है। जांच में सामने आया है कि इन आरोपितों के बैंक खातों के जरिए देश के तीन अलग-अलग राज्यों से कुल एक लाख 44 हजार 200 रुपये की साइबर ठगी की रकम का लेनदेन (आहरण) किया गया था।

पहले मामले में गांधीनगर थाना प्रभारी और निरीक्षक प्रवीण कुमार द्विवेदी के नेतृत्व में पुलिस टीम ने दर्रीपारा अंबिकापुर के रहने वाले 25 वर्षीय अभय रक्सेल को गिरफ्तार किया है। आरोपित ने बैंक ऑफ महाराष्ट्र की अंबिकापुर शाखा में अपने नाम पर एक म्यूल अकाउंट खुलवाया था। इस खाते के खिलाफ उत्तर प्रदेश की साइबर पुलिस पोर्टल पर ऑनलाइन धोखाधड़ी की शिकायत दर्ज थी। जांच के दौरान पुलिस को पता चला कि साइबर ठगों द्वारा इस 'लेयर-1' खाते से 17,780 रुपये निकाले गए थे, जबकि खाते में मोटी रकम के कई अन्य संदिग्ध ट्रांजैक्शन भी पाए गए। पूछताछ में आरोपित ने कबूल किया कि उसने चंद रुपयों के लालच में अपना बैंक खाता और सिम कार्ड किसी अज्ञात व्यक्ति को बेच दिया था। पुलिस ने आरोपित के खिलाफ अपराध क्रमांक 313/2026 के तहत भारतीय न्याय संहिता (क्न्ह्स) की धारा 317(4), 318(4) और 3(5) के तहत मुकदमा दर्ज किया है।

इसी तरह के दूसरे मामले में पुलिस ने शिकारी रोड (उरांवपारा, बौरीपारा, अंबिकापुर) के रहने वाले अंबिका खलखो को धर दबोचा है। अंबिका खलखो के बैंक खाते और उससे जुड़े मोबाइल नंबर का इस्तेमाल बिहार राज्य के एक नागरिक से साइबर ठगी करने के लिए किया गया था। बिहार पुलिस की शिकायत और केंद्रीय साइबर पोर्टल से मिले इनपुट के बाद गांधीनगर पुलिस ने कार्रवाई की। इस खाते से करीब 31,420 रुपये की ठगी की रकम का आहरण किया गया था। आरोपित के खिलाफ थाना गांधीनगर में अपराध क्रमांक 314/2026 और बीएनएस की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर उसे जेल भेज दिया गया है। पूछताछ में इस आरोपित ने भी अपना खाता किसी दूसरे व्यक्ति को बेचना स्वीकार किया है। तीसरे और सबसे बड़े मामले में पुलिस ने दो शातिर आरोपितों को गिरफ्तार किया है, जिनके तार सीधे तेलंगाना राज्य से जुड़े हुए थे। पुलिस ने सरगवां (सकालो, सरगुजा) के निवासी 41 वर्षीय सरद हलदार और किशुननगर (सरगवां) के रहने वाले 25 वर्षीय राजा हलदार को गिरफ्तार किया है। इस मामले में सरद हलदार के नाम पर बैंक ऑफ महाराष्ट्र में खाता खुला था, जबकि राजा हलदार के नाम पर रजिस्टर्ड मोबाइल नंबर का इस्तेमाल उसे ऑपरेट करने के लिए किया जा रहा था।

भखारा शराब दुकान परिसर में युवक से लूट, तीन आरोपित गिरफ्तार

धमतरी। भखारा शराब दुकान परिसर में युवक से चाकू की नोक पर नगदी और मोबाइल लूटने वाले तीन आरोपितों को धमतरी पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए गिरफ्तार कर लिया है। घटना में प्रयुक्त धारदार चाकू एवं नगदी रकम भी पुलिस ने जब्त कर ली है, जबकि मामले में शामिल एक अन्य फरार आरोपित की तलाश लगातार जारी है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार 25 मई को पीड़ित अपने बड़े भाई के कहने पर शराब और डीजल खरीदने के लिए तीन हजार रुपये लेकर भखारा आया था। रात करीब आठ बजे जब वह भखारा शराब दुकान परिसर पहुंचा, तभी वहां पहले से मौजूद आरोपितों और एक विधि से संघर्षरत बालक ने उसे रोक लिया और पैसों की मांग करने लगे। पीड़ित द्वारा पैसे देने से इनकार करने पर आरोपित अंशुमन साहू ने धारदार चाकू निकालकर उसके गले पर अड़ा दिया।

दैनिक
प्रतिदिन राजधानी
आम आदमी का खास अखबार
के 25 वर्ष पूर्ण होने पर
आकर्षक ऑफर कम दर में
क्लासीफाईड विज्ञापन
प्रकाशित करें

✓ पब्लिक नोटिस
✓ आम सूचना
✓ कोर्ट नोटिस
✓ खरीदी बिक्री
✓ आवश्यकता

अखबार पढ़ने के लिए स्केन करे :-
VISIT US ON SCAN

संपर्क करें:-
शारदा चौक, रायपुर (छ.ग.)
9806044444
pratidincg@gmail.com
https://epaper.pratidinrajdhani.in

विज्ञापन एजेंसियां

मीतनिशा एडवरटाइजिंग
23, तीसरा माला रियो काम्पलेक्स, फ्रुट मार्केट के सामने
लालपुर, रायपुर (छ.ग.) मो. 98271-46567,93298-46567

ए.के. एडवरटाइजर्स
चिमन प्लाजा, लिबाज टेलर के बाजू तात्यापारा, रायपुर
मो. 9826145558, 07714028271

प्रेम प्रकाश मध्यानी एड एजेंसी
लक्ष्मी ड्रेसेस - कपूर होटल के सामने, श्याम नगर, रायपुर
मो. 93294-07988

एम्बेसी कारपोरेट प्रमोशन
13-14 तीसरा माला अशोका मिलेनियम, राजेन्द्र नगर रिंग नं.1,
रायपुर, मो. 99811-30300

खन्ना एडवरटाइजर्स
ए-5/2, शंकरनगर सेक्टर- I, केनरा बैंक वाली गली, रायपुर
मो. 98271-44343, 93001-60001 2524032

शिवम् पब्लिसिटी
नत्थानी बिल्डिंग बूढ़ापारा, रायपुर
फोन नं. 2539968, मो.-93291-00263

राजेश पब्लिसिटी
समता कॉलोनी, कृष्णा टॉकीज के पास, रायपुर
फोन नं. 4043063, मो-94252-08899, 99263-08899

प्रयास एडवरटाइजर्स
ग्राउंड फ्लोर 13, सत्य साईं प्लाजा, लेडिकल हॉस्पिटल,
पुराना बस स्टैंड के पास, शिव टाकीज रोड बिलासपुर,
रायपुर, द्वितीय तल श्याम प्लाजा, पंडरी शाप
मो. 98267-01259, 62642-74844

माँ एड एजेंसी
ग्राउण्ड फ्लोर, मंजीत टॉवर, रायपुरा चौक के पास, रायपुर
Website: www.maaadagency.com
मो. 78691-87165

रीवा सड़क हादसे में साध्वियों की मौत को लेकर जैन समाज में रोष

देशभर में मौन विरोध; पेंड्रा में सौंपा ज्ञापन

गौरेला-पेंड्रा-मरवाही, (प्रतिदिन राजधानी)

मध्यप्रदेश के रीवा जिले में जैन साध्वियों के साथ हुए सड़क हादसे ने पूरे देश के जैन समाज को झकझोर दिया है। इस घटना के विरोध में देशभर में जैन समाज द्वारा शांतिपूर्ण मौन प्रदर्शन और जागरण कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। गौरेला–पेंड्रा–मरवाही जिले में भी जैन समाज ने एकजुट होकर प्रशासन के समक्ष कड़ा विरोध दर्ज कराया और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की।

मालूम हो कि 20 मई को रीवा कलेक्ट्रेट के पास सड़क किनारे पद विहार कर रही तीन जैन साध्वियों को एक तेज रफ्तार कार ने पीछे से टक्कर मार दी थी। इस हादसे में आर्यिका श्री 105 श्रुतमति माताजी और आर्यिका श्री 105 उपशममति माताजी की मौत हो गई, जबकि एक अन्य साध्वी गंभीर रूप से घायल हो गईं। घटना के सीसीटीवी फुटेज देखने के बाद कई जैन संगठनों ने इसे केवल सड़क हादसा मानने से इनकार करते हुए साजिश की आशंका जताई है।

घटना के विरोध में पेंड्रा सहित गौरेला, खोड़री और आसपास के क्षेत्रों के जैन समाज के लोग बड़ी संख्या में एकत्र हुए। समाज के अध्यक्ष, पदाधिकारियों, महिलाओं और युवाओं ने जिला कलेक्टर और पुलिस अधीक्षक के नाम ज्ञापन सौंपकर इस मामले में त्वरित कानूनी कार्रवाई और आरोपियों को कठोर सजा देने की मांग की।

ज्ञापन में कहा गया कि देशभर में पद विहार कर रहे जैन मुनियों और साध्वियों की सुरक्षा को लेकर विशेष व्यवस्था की जानी चाहिए। समाज ने मांग उठाई कि धार्मिक यात्राओं के दौरान संतों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए स्थायी संत सुरक्षा प्रोटोकॉल लागू किया जाए, ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाएं दोबारा न हों।

जैन समाज के प्रतिनिधियों ने कहा कि साधु–संत समाज की अमूल्य धरोहर हैं और उनकी सुरक्षा केवल एक समुदाय नहीं, बल्कि पूरे समाज की जिम्मेदारी है।

प्रदर्शन के दौरान समाज के लोगों ने शांतिपूर्ण तरीके से मौन रखकर अपना विरोध दर्ज कराया।

ज्ञापन सौंपने के दौरान पेंड्रा, गौरेला, खोड़री और आसपास के क्षेत्रों से पहुंचे समाज के बड़ी संख्या में लोगों ने हस्ताक्षर कर प्रशासन से जल्द और उचित कार्रवाई की मांग की।

कोयला राज्यमंत्री दुबे ने सीएम साय से की मुलाकात

बिलासपुर, (प्रतिदिन राजधानी)

दक्षिण पूर्वी कोलफील्ड्स लिमिटेड के एक दिवसीय दौरे पर पहुंचे केंद्रीय कोयला एवं खान राज्यमंत्री सतीश चंद्र दुबे ने कंपनी के उत्पादन, सुरक्षा, डिजिटलीकरण और भविष्य की योजनाओं की विस्तृत समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने रायपुर में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय से भी मुलाकात कर कोयला क्षेत्र के विकास और राज्य की औद्योगिक संभावनाओं पर चर्चा की। बैठक में ऊर्जा सुरक्षा, कोल सेक्टर की आधारभूत संरचना, लॉजिस्टिक कनेक्टिविटी और औद्योगिक विकास जैसे मुद्दों पर विस्तार से बातचीत हुई। राज्य और केंद्र सरकार के समन्वय से विकास परियोजनाओं को गति देने और कोयला क्षेत्रों में रोजगार बढ़ाने पर विशेष जोर दिया गया।

एसईसीएल मुख्यालय में आयोजित समीक्षा बैठक में मंत्री ने कोयला उत्पादन, डिस्पैच, गुणवत्ता प्रबंधन, सुरक्षा उपाय, पर्यावरण संरक्षण, कोल गैसीफिकेशन, सीएसआर गतिविधियों और माइंस क्लोजर योजनाओं की जानकारी ली। बैठक में एसईसीएल के अध्यक्ष–सह–प्रबंध निदेशक हरीश दुहन सहित वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि सुरक्षित और टिकाऊ खनन को बढ़ावा देना जरूरी है। उन्होंने आधुनिक तकनीक के अधिक उपयोग और कार्यक्षमता में लगातार सुधार पर बल दिया। उन्होंने एसईसीएल की उत्पादन, गुणवत्ता और पर्यावरण संरक्षण से जुड़ी पहलों की सराहना भी की।

सीएमडी दुहन ने बताया कि चालू वित्तीय वर्ष 2026–27 में कोल इंडिया के 100 मिलियन टन उत्पादन लक्ष्य में एसईसीएल ने अब तक 26.86 मिलियन टन का सबसे बड़ा योगदान दिया है। दौरे के दौरान केंद्रीय मंत्री ने दो डिजिटल पोर्टल ई–डाडास और हॉस्पिटल मैनेजमेंट एंड इंफॉर्मेशन सिस्टम का उद्घाटन किया। ई–डाडास पोर्टल के जरिए डिजाइन और ड्रॉइंग की ऑनलाइन मंजूरी प्रक्रिया डिजिटल होगी, जबकि एचएमआईएस पोर्टल एसईसीएल अस्पतालों में मरीजों के रिकॉर्ड और स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने में मदद करेगा।

मजदूर की बेटी को सुशासन तिहार में मिली 20 हजार की मदद

बिलासपुर, (प्रतिदिन राजधानी)

आर्थिक तंगी से जूझते परिवारों में अक्सर बेटियों की पढ़ाई सबसे पहले प्रभावित होती है, लेकिन कुदुदंड की रहने वाली शिवांगी के लिए सुशासन तिहार उम्मीद की नई किरण बनकर सामने आया। मुख्यमंत्री नोनी सशक्तिकरण सहायता योजना के तहत उसे 20 हजार रुपये की आर्थिक सहायता मिली है, जिससे अब उसकी पढ़ाई का रास्ता आसान होता नजर आ रहा है।

मंगला में आयोजित समाधान शिविर में श्रम विभाग की ओर से शिवांगी को सहायता राशि का चेक प्रदान किया गया। यह राशि महापौर पूजा विधानी, तखतपुर

विधायक धर्मजीत सिंह और बेलतरा विधायक सुशांत शुक्ला ने सौंपा। शिवांगी एक साधारण मजदूर परिवार से आती है। उसके माता–पिता दिहाड़ी मजदूरी कर परिवार का पालन–पोषण करते हैं। सीमित आय के कारण घर की जरूरतें पूरी करना ही मुश्किल होता रहा है। ऐसे हालात में कॉलेज की फीस, किताबें और अन्य शैक्षणिक खर्च जुटाना परिवार के लिए बड़ी चुनौती बन गया था। शिवांगी ने बताया कि कई बार आर्थिक परेशानियों के चलते पढ़ाई बीच में छोड़ने का विचार भी आया, लेकिन उसने अपने सपनों को टूटने नहीं दिया। अब सरकार की योजना से मिली सहायता ने उसे नया आत्मविश्वास दिया है। उसने कहा कि यह सिर्फ आर्थिक मदद नहीं, बल्कि आगे बढ़ने का हौसला है। इस सहायता से वह भविष्य को मजबूत बना पाएगी।

चेक मिलने के बाद शिवांगी के चेहरे पर खुशी साफ नजर आई। उसने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के प्रति आभार जताते हुए कहा कि सरकार की यह पहल मजदूर परिवारों की बेटियों को शिक्षित और आत्मनिर्भर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है।

केंद्रीय मंत्री साहू ने की कुमारस्वामी से मुलाकात

बिलासपुर, (प्रतिदिन राजधानी)

केंद्रीय आवास एवं शहरी कार्य राज्य मंत्री तोखन साहू ने नई दिल्ली में केंद्रीय भारी उद्योग एवं सार्वजनिक उपक्रम मंत्री एच.डी. कुमारस्वामी से शिष्टाचार मुलाकात की। इस दौरान दोनों नेताओं के बीच औद्योगिक विकास, सार्वजनिक उपक्रमों की भूमिका और विकसित भारत के विजन जैसे मुद्दों पर चर्चा हुई।

बैठक में आत्मनिर्भर भारत अभियान, आधुनिक आधारभूत संरचना निर्माण और देश के औद्योगिक विस्तार को लेकर विचार–विमर्श किया गया। साथ ही जनहित और समसामयिक विषयों पर भी सकारात्मक संवाद हुआ।

साहू ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी की विचारधारा राष्ट्र प्रथम, अंत्योदय' और सबका साथ, सबका विकास के मूल मंत्रों पर आधारित है। इन्हीं सिद्धांतों के जरिए समाज के अंतिम व्यक्ति तक विकास का लाभ पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि एच.डी. कुमारस्वामी के प्रशासनिक अनुभव और विकास दृष्टि से उन्हें कई विषयों पर नई प्रेरणा और सकारात्मक दिशा मिली है।

शेयर बाजार और कर्ज के जाल में फंसे पोस्ट ऑफिस कर्मचारी ने किया 19 लाख का गबन, गिरफ्तार

जांजगीर-चांपा, (प्रतिदिन राजधानी)

शेयर बाजार में लगातार नुकसान और बढ़ते कर्ज ने अकलतरा पोस्ट ऑफिस के एक कर्मचारी को गबन के रास्ते पर धकेल दिया। खाताधारकों की जमा रकम में 19 लाख 21 हजार रुपये की हेराफेरी के आरोप में सहायक पोस्टमास्टर संदीप कुमार मिरी को पुलिस ने गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया है। मामले का खुलासा पोस्ट ऑफिस में वित्तीय अनियमितताओं की शिकायतों के बाद हुआ। संयुक्त जांच टीम ने जांच शुरू की तो पता चला कि अकलतरा पोस्ट ऑफिस में पदस्थ सहायक

पोस्टमास्टर संदीप कुमार मिरी ने चार अलग-अलग खाताधारकों के खातों से रकम निकालकर गबन किया। पुलिस जांच में सामने आया कि आरोपी लंबे समय से शेयर बाजार में ट्रेडिंग कर रहा था। लगातार घाटे के कारण वह भारी कर्ज में डूब गया था। उस पर विभिन्न बैंकों और डाक विभाग से लिए गए ऋण सहित 20 लाख रुपये से ज्यादा की देनदारी थी। पूछताछ में आरोपी ने स्वीकार किया कि वह वर्ष 2021 से शेयर बाजार में निवेश कर रहा था। नुकसान बढ़ने के बाद उसने ग्राहकों के नाम पर फर्जी खाते खोलकर रकम निकालनी शुरू कर दी। पुलिस ने आरोपी के पास से दो मोबाइल फोन और 'ग्रो' तथा 'एंजेल वन' ट्रेडिंग एप से जुड़े डिमैट खाते के दस्तावेज जब्त किए हैं। जांच में यह भी पता चला कि आरोपी करीब 40 लाख रुपये शेयर बाजार में गंवा चुका था।

पिकअप की टक्कर, बाइक सवार युवक की मौत, दूसरा गंभीर

अंबिकापुर, (प्रतिदिन राजधानी)

सरगुजा जिले के दरिमा थाना क्षेत्र में बुधवार दोपहर एक सड़क हादसे में बाइक सवार युवक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उसका साथी गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसा दरिमा स्थित गैस एजेंसी के सामने हुआ, जहां तेज रफ्तार पिकअप ने गैस सिलेंडर लेकर जा रहे बाइक सवारों को टक्कर मार दी।

प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक दोनों युवक बाइक पर गैस सिलेंडर लेकर जा रहे थे। इसी दौरान सामने से आ रही तेज रफ्तार पिकअप ने बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि दोनों युवक सड़क पर दूर जा गिरे। हादसे में एक युवक ने मौके पर ही दम

तोड़ दिया, जबकि दूसरा गंभीर रूप से घायल हो गया।

घटना की सूचना मिलते ही दरिमा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घायल युवक को तत्काल अस्पताल पहुंचाया। वहीं मृतक के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। पुलिस के अनुसार मृतक और घायल युवक की पहचान फिलहाल नहीं हो सकी है। फरार पिकअप चालक की तलाश की जा रही है। पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है।

मोर गांव मोर पानी महाअभियान: 497 लूज बोल्डर चेक डैम बनेंगे

अम्बिकापुर, (प्रतिदिन राजधानी)

जिले में भू–जल संवर्धन एवं जल संरक्षण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से मनरेगा अंतर्गत ''मोर गांव मोर पानी महाअभियान'' के तहत व्यापक स्तर पर कार्य प्रारंभ किए गए हैं। कलेक्टर अजीत बंसत के निर्देशन तथा जिला पंचायत सीईओ विनय कुमार अग्रवाल के मार्गदर्शन में जिले के सभी 7 विकासखंडों अम्बिकापुर, लुण्ड्रा, सीतापुर, बतौली, मैनपाट, उदयपुर एवं लखनपुर में कुल 497 लूज बोल्डर चेक डैम निर्माण कार्य स्वीकृत किए गए हैं। इन संरचनाओं का मुख्य उद्देश्य वर्षा जल का अधिकतम संचयन कर भू–जल पुनर्भरण को बढ़ावा देना है।

नालों में निर्मित किए जा रहे लूज बोल्डर चेक डैम वर्षा जल को रोककर उसके ठहराव समय को बढ़ाएंगे, जिससे अधिक से

अधिक पानी का जमीन में रिसाव हो सकेगा तथा भू–जल स्तर में वृद्धि सुनिश्चित होगी। बरसात के मौसम में बहकर व्यर्थ जाने वाले पानी को गांव में ही रोककर स्थानीय जल स्त्रोतों को रिचार्ज होने में सहायता मिलेगी। साथ ही नालों के तेज बहाव को नियंत्रित कर पहाड़ी क्षेत्रों में होने वाले मिट्टी कटाव को भी रोका जा सकेगा।

इन संरचनाओं के पूर्ण होने से क्षेत्र में भू–जल स्तर ऊपर आएगा तथा गर्मी के मौसम में सूखने वाले हैंडपंपों एवं कुओं में वर्षभर पानी की उपलब्धता बनी रहेगी। कृषि भूमि को रबी एवं ग्रीष्मकालीन फसलों के लिए अतिरिक्त जल उपलब्ध होगा। वहीं निर्माण कार्यों से रोजगार सृजन भी हो रहा है, जिससे ग्रामीण श्रमिकों को उनके निवास के समीप ही मनरेगा के तहत रोजगार उपलब्ध कराया जा रहा है। जिले में स्वीकृत 497 कार्यों में से 253 स्थानों पर निर्माण कार्य प्रगतिरत हैं तथा 139 लूज बोल्डर चेक डैम पूर्ण किए जा चुके हैं। लूज बोल्डर चेक डैम कम लागत वाली टिकाऊ संरचनाएं हैं, जो स्थानीय स्तर पर उपलब्ध पत्थरों से निर्मित की जाती हैं।

यह केवल जल संरक्षण की संरचना नहीं बल्कि ग्रामीण क्षेत्रों के लिए ''वाटर रिचार्ज बैंक'' का कार्य करती हैं। पूर्व में निर्मित लूज बोल्डर चेक डैम काफी प्रभावी सिद्ध हुए हैं। मानसून पूर्व अधिकतम लूज बोल्डर चेक डैम पूर्ण करने का लक्ष्य रखा गया है, ताकि इस वर्ष की वर्षा का अधिकतम जल संचयन सुनिश्चित किया जा सके।

मतदान दिवस पर अवकाश घोषित

सूरजपुर, 27 मई। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी रेना जमील ने नगर पंचायत शिवनन्दनपुर के आम निर्वाचन 2026 तथा त्रिस्तरीय पंचायत उप निर्वाचन 2026 के लिए मतदान दिवस सोमवार, 01 जून को संबंधित निर्वाचन क्षेत्रों में सार्वजनिक एवं सामान्य अवकाश घोषित किया है। यह आदेश छत्तीसगढ़ शासन के सामान्य प्रशासन विभाग, मंत्रालय नवा रायपुर द्वारा जारी निर्देशों के परिपालन में जारी किया गया है।

शिवनन्दनपुर नगर पंचायत में होगा मतदान

नगर पंचायत शिवनन्दनपुर के 15 वार्डों में अध्यक्ष एवं पार्षद पद के लिए 01 जून को मतदान कराया जाएगा। निर्वाचन क्षेत्र अंतर्गत स्थित सभी शासकीय कार्यालयों एवं संस्थानों में इस दिन अवकाश रहेगा।

एमएस सिंह देव अंडर-16 पिंक बॉल क्रिकेट टूर्नामेंट में रोमांचक मुकाबले

अंबिकापुर, (प्रतिदिन राजधानी)

सरगुजा जिला क्रिकेट संघ द्वारा आयोजित एम एस सिंह देव अंडर–16 पिंक बॉल क्रिकेट टूर्नामेंट 2026 में मंगलवार को गांधी स्टेडियम ग्राउंड पर दो रोमांचक मुकाबले खेले गए। फ्लडलाइट और पिंक बॉल के साथ खेले गए मैचों में युवा खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन कर दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया।

पहले मुकाबले में सरगुजा रॉयल ने अजबनगर फाइटर को 48 रन से हराया। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए सरगुजा रॉयल ने निर्धारित 20 ओवर में 142 रन बनाए। टीम की ओर से त्रयम्बकेश्वर सिंह ने शानदार 63 रन और गगन बोस ने 35 रन की उपयोगी पारी खेली। जवाब में अजबनगर फाइटर की टीम 94 रन पर सिमट गई। गेंदबाजी में युग गोयल और रोहित ने 3–3 विकेट झटके।

शानदार बल्लेबाजी के लिए त्रयम्बकेश्वर सिंह को मैन ऑफ द मैच चुना गया।

दूसरे मैच में रेस्ट ऑफ सरगुजा ब्लू ने सीडब्लूआरडी को रोमांचक मुकाबले में अंतिम ओवर में हराया। पहले बल्लेबाजी करते हुए सीडब्लूआरडी ने 9 विकेट पर 115 रन बनाए। गौरव ने 22 और लकी ने 23 रन का योगदान दिया। जवाब में रेस्ट ऑफ सरगुजा ब्लू ने लक्ष्य आखिरी ओवर में हासिल कर लिया। रूद्र अभिषेक ने 25 और स्वास्तिक केशरी ने 22 रन बनाए। सीडब्लूआरडी की ओर से आयांश द्विवेदी और सनी ओझा ने 3–3 विकेट लिए। शानदार गेंदबाजी के लिए आयांश द्विवेदी को मैन ऑफ द मैच घोषित किया गया। आयोजकों के अनुसार यह देश का पहला अंडर–16 पिंक बॉल क्रिकेट टूर्नामेंट है, जिसमें फ्लडलाइट के बीच रात्रिकालीन मुकाबले खेले जा रहे हैं। इससे युवा खिलाड़ियों को आधुनिक क्रिकेट परिस्थितियों का अनुभव मिल रहा है।

आईजी दीपक कुमार झा ने किया स्वैच्छिक रक्तदान

अम्बिकापुर (प्रतिदिन राजधानी)

राजमाता देवेंद्र कुमारी सिंहदेव शासकीय मेडिकल कॉलेज संबद्ध चिकित्सालय, अंबिकापुर स्थित ब्लड सेंटर में जरूरतमंद मरीजों हेतु रक्त की सतत एवं पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से भारतीय रेडक्रॉस सोसायटी, जिला शाखा सरगुजा द्वारा निरंतर स्वैच्छिक रक्तदान जागरूकता अभियान संचालित किया जा रहा है। अभियान के माध्यम से समाज के विभिन्न वर्गों, विशेषकर युवाओं एवं जागरूक नागरिकों से नियमित रूप से रक्तदान हेतु आगे आने की अपील की जा रही है, ताकि किसी भी जरूरतमंद मरीज को रक्त के अभाव का सामना न करना पड़े।

इसी क्रम में सरगुजा के आईजी दीपक कुमार झा ने ब्लड सेंटर में रक्त की सतत उपलब्धता बनाए रखने हेतु संचालित अभियान की जानकारी प्राप्त होने पर स्वयं आगे आकर स्वैच्छिक रक्तदान किया। उनकी इस संवेदनशील एवं प्रेरणादायी पहल ने सरगुजा संभाग सहित पूरे प्रदेश में सकारात्मक एवं मानवीय संदेश प्रसारित किया है।

पुलिस महानिरीक्षक श्री झा ने रक्तदान के माध्यम से यह संदेश दिया कि सामाजिक सरोकारों एवं मानव सेवा के कार्यों में समाज के प्रत्येक सक्षम नागरिक की सहभागिता अत्यंत आवश्यक है। उनका यह कार्य प्रशासनिक दायित्वों के साथ मानवीय संवेदनशीलता, सामाजिक उत्तरदायित्व एवं जनसेवा के प्रति समर्पण का उत्कृष्ट उदाहरण माना जा रहा है। इस अवसर पर उन्होंने आमजन से अपील करते हुए कहा कि रक्तदान ऐसा महादान है।

प्रतिदिन राजधानी

रायपुर, शुक्रवार 29 मई 2026

https://epaper.pratidinrajdhani.in

देश का सबसे लंबा सी-ब्रिज: 6 घंटे का सफर अब सिर्फ 45 मिनट में, खंभात की खाड़ी पर बनेगा नया पुल

- **अटल सेतु का टूटेगा रिकॉर्ड, 30 किमी लंबा होगा नया समुद्री पुल**
- **भावनगर और सूरत के बीच 240 किलोमीटर कम हो जाएगी दूरी**
- **व्यापार, सेमीकंडक्टर हब और पर्यटन को मिलेगा जबरदस्त बढ़ावा**

नई दिल्ली/गांधीनगर। गुजरात के इंफ्रास्ट्रक्चर इतिहास में एक नया और सुनहरा अध्याय जुड़ने जा रहा है। केंद्र सरकार ने सौराष्ट्र और दक्षिण गुजरात के करोड़ों लोगों को यातायात की लंबी परेशानी से निजात दिलाने के लिए एक महत्वाकांक्षी योजना को मंजूरी दे दी है। केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय (MoRTH) खंभात की खाड़ी पर एक शानदार और अत्याधुनिक सी-ब्रिज (समुद्री पुल) बनाने जा रहा है। यह पुल प्रस्तावित जामनगर-भावनगर-भरूच हाई-स्पीड कॉरिडोर का एक प्रमुख हिस्सा होगा।

सिर्फ 45 मिनट में पूरा होगा 6 घंटे का सफर

वर्तमान में, भावनगर से भरूच या सूरत जाने के लिए लोगों को बगोदरा या वडोदरा होते हुए लंबा रास्ता तय करना पड़ता है। इस सफर में लगभग 7 से 8 घंटे का समय लगता है। लेकिन, 'पीएम गति शक्ति प्रोजेक्ट' के तहत प्रस्तावित लगभग 30 किलोमीटर लंबे इस नए एक्सप्रेसवे और सी-ब्रिज के बनने के बाद यह दूरी

सिमट कर मात्र 45 मिनट से 1 घंटे रह जाएगी। इस प्रोजेक्ट से भावनगर और सूरत के बीच की दूरी 240 किलोमीटर कम हो जाएगी, जिससे वाहन चालकों के करोड़ों रुपये के ईंधन की बचत होगी।

व्यापार और रोजगार को मिलेगा बूस्टर डोज

यह प्रोजेक्ट केवल सफर का समय ही नहीं बचाएगा, बल्कि गुजरात की अर्थव्यवस्था के लिए गेम-चेंजर भी साबित होगा। इससे मुख्य रूप से तीन बड़े फायदे होंगे:

अलंग शिप ब्रेकिंग यार्ड: भावनगर स्थित अलंग यार्ड और आस-पास के उद्योगों के लिए माल ढुलाई (लॉजिस्टिक्स) के खर्च में भारी कमी आएगी।

सेमीकंडक्टर हब कनेक्टिविटी: यह नया रूट धोलेरा सेमीकंडक्टर हब को सीधे दक्षिण गुजरात के हजीरा और अंकलेश्वर जैसे प्रमुख औद्योगिक क्षेत्रों से जोड़ देगा।

पर्यटन का विकास: सौराष्ट्र के प्रसिद्ध धार्मिक स्थल जैसे सोमनाथ और द्वारका अब दक्षिण गुजरात के पर्यटकों की पहुंच के और भी करीब आ जाएंगे।

टूटेगा मुंबई के 'अटल सेतु' का रिकॉर्ड

मौजूदा समय में भारत का सबसे लंबा सी-ब्रिज मुंबई का 'अटल सेतु' है, जिसकी लंबाई 21.8 किलोमीटर है। लेकिन खंभात की खाड़ी पर बनने वाला यह नया 6-लेन हाई-स्पीड ब्रिज लगभग 30 किलोमीटर लंबा होगा। इसके पूरा होते ही यह देश का सबसे लंबा सी-ब्रिज बन जाएगा। यह नया एक्सप्रेसवे सूरत के पास के औद्योगिक इलाकों और दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे को आपस में सीधे कनेक्ट करेगा।

क्या है प्रोजेक्ट का मौजूदा स्टेटस?

सरकार ने इस प्रोजेक्ट पर काम तेज कर दिया है। विस्तृत प्रोजेक्ट रिपोर्ट (DPR) तैयार करने के लिए एजेंसियों से बोलियां (बिड) मंगाने की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। इस डीपीआर के माध्यम से मरीन इको-सिस्टम, हाइड्रोलॉजिकल सर्वे, जमीन अधिग्रहण और पर्यावरण मंजूरी समेत सभी तकनीकी पहलुओं का गहराई से अध्ययन किया जाएगा। रिपोर्ट के फाइनल होते ही ग्राउंड लेवल पर निर्माण कार्य शुरू करने के लिए टेंडर जारी कर दिए जाएंगे।

मुक्तेश्वर में तेंदुए का हमला:

आइवीआरआइ कर्मचारी जख्मी, लोगों में दहशत

भवाली। मुक्तेश्वर में तेंदुए ने आइवीआरआइ कर्मचारी पर हमला कर उसे जख्मी कर दिया। इससे क्षेत्र में दहशत का माहौल है। लोगों ने वन विभाग से क्षेत्र में गश्त की मांग की है।

जानकारी के अनुसार आइवीआरआइ में तैनात सुखदेव परिसर से बाजार की ओर जा रहे थे। इसी बीच शीतला मोटर मार्ग पर स्कूटी से जाते वक्त उन पर एक तेंदुए ने हमलाकर दिया। शोर करने से तेंदुआ जंगल की ओर भाग गया, लेकिन हमले में सुखदेव के सीने व अन्य जगह तेंदुए के नाखून लग गए।

मार्ग के स्ट्रीट लाइट लगाने की मांग

नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र में सुखदेव ने अपना इलाज कराया। स्थानीय लोगों के अनुसार उक्त मार्ग जंगल से घिरा है। इसलिए हमेशा यहां जंगली जानवरों का भय रहता है। उन्होंने प्रशासन से उक्त मार्ग के स्ट्रीट लाइट लगाने की मांग की है।

आरवीआरआइ के फारेस्ट रेंजर भूपेंद्र सिंह परिहार ने बताया कि परिसर के एक कर्मचारी पर तेंदुए के हमले की सूचना मिली है। घायल व्यक्ति का इलाज कर रहे चिकित्सकों ने बताया कि घायल व्यक्ति के सीने में चोट का निशान है। तेंदुए के हमले की पुष्टि के लिए जांच की जा रही है।

मुस्लिम महिलाओं के अधिकारों पर NCW की सिफारिश, केंद्र को सौंपी रिपोर्ट; तलाक कानून में सुधार की मांग

नई दिल्ली। राष्ट्रीय महिला आयोग (NCW) ने मुस्लिम महिलाओं के अधिकारों को मजबूत करने के लिए मुस्लिम पर्सनल लॉ में बड़े सुधारों की सिफारिश की है। आयोग ने कहा है कि मौजूदा व्यवस्था में कई खामियां हैं, जिससे महिलाओं को बराबरी और न्याय पाने में मुश्किल होती है।

एनसीडब्ल्यू ने 'राइट्स ऑफ मुस्लिम वुमेन इन इंडिया' नाम से अपनी विस्तृत रिपोर्ट गृह मंत्रालय, महिला एवं बाल विकास मंत्रालय और अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय को सौंपी है। यह रिपोर्ट देशभर में हुई चर्चाओं और सलाह-मशविरे के बाद तैयार की गई है।

आयोग ने कहा कि मुस्लिम पर्सनल लॉ को स्पष्ट और एकीकृत कानून के रूप में लागू करने की

जरूरत है, ताकि महिलाओं को संविधान में मिले समानता, गरिमा और न्याय के अधिकार पूरी तरह मिल सकें।

अलग-अलग व्याख्याओं से महिलाओं को परेशानी

एनसीडब्ल्यू के अनुसार, कानून स्पष्ट न होने के कारण अलग-अलग जगहों पर अलग तरीके से नियम लागू होते हैं। इससे महिलाओं को न्याय पाने में परेशानी होती है और लंबे कानूनी विवाद खड़े हो जाते हैं।

रिपोर्ट में कहा गया कि बाल विवाह, असमान विरासत, बहुविवाह और तत्काल तीन तलाक जैसी प्रथाओं के असर अब भी अलग-अलग रूप में देखने को मिलते हैं। आयोग का कहना है कि कानूनों को संविधान के अनुच्छेद 14, 15 और 21 के अनुरूप बनाया जाना चाहिए।

आयोग ने कहा कि पर्सनल लॉ संविधान के समानता और गरिमा जैसे मूल्यों से अलग नहीं रह सकते और मुस्लिम महिलाओं को भी दूसरे नागरिकों की तरह पूरा संवैधानिक संरक्षण मिलना चाहिए।

आयोग की प्रमुख सिफारिशें

एनसीडब्ल्यू ने शादी, तलाक, गुजारा भत्ता, बच्चों की कस्टडी और विरासत से जुड़े मुस्लिम पर्सनल लॉ को एक व्यापक कानून के तहत लाने की सिफारिश की है। रिपोर्ट में कहा गया है कि मुस्लिम विवाह का अनिवार्य पंजीकरण हो, बाल विवाह पर पूरी तरह रोक लगे और तलाक की प्रक्रिया में महिलाओं को बराबरी और न्याय मिले। साथ ही मेहर और वैवाहिक संपत्ति में महिलाओं के अधिकार मजबूत किए जाएं।

आयोग ने महिलाओं के लिए कानूनी सहायता, हेल्पलाइन और जागरूकता अभियान बढ़ाने की भी सिफारिश की है। इसके अलावा 'पारो' जैसी शोषणकारी प्रथाओं पर तुरंत रोक लगाने और पीड़ित महिलाओं के पुनर्वास की मांग की गई है।

2025 में हुई थी बड़ी बैठक

आयोग ने 1 अगस्त 2025 को नई दिल्ली में एक उच्चस्तरीय गोलमेज बैठक आयोजित की थी। इसमें केंद्रीय अल्पसंख्यक कार्य मंत्री, कानूनी विशेषज्ञ, शिक्षाविद, महिला अधिकार संगठन, धार्मिक विद्वान और सामाजिक कार्यकर्ताओं ने हिस्सा लिया था। बैठक में मुस्लिम महिलाओं से जुड़े कानूनों की समीक्षा, उनकी कमियों और सुधार के सुझावों पर चर्चा हुई। आयोग ने कहा कि मौजूदा कानूनों के लागू होने में कई जगह गंभीर कमियां हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि मुस्लिम पर्सनल लॉ अभी तक पूरी तरह संहिताबद्ध नहीं है। अभी यह मुख्य रूप से 1937 के मुस्लिम पर्सनल लॉ (शरीयत) एप्लीकेशन एक्ट और कुछ अन्य अलग-अलग कानूनों के आधार पर चलता है।

सरकार से जल्द कार्रवाई की मांग

एनसीडब्ल्यू ने केंद्र सरकार और सभी संबंधित पक्षों से इन सिफारिशों को जल्द लागू करने की अपील की है। आयोग का कहना है कि इससे मुस्लिम महिलाओं को न्याय और सामाजिक-आर्थिक सुरक्षा बेहतर तरीके से मिल सकेगी।

राजस्थान के 5 सीमावर्ती जिलों में सुरक्षा को लेकर नया प्लान तैयार, किसी भी काम के लिए DM और SP की अनुमति जरूरी

जयपुर। भारत-पाकिस्तान अंतरराष्ट्रीय सीमा से सटे जिलों में सुरक्षा बढ़ाने, घुसपैठ रोकने, मादक पदार्थों एवं अवैध हथियारों की तस्करी रोकने के साथ ही जनसांख्यिकी घनत्व को बनाए रखने के लिए विस्तृत कार्य योजना तय की गई है।

अब अंतरराष्ट्रीय सीमा से सटे 50 किलोमीटर क्षेत्र में कोई भी निर्माण कार्य संबंधित जिलों के कलक्टर एवं पुलिस अधीक्षकों की अनुमति से हो सकेगा। अंतरराष्ट्रीय सीमा के 15 किलोमीटर के दायरे में आने वाले सभी तरह के निर्माण कार्य अगले दो माह में ध्वस्त किए जाएंगे।

सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ), पुलिस और जिला प्रशासन की ओर से पिछले दिनों तैयार की गई रिपोर्ट के अनुसार अंतरराष्ट्रीय सीमा से सटे राज्य के श्रीगंगानगर, बाड़मेर, जैसलमेर, बीकानेर एवं फलौदी जिलों में 15 किलोमीटर के दायरे में आ रहे करीब 26 हजार पुराने निर्माण हैं, जिन्हें अगले दो माह में हटाया जाएगा।

दो दिन पहले तय की गई थी गाइडलाइन

वहीं, दो दिन पहले केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह की बीकानेर में सीमा सुरक्षा को लेकर बीएसएफ, गृह मंत्रालय, राज्य पुलिस

महानिदेशक, मुख्य सचिव, पांच जिलों के कलक्टरों एवं पुलिस अधीक्षकों की बैठक में तय की गई गाइडलाइन की पालना शुरू कर दी गई है। सूत्रों के अनुसार जिला प्रशासन ने उपखंड अधिकारियों एवं थाना अधिकारियों से सीमावर्ती क्षेत्र में हुए संदिग्ध निर्माणों की सूची मांगी है।

थाना अधिकारियों एवं तहसीलदारों से उनके प्रभार वाले क्षेत्रों में किसी भी नए व्यक्ति अथवा परिवार के रहने की सूचना की जानकारी उच्च स्तर पर देने के लिए कहा गया है। इसके बाद उच्च स्तर से मिले निर्देश के अनुसार कार्रवाई हो सकेगी।

सीमावर्ती पांच जिला कलक्टरों एवं पुलिस अधीक्षकों ने अंतरराष्ट्रीय सीमा से सटे 184 गांवों का दौरा करने का कार्यक्रम तय किया है। सीमावर्ती क्षेत्रों में विभिन्न बैंकों के म्यूल खातों एवं खाताधारकों की जानकारी एकत्रित कर उनके खिलाफ कार्रवाई करने की भी योजना बनाई गई है।

पांच सौ करोड़ से ज्यादा खर्च होंगे

राज्य के पांच जिलों के सीमावर्ती 184 गांवों में विकास पर 550 करोड़ रुपये खर्च होंगे। इसके तहत सड़क, पानी, बिजली, शिक्षा, चिकित्सा सहित अन्य सुविधाएं मुहैया करवाई जाएगी। केंद्र सरकार ने वाइब्रेंट विलेज कार्यक्रम-2 के तहत सीमावर्ती गांवों में विकास कार्य करवाने की योजना बनाई है।

राजस्थान सरकार भी अपनी ओर से विकास कार्य करवाएगी। सड़क से जहां ग्रामीणों को सुविधा मिलेगी, वहीं सुरक्षा बलों एवं स्थानीय प्रशासन की आवाजाही सुगम हो सकेगी। सीमावर्ती गांवों में बिजली की सुविधा होने से संदिग्धों पर नजर रखना आसान होगा।

ममता बनर्जी को बड़ा झटका:

डॉ. शांतनु सेन ने TMC के राष्ट्रीय प्रवक्ता पद से दिया इस्तीफा

- **आरजी कर और 'कैश फॉर जॉब' जैसे मामलों का दिया हवाला, कहा- अनैतिक घटनाओं और भ्रष्टाचार के कारण जनता ने पार्टी को नकारा**

नई दिल्ली। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) को एक बड़ा राजनीतिक झटका लगा है। पार्टी के वरिष्ठ नेता और राज्यसभा के पूर्व सांसद डॉ. शांतनु सेन ने टीएमसी के राष्ट्रीय प्रवक्ता पद से इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री और पार्टी अध्यक्ष ममता बनर्जी को अपना इस्तीफा भेजा है। डॉ. सेन ने पद छोड़ने के पीछे मौजूदा राजनीतिक परिस्थितियों और पार्टी से जुड़े हालिया विवादों को मुख्य कारण बताया है।

'मौजूदा हालात में पार्टी का बचाव करना संभव नहीं'

डॉ. शांतनु सेन ने अपने इस्तीफे में लिखा है कि मुश्किल वक्त में भी उन्होंने पार्टी का मजबूती से पक्ष रखा था। उन्होंने लिखा, "भले ही कई मुश्किल मौकों पर मैं उनके (पार्टी के) विचारों से सहमत नहीं था, फिर भी मैंने मीडिया में कई विवादित मुद्दों पर पार्टी के लिए खुलकर लड़ाई लड़ी है। इसके लिए आम लोगों ने अक्सर मेरी तारीफ भी की है।" हालांकि, उन्होंने साफ शब्दों में कहा कि मौजूदा हालात ऐसे हो गए हैं कि अब उनके लिए पार्टी का बचाव करना संभव नहीं रह गया है।

जनता के फैसले का कर रहे हैं सम्मान

अपने पत्र में डॉ. सेन ने बंगाल में हुए हालिया विवादों का भी खुलकर जिक्र किया। उन्होंने आरजी कर केस, अभया केस और 'कैश फॉर जॉब' (नौकरी के बदले पैसे) जैसे भ्रष्टाचार के मामलों का उल्लेख किया। उन्होंने स्पष्ट कहा कि इन अनैतिक घटनाओं और भ्रष्टाचार की वजह से बंगाल की जनता ने पार्टी को पूरी तरह नकार दिया है। जनता के इसी फैसले का सम्मान करते हुए उन्होंने पार्टी के अखिल भारतीय प्रवक्ता पद से हटने का निर्णय लिया है।

ममता बनर्जी से की इस्तीफा स्वीकारने की अपील

डॉ. शांतनु सेन ने ममता बनर्जी से अपील की है कि वे उनके इस्तीफे को स्वीकार करें और उनके फैसले का सम्मान करें। राजनीतिक जानकारों के अनुसार, शांतनु सेन का यह कदम टीएमसी के लिए एक बड़ा झटका है, क्योंकि वह लंबे समय से टीवी डिबेट्स, मीडिया और सार्वजनिक मंचों पर पार्टी की ढाल बनकर मजबूती से अपनी बात रखते आए थे।

अजमेर में चलती कार बनी आग का गोला, कांग्रेस नेता समेत परिवार के चार लोगों की जिंदा जलकर मौत

- **अस्पताल जाते समय हुआ दर्दनाक हादसा**
- **मरने वालों में पूर्व सरपंच, उनकी मां, पत्नी और भतीजी शामिल**

नई दिल्ली/अजमेर। राजस्थान के अजमेर जिले में गुरुवार सुबह एक दिल दहला देने वाला हादसा सामने आया है। अजमेर से करीब 60 किलोमीटर दूर बोराडा थाना क्षेत्र में एक चलती स्कॉर्पियो (एसयूवी) अचानक आग का गोला बन गई। इस दर्दनाक घटना में स्थानीय कांग्रेस नेता और पूर्व सरपंच रामसिंह चौधरी समेत

उनके परिवार के चार सदस्यों की जलकर मौत हो गई।

हादसा सुबह करीब 5.30 बजे काशीर और बोराडा गांवों के बीच हुआ। जानकारी के अनुसार, रामसिंह चौधरी की मां और पूर्व सरपंच पूसी देवी ने सुबह सीने में दर्द की शिकायत की थी। इसी के चलते रामसिंह उन्हें अस्पताल ले जा रहे थे। गाड़ी में उनके साथ उनकी पत्नी और भतीजी महिमा भी मौजूद थीं। रास्ते में चलते समय अचानक वाहन में आग भड़क उठी और कुछ ही पलों में आग ने पूरी गाड़ी को अपनी चपेट में ले लिया। आग इतनी तेजी से फैली कि किसी को भी बाहर निकलने का मौका नहीं मिला। दमकल वाहन के पहुंचने तक गाड़ी पूरी तरह जलकर राख हो चुकी थी। पुलिस के अनुसार, तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई थी, जबकि चौथे व्यक्ति ने अस्पताल ले जाते समय दम तोड़ दिया।

कनाडा में लूट का विरोध करने पर गुजराती छात्रा की चाकू मारकर हत्या

- **नियाग्रा में पढ़ाई कर रही 22 वर्षीय विधि पर सरेआम हमला, पुलिस ने आरोपी को किया गिरफ्तार**

नई दिल्ली। कनाडा के नियाग्रा में लूटपाट का विरोध करने पर गुजरात के बोरसद (आनंद जिला) की 22 वर्षीय छात्रा विधि कल्पेशकुमार मेघा की चाकू मारकर हत्या कर दी गई।

चार साल पहले पढ़ाई के लिए कनाडा गई विधि वहां वर्क परमिट की तैयारी कर रही थी। 15 मई को जब वह घर से बाहर जा रही थी, तब सार्वजनिक स्थान पर एक व्यक्ति ने लूट के इरादे से उस पर

धारदार चाकू से हमला कर दिया। लहूलुहान हालत में स्थानीय लोग उसे तुरंत अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना के बाद कनाडाई पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।

गोरखपुर में बिजली कनेक्शन के लिए घूस लेने वाला जेई निलंबित, जांच में हुई पुष्टि

गोरखपुर। सहजनवां खंड के पाली उपकेंद्र के घूसखोर जेई सुशील कुमार को निलंबित कर दिया गया है। उन पर ईंट भट्ठा की पांच पोल की बिजली लाइन बनाने के नाम पर 50 हजार रुपये घूस लेने का आरोप है। रुपये लेने के बाद जेई ने पोल की जगह बांस-बल्ली पर कनेक्शन दे दिया।

रुपये वापस न मिलने पर उपभोक्ता ने जेई की बाइक पाली उपकेंद्र परिसर में जंजीर के सहारे पेड़ में बांध दी थी। दैनिक जागरण ने इस खबर को प्रमुखता से प्रकाशित किया था।

इसके बाद ग्रामीण वितरण मंडल द्वितीय के अधीक्षण अभियंता दीपक कुमार ने जांच कमेटी का गठन किया था। जेई को विद्युत परीक्षण खंड द्वितीय के कार्यालय से संबद्ध किया गया है।

यह है मामला

सहजनवा तहसील के पाली विद्युत उपकेंद्र में आने वाले ग्राम पंचायत उसरी में महेंद्र पाल सिंह का ईंट भट्ठा संचालित होता है। ईंट भट्ठा पर बिजली कनेक्शन के लिए विभाग में चक्कर काटते रहे लेकिन बिजली नहीं जुड़ी। किसी ने नहीं सुनी तो लाइनमैन के जरिये अवर अभियंता से संपर्क किया।

आरोप है कि जेई सुशील कुमार गुप्ता ने पांच पोल व तार लगाने के लिए 50 हजार रुपये की रिश्वत मांगी। 18 जनवरी को जेई को रिश्वत की रकम दे दी गई लेकिन लाइन नहीं बनी। काफी दबाव बनाने पर जेई ने करीब

ढाई सौ मीटर दूरी पर बांस-बल्ली पर केबिल के सहारे चार किलो वाट का कनेक्शन लगवा दिया। लेकिन पोल और तार नहीं लगाया।

कुछ दिन पहले जानवरों के टक्कर मारने केबल टूट गया और आसपास करंट फैलने लगा। किसी तरह लाइन जुड़वाकर महेंद्र पाल सिंह ने रुपये वापस देने या पोल लगाने का दबाव बनाया। आरोप है कि जेई ने कनेक्शन काटने की धमकी दी।

11 मई को शिकायतकर्ता पाली उपकेंद्र पहुंचे और यहां जेई की बाइक को पेड़ के सहारे जंजीर से बांध दिया। इसके बाद जेई ने जनसुविधा केंद्र से 40 हजार रुपये निकालकर वापस किए। विद्युत माध्यमिक कार्यखंड के एक अभियंता पर जांच कमेटी पर कार्रवाई न करने का दबाव भी बनाया गया।

आडियो व वीडियो बना आधार

जांच कमेटी को 4:18 मिनट का आडियो और एक वीडियो मिला। इसमें घूसखोरी की पुष्टि हो गई। आरोप है कि जेई झटपट पोर्टल पर कनेक्शन पेंडिंग रखते हैं और जनप्रतिनिधियों का भी फोन काल रिसीव नहीं करते हैं।

शिकायत थी कि बिना रुपये लिए जेई कोई काम नहीं करते हैं। शिकायत के बाद पिछले वर्ष दिसंबर में उन्हें गंगटही उपकेंद्र से हटाकर पाली उपकेंद्र में तैनाती दी थी। लेकिन यहां भी उनकी कार्यप्रणाली में कोई सुधार नहीं हुआ। जांच टीम ने दैनिक जागरण में प्रकाशित खबर को जांच में सही बताया। इससे पहले सहजनवा खंड के अधिशासी अभियंता राघवेंद्र कुमार सिंह ने भी जेई की कार्यप्रणाली के बारे में अधीक्षण अभियंता को सूचना दी थी।

प्रतिदिन राजधानी

रायपुर, शुक्रवार 29 मई 2026

https://epaper.pratidinrajdhani.in

तकनीक, पारदर्शिता और गरीब कल्याण- यही है डबल इंजन सरकार की पहचान-वित्त मंत्री

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार गरीब कल्याण और सुशासन को मजबूत करने की दिशा में लगातार ऐतिहासिक निर्णय ले रही है। इसी क्रम में केंद्रीय कैबिनेट ने राशन परिवहन, हैंडलिंग एवं पीडीएस ऑटोमेशन सहायता योजना (SARTHAK-PDS) को एकीकृत अम्ब्रेला योजना के रूप में जारी रखने की मंजूरी दी है। वित्त मंत्री चौधरी ने इस महत्वपूर्ण निर्णय के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह योजना देश की सार्वजनिक वितरण प्रणाली (PDS) को और अधिक पारदर्शी, तकनीक–सक्षम एवं प्रभावी बनाएगी। अगले पांच वर्षों में इस योजना पर लगभग 25,530 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। आधुनिक तकनीकों के उपयोग से राशन वितरण प्रणाली में पारदर्शिता चौधरी ने कहा कि‚ढ्ढ, ल्ह्रक्र-, त्तक्र कोड जैसी आधुनिक तकनीकों के उपयोग से राशन वितरण प्रणाली में पारदर्शिता

बढ़ेगी और पात्र हितग्राहियों तक खाद्यान्न एवं जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ तेजी और सुगमता से पहुंचेगा। इससे भ्रष्टाचार पर अंकुश लगेगा और जरूरतमंद लोगों को समय पर लाभ मिलना सुनिश्चित होगा। सरकार का लक्ष्य अंतिम व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचाना वित्त मंत्री ने कहा कि डबल इंजन सरकार का लक्ष्य अंतिम व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचाना है और SARTHAK-PDS योजना इस दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित होगी।

पर्यटन के जरिए नई पहचान गढ़ेगा छत्तीसगढ़- सीएम साय

छत्तीसगढ़ की वास्तविक सुंदरता और सांस्कृतिक समृद्धि को दुनिया के सामने लाना हमारा उद्देश्य

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ अब देश के पर्यटन मानचित्र पर अपनी नई पहचान गढ़ने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। पर्यटन को उद्योग का दर्जा मिलने, निवेश अनुकूल नीतियों और राज्य सरकार की दृढ़ इच्छाशक्ति के कारण प्रदेश में पर्यटन एवं हॉस्पिटैलिटी सेक्टर में निवेश की संभावनाएं लगातार मजबूत हो रही हैं। इसी कड़ी में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय आज अपने निवास कार्यालय में पर्यटन को बढ़ावा देने, पर्यटक सुविधाओं के विकास एवं विस्तार तथा हॉस्पिटैलिटी सेक्टर में निवेश को लेकर आयोजित उच्चस्तरीय बैठक में शामिल हुए। बैठक में देश की प्रतिष्ठित इंडियन होटल्स कंपनी लिमिटेड के प्रतिनिधियों सहित शासन के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने बैठक में कहा कि छत्तीसगढ़ उत्तर से दक्षिण तक नैसर्गिक विरासत की अमूल्य धरा है, जहां नदियां, पहाड़, घने जंगल, जलप्रपात, समृद्ध

आदिवासी संस्कृति और जनजातीय परंपराएं छत्तीसगढ़ को विशिष्ट पहचान प्रदान करती हैं।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि राज्य सरकार का उद्देश्य दुनिया को छत्तीसगढ़ की वास्तविक सुंदरता, सांस्कृतिक समृद्धि और प्राकृतिक विविधता से परिचित कराना है। उन्होंने कहा कि पर्यटन को उद्योग का दर्जा दिए जाने से हॉस्पिटैलिटी सेक्टर में निवेश की संभावनाएं तेजी से बढ़ी हैं और पर्यटकों के लिए बेहतर ठहराव, परिवहन तथा आधुनिक सुविधाओं के विकास के माध्यम से छत्तीसगढ़ को आकर्षक पर्यटन गंतव्य बनाया जा सकता है।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि राज्य में लगातार निवेश प्रस्ताव प्राप्त हो रहे हैं और इसी क्रम में इंडियन होटल्स कंपनी लिमिटेड द्वारा छत्तीसगढ़ में निवेश की इच्छा जताई गई है, जो प्रदेश के पर्यटन क्षेत्र के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण साबित होगी। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के निवेश से पर्यटन अधोसंरचना मजबूत होगी और स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार एवं स्वरोजगार के नए अवसर निर्मित होंगे।

बैठक के दौरान इंडियन होटल्स कंपनी लिमिटेड के प्रतिनिधियों ने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के समक्ष अपने निवेश प्रस्ताव के महत्वपूर्ण बिंदु साझा किए और बताया कि कंपनी छत्तीसगढ़ में हॉस्पिटैलिटी सेक्टर में लगभग 500 करोड़ रुपये से अधिक निवेश की योजना पर कार्य कर रही है, जिसे शीघ्र आगे बढ़ाया जाएगा। कंपनी के प्रतिनिधियों ने कहा कि इस निवेश से प्रदेश में पर्यटन अधोसंरचना मजबूत होगी और रोजगार के नए अवसरों का सृजन होगा।

वित्त मंत्री ओ पी चौधरी ने कहा कि राज्य सरकार ने निवेश के लिए अनुकूल वातावरण तैयार किया है तथा सभी आवश्यक अनुमतियों की प्रक्रिया को सरल, पारदर्शी और समयबद्ध बनाया गया है। बैठक में यह भी बताया गया कि पर्यटन को उद्योग का दर्जा मिलने के बाद हॉस्पिटैलिटी सेक्टर में निवेश के रास्ते व्यापक रूप से खुले हैं। राज्य सरकार पर्यटन क्षेत्र को आधुनिक अधोसंरचना, उच्चस्तरीय सुविधाओं और निवेश प्रोत्साहन नीतियों के माध्यम से विकसित करने की दिशा में विशेष पहल कर रही है। प्रदेश की बेहतर मानसूनी परिस्थितियां, समृद्ध प्राकृतिक संपदा और निवेश अनुकूल नीति पर्यटन विकास के लिए मजबूत आधार तैयार कर रही हैं। बैठक में उद्योग विभाग के अधिकारियों ने निवेश प्रोत्साहन नीति तथा उपलब्ध इंसेंटिव्स की विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि यदि कोई निवेशक 500 करोड़ रुपये से अधिक निवेश करता है अथवा 1000 से अधिक लोगों को रोजगार उपलब्ध कराता है, तो उसे 'बी–स्पोक पॉलिसी' के तहत अतिरिक्त प्रोत्साहन एवं विशेष लाभ प्रदान किए जाएंगे। साथ ही पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए आधारभूत संरचना, सड़क संपर्क, आवासीय सुविधाओं तथा पर्यटक सेवाओं को मजबूत करने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

बैठक में छत्तीसगढ़ पर्यटन मंडल के अध्यक्ष नीलू शर्मा, मुख्य सचिव विकास शील, मुख्यमंत्री के प्रमुख सचिव सुबोध कुमार सिंह, वित्त सचिव डॉ. रोहित यादव, निवेश आयुक्त ऋतु सेन, मुख्यमंत्री के सचिव राहुल भगत, उद्योग सचिव रजत कुमार, पर्यटन विभाग सचिव डॉ. एस. भारतीदासन सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारीगण उपस्थित थे।

गहने लेकर नवविवाहिता हुई गायब

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

राजधानी रायपुर से एक हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है. लव मैरिज के दो महीने बाद ही दुल्हन सोने–चांदी के जेवर और 50 हजार कैश लेकर फरार हो गई. पति का आरोप है कि वह अपने बॉयफ्रेंड के साफ भाग गई है. अब पीड़ित परिवार ने पुलिस में शिकायत को लेकर पहुंचा है. जानकारी के मुताबिक, पूरा मामला डीडी नगर थाना क्षेत्र का है. 6 महीने के रिलेशनशीप के बाद युवती और युवक 20 मार्च को शादी के बंधन में बंधे. सात जन्मों तक साथ निभाने का वादा किया गया. नवविवाहिता लापता हो गई. जिसके बाद पति गगन साहू ने पुलिस थाना में शिकायत दर्ज कराने पहुंचा।

योजनाओं की जमीनी हकीकत जानने शिवतराई पहुंचे प्रमुख सचिव

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

पीएम जनमन आवास हितग्राही से मुलाकात कर ली योजनाओं से लाभ की जानकारी पीएम जनमन आवास हितग्राही से मुलाकात कर ली योजनाओं से लाभ की जानकारी प्रदेश शासन के प्रमुख सचिव सोनमणि बोरा ने अचानकमार टाइगर रिजर्व क्षेत्र अंतर्गत शिवतराई पहुंचकर पीएम जनमन योजना के तहत संचालित गतिविधियों का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने पीवीटीजी परिवारों से संवाद कर शासन की योजनाओं के जमीनी क्रियान्वयन और लाभ की वास्तविक स्थिति जानी। प्रमुख सचिव बोरा ने पीएम जनमन आवास योजना के हितग्राही रामसिंह बैगा से मुलाकात कर उन्हें मिल रही शासकीय

सुविधाओं की जानकारी ली। उन्होंने राशन कार्ड, आधार कार्ड, बैंक खाता, आवास योजना सहित विभिन्न योजनाओं के लाभ के संबंध में विस्तार से चर्चा करते हुए हितग्राही से सीधे फीडबैक प्राप्त किया। इस दौरान रामसिंह बैगा ने स्वयं सर्वे सेतु पीवीटीजी परिवार सर्वे कार्यक्रम का बटन दबाकर प्रक्रिया में सहभागिता निभाई। उन्होंने बताया कि शासन की योजनाओं से उनके परिवार के जीवन में सकारात्मक बदलाव आया है। अब उन्हें जरूरी दस्तावेजों और मूलभूत सुविधाओं का लाभ सहजता से मिल रहा है। रामसिंह बैगा ने पीएम जनमन योजना के तहत पक्का आवास मिलने पर खुशी जाहिर करते हुए शासन के कहा कि पहले कच्चे घर और मूलभूत की कमी के कारण काफी परेशानियां होती थीं, लेकिन अब पक्का आवास मिलने से परिवार को सुरक्षित और बेहतर जीवन मिला है।

भैरव सोसाइटी में योग एवं बाल संस्कार शिविर का दूसरा दिन संगठन और एकता के संदेश के साथ संपन्न

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

रायपुर। भारतीय योग संस्थान दिल्ली की रायपुर शाखा भैरव सोसाइटी योग परिवार में आयोजित पाँच दिवसीय निःशुल्क योग एवं बाल संस्कार शिविर के दूसरे दिन बच्चों एवं अभिभावकों को 卐संगठन में शक्ति卐 का प्रेरणादायक संदेश दिया गया। शिविर का वातावरण उत्साह, अनुशासन एवं सामूहिक ऊर्जा से परिपूर्ण रहा।

शिविर में बच्चों को अनेक सरल उदाहरणों एवं प्रेरणादायक कहानियों के माध्यम से समझाया गया कि संगठन और एकता से ही घर, परिवार, समाज एवं देश मजबूत बनते हैं। बच्चों को बताया गया कि जैसे एक बैल अकेले बैलगाड़ी नहीं चला सकता, उसी प्रकार अकेला व्यक्ति बड़े कार्यों को सफल नहीं बना सकता। एक हाथ से ताली नहीं बज सकती, लेकिन दोनों हाथ मिलकर मधुर ध्वनि उत्पन्न

करते हैं। इसी प्रकार जब परिवार, समाज एवं देश के लोग मिलकर कार्य करते हैं, तभी सफलता, शांति एवं विकास संभव होता है।

प्रशिक्षकों ने बच्चों को खेल–खेल में संगठन की गतिविधियाँ कराईं, जिसमें समूह बनाकर कार्य करना, एक–दूसरे की सहायता करना, अनुशासन में रहना एवं सामूहिक निर्णय लेने जैसी क्रियाएँ शामिल रहीं। इन गतिविधियों के माध्यम से बच्चों ने एकता, सहयोग एवं टीम भावना का महत्व सीखा। इस अवसर पर बड़ों एवं अभिभावकों को भी परिवार में सामंजस्य बनाए रखने के महत्वपूर्ण सूत्र बताए गए। उन्हें समझाया गया कि परिवार में प्रेम, संवाद, धैर्य, सम्मान एवं त्याग की भावना ही घर को सुखी एवं संगठित बनाती है। बड़े यदि अपने व्यवहार में सरलता एवं अपनापन रखें, तो बच्चे स्वतः अच्छे संस्कारों को अपनाते हैं।

शिविर में बच्चों एवं उपस्थित लोगों को योगासन, प्राणायाम, सूर्य नमस्कार एवं ध्यान का अभ्यास भी कराया गया। योग के माध्यम से शरीर, मन एवं विचारों में संतुलन बनाए रखने की प्रेरणा दी गई। पूरे सत्र में बच्चों ने अत्यंत उत्साह एवं आनंद के साथ सहभागिता की। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ प्रदेश योग आयोग के अध्यक्ष आदरणीय रूप नारायण सिन्हा जी की स्मृति में श्रद्धांजलि एवं शोकसभा का आयोजन भी किया गया। उपस्थित सभी योग साधकों एवं पदाधिकारियों ने दो मिनट का मौन रखकर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की तथा योग एवं समाज सेवा के क्षेत्र में उनके योगदान को स्मरण किया।

पत्रकारिता दिवस पर छत्तीसगढ़ चेम्बर की अनूठी पहल

रायपुर प्रेस क्लब अध्यक्ष और एडवरटाइजर एसोसिएशन की उपस्थिति में पत्रकारों के लिए 700 कूपन हस्तांतरित, 1 जून से लगेगा विशाल निःशुल्क स्वास्थ्य जाँच शिविर

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

चेम्बर प्रदेश अध्यक्ष सतीश थौरानी के मार्गदर्शन में छत्तीसगढ़ चेम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज द्वारा पत्रकारिता दिवस के गरिमामयी अवसर पर पत्रकार बंधुओं के स्वास्थ्य को सर्वोपरि रखते हुए एक विशेष और अनूठी पहल की गई है। चेम्बर द्वारा रामकृष्णा केयर हॉस्पिटल, रायपुर के सहयोग से 1 जून से 15 जून 2026 तक एक विशाल निःशुल्क स्वास्थ्य जाँच शिविर का आयोजन किया जा रहा है। इस महत्वपूर्ण कार्यक्रम के सुचारू संचालन और व्यवस्था के लिए आज चेम्बर भवन में दोपहर 3:30 बजे कूपन वितरण का गरिमामयी कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

इस विशेष अवसर पर रायपुर प्रेस क्लब के अध्यक्ष श्री मोहन तिवारी जी और एडवरटाइजर एजेंसी एसोसिएशन ऑफ़ छत्तीसगढ़ के अध्यक्ष श्री ओंकार सिंह मुंढार जी की गरिमामयी उपस्थिति रही, चेम्बर द्वारा उन्हें पत्रकारों हेतु 700 स्वास्थ्य कूपन हस्तांतरित किए गए। कार्यक्रम के दौरान विशेष अतिथि के रूप में पधारे रायपुर प्रेस क्लब के अध्यक्ष श्री मोहन तिवारी जी, एडवरटाइजर एजेंसी एसोसिएशन ऑफ़ छत्तीसगढ़ के अध्यक्ष श्री ओंकार सिंह मुंढार जी, अष्टविनायक रियल्टीज से श्री पवन लोहाना जी तथा रामकृष्णा केयर हॉस्पिटल से श्री अभिषेक जी का चेम्बर पदाधिकारियों द्वारा पुष्पगुच्छ और शॉल भेंट कर आत्मीय स्वागत व सम्मान किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए चेम्बर के महामंत्री अजय भसीन ने कहा कि पत्रकार साथी दिन–रात समाज को जागरूक करने और खबरों को हम तक पहुँचाने के लिए बिना थके काम करते हैं। इस भागदौड़ भरी जिंदगी में वे अक्सर अपने स्वास्थ्य की अनदेखी कर देते हैं, इसलिए चेम्बर की यह पहल हमारे 700 पत्रकार साथियों और उनके सहयोगियों के उत्तम स्वास्थ्य को सुनिश्चित करने का एक छोटा सा प्रयास है। कार्यक्रम के अंत में चेम्बर कोषाध्यक्ष निकेश बरड़िया ने सभी आगंतुक पत्रकार बंधुओं एवं अतिथियों का आभार व्यक्त किया और धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कहा कि चेम्बर हमेशा सामाजिक सरोकारों और राष्ट्र के चौथे स्तंभ के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ा है।

यह विशाल स्वास्थ्य जाँच शिविर आगामी 1 जून से 15 जून 2026 तक प्रतिदिन सुबह 10:00 बजे से शाम 4:00 बजे तक रामकृष्णा केयर हॉस्पिटल, रायपुर में आयोजित किया जाएगा। शिविर के दौरान पत्रकार बंधुओं के लिए ब्लड प्रेशर, ब्लड शुगर, ई.सी.जी., कम्प्लीट ब्लड काउन्ट, टी.एस.एच., लिपिड प्रोफाइल, यूरिक एसिड और सीनियर फिजिशियन परामर्श जैसी आवश्यक स्वास्थ्य जाँचें पूर्णतः निःशुल्क उपलब्ध रहेंगी। चेम्बर ने सभी पत्रकार साथियों से अपील की है कि वे समय पर अपनी जाँच सुनिश्चित करने के लिए मोबाइल नंबर 91118 66668 या 95896 23050 पर पहले से कॉल करके अपना अपॉइंटमेंट अवश्य बुक करा लें। आयोजित कूपन वितरण कार्यक्रम का सफल संचालन चेम्बर सांस्कृतिक प्रभारी व कार्यक्रम समन्वयक श्री अनिल जोतसिंघानी ने किया। इस अवसर पर चेम्बर प्रदेश महामंत्री अजय भसीन, कोषाध्यक्ष निकेश बरडिया, सलाहकार अमर गिदवानी, कार्यकारी अध्यक्ष जसप्रीत सिंह सलूजा, उपाध्यक्ष अमरदास खट्टर, दिलीप इसरानी जितेंद्र शादीजा, मनीष प्रजापति, राजेश गुरनानी, सुदेश मध्यान, मंत्री राहुल खूबचंदानी, सांस्कृतिक प्रभारी अनिल जोतसिंघानी, सदस्य प्रसून दीक्षित सहित प्रमुख रूप से बड़ी संख्या में व्यापारीगण एवं पत्रकारगण उपस्थित रहे।

स्वामी एवं प्रकाशक शांतिदेवी नचरानी प्रतिदिन राजधानी, प्रतिदिन हाऊस जी.ई.रोड शारदा चौक रायपुर छत्तीसगढ़ के लिए मुद्रक हरीश कुमार नचरानी प्रतिदिन प्रिंटर्स एण्ड पब्लिशर्स कचहरी चौक जेल रोड रायपुर (छ.ग.) द्वारा मुद्रित एवं स्वामी शांतिदेवी नचरानी (रामचंद नचरानी एण्ड संस की कर्ता) द्वारा प्रतिदिन हाऊस जी.ई.रोड शारदा चौक से प्रकाशित। संपादक-शांतिदेवी नचरानी * कार्यकारी संपादक-हरीश नचरानी, मो.-9617598000। (किसी भी विवाद के लिए न्यायलयीन क्षेत्र रायपुर होगा।) RNI NO. CHH HIN/2001/05596 फोन नं.- 0771-2223399, मो.-6262904444